THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 182 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.5, 15 2079 गुरुवार, 15 सितंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

महारानी एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का राजकीय अंतिम संस्कार 17-19 सितंबर 2022 को होने जा रहा है। वहीं भारत की तरफ से शामिल होने और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लंदन जाएंगी। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को दी। बता दें महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का आठ सितंबर को निधन हो गया था और भारत ने रविवार को राष्ट्रीय शोक भी व्यक्त किया था। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

गोवा में कांग्रेस का सूपड़ा साफ

कांग्रेस के 11 में से 8 एमएलए भाजपा में शामिल

दल-बदल कानून लागू नहीं होगा

पणजी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। गोवा कांग्रेस के 11 में से 8 विधायकों ने बुधवार को पार्टी छोड़ दी। सभी विधायक मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ विधानसभा पहुंचे और स्पीकर रमेश तावड़कर को कांग्रेस से अलग होने की चिट्ठी सौंपी। इसके तुरंत बाद गोवा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सदानंद तनवड़े ने सभी विधायकों को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

कांग्रेस छोड़ने वाले विधायक गोवा के पूर्व सीएम दिगंबर कामत, माइकल लोबो, देलिया लोबो, केदार नाइक, राजेश फलदेसाई, एलेक्सो स्काइरिया, संकल्प अमोलकर और रोडोल्फो फर्नांडीज शामिल है। बागी विधायकों की संख्या पार्टी के कुल विधायकों की संख्या के दो-तिहाई से ज्यादा है। इस वजह से इन विधायकों पर दल-बदल कानून लागू नहीं होगा।

कांग्रेस बोली-भारत जोड़ो यात्रा से डरी भाजपा

गोवा में टूट के बाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डर गई है और ऑपरेशन कीचड़ करने में जुटी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख आगे कहा- भाजपा सिर्फ तोड़ सकती है। वहीं कांग्रेस प्रभारी दिनेश गुंडूराव ने लिखा-पैसे और सत्ता के दम पर लोकतांत्रिक सिद्धांतों की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

3 गलतियां और 7 महीने में टूट गई कांग्रेस

10 मार्च 2022 को गोवा विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। इनमें कांग्रेस को 40 में से 11 सीटें मिली थीं, लेकिन 7 महीने के भीतर ही पार्टी टूट गई। इसके पीछे की वजह कांग्रेस की 3 बड़ी गलतियां है।

1. बाहर से आए लोबो का कद बढ़ाना- चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस ने बाहर से आने वाले माइकल लोबो को नेता प्रतिपक्ष बनाया। लोबो चुनाव से पहले ही पार्टी में शामिल हुए थे। नेता प्रतिपक्ष की रेस में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत कांग्रेस हाईकमान के इस फैसले के खिलाफ थे। उनकी नाराजगी को देखकर तय माना जा रहा था कि कांग्रेस में टूट होगी।

2. अध्यक्ष पर एक्शन, प्रभारी पर कार्रवाई नहीं-गोवा में हार के बाद कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष गिरीश चोडनकर से इस्तीफा ले लिया, लेकिन प्रदेश प्रभारी दिनेश गुंडूराव पर कोई कार्रवाई नहीं की। गुंडूराव से पार्टी के कई सीनियर चुनाव के पहले से नाराज चल रहे थे। इसी वजह से पार्टी ने पी चिदंबरम को कांग्रेस का ऑब्जर्वर बनाकर भेजा था।

3. नए अध्यक्ष पर गुटबाजी हुई तो एक्शन नहीं लिया-गोवा कांग्रेस के नए अध्यक्ष अमित पाटकर को लेकर भी पार्टी में गुटबाजी तेज हुई थी, जिसका असर राष्ट्रपति चुनाव में दिखा। पार्टी के 4 विधायकों ने उस वक्त क्रॉस वोटिंग की थी। कांग्रेस ने इस पर भी डैमेज कंट्रोल का कदम नहीं उठाया।

कामत और लोबो पर कांग्रेस ने की थी कार्रवाई

इसी साल जुलाई में कांग्रेस ने पार्टी विरोधी साजिश में शामिल होने का आरोप लगाकर दिगंबर कामत और माइकल लोबो पर कार्रवाई की थी। उस वक्त कांग्रेस टूट से बचने के लिए अपने 5 विधायकों को चेन्नई शिफ्ट कर दिया था।

चुनाव से पहले राहुल ने दिलाई थी शपथ

विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को 5 साल तक पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ दिलाई थी। कांग्रेस ने इस दौरान सभी उम्मीदवारों से एक शपथ पत्र पर हस्ताक्षर भी करवाए थे। हलफनामा देते हुए विधायकों ने कहा था कि 5 साल तक पार्टी नहीं छोड़ेंगे और कांग्रेस में रहकर गोवा की जनता का सेवा करते रहेंगे।

मुंबई में ईडी का 4 ठिकानों पर छापा

प्राइवेट लॉकर्स से मिला 91.5 किलो सोना और 340 किलो चांदी

बैंक से लिया था 2,296 करोड़ का लोन

मुंबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को मुंबई स्थित कंपनी मेसर्स रक्षा बुलियन और मेसर्स क्लासिक मार्बल्स के 4 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने छापे में 91.5 किलो सोना और 340 किलो चांदी जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.76 करोड़ बताई जा रही है। ईडी के अफसरों ने मेसर्स पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में इन ठिकानों पर छापेमारी की थी।

कंपनी से मिली निजी लॉकर्स की चाबियां

छापेमारी के दौरान सराफा कंपनी के परिसर से कुछ गुप्त निजी लॉकर्स की चाबियां मिलीं थीं। निजी लॉकर्स की तलाशी लेने पर पता चला कि लॉकर का इस्तेमाल बिना नियमों के पालन के किया जा रहा था। उसमें कोई केवाईसी का पालन नहीं किया गया। न ही परिसर में कोई सीसीटीवी कैमरा था। परिसर में 761 लॉकर मिले, जिनमें से तीन रक्षा बुलियन के थे। एक लॉकर से 91.5 किलो सोना और दो अलग-अलग लॉकर्स से 152 और 188 किलों चांदी जब्त की गई। पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला मार्च 2018 से चल रहा है। कंपनी पर आरोप था कि इसने बैंकों से झूठ बोल कर 2,296.58 करोड़ रुपए का लोन लिया था। 2019 में इस मामले में 205 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति भी कुर्क की जा चुकी है।

सोनिया का बड़ा आरोप

चुनावी फायदे के लिए ध्रुवीकरण कर रही मोदी सरकार, भंग की सामाजिक समरसता

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया कि चुनावी फायदे के लिए मोदी सरकार मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर रही है और सामाजिक समरसता जानबूझकर भंग की जा रही है।

मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पिछले आठ वर्षों में मुट्ठी भर राजनेताओं और व्यापारियों के हाथों में केंद्रित हो गई है। इससे भारत का लोकतंत्र और संस्थान कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों पर हमला किया जा रहा है।

अखबार के संपादकीय पृष्ठ पर लिखा जाने वाला आलेख ओपेड कहलाता है। इसमें सोनिया गांधी ने लिखा कि पूर्व के स्वतंत्र प्राधिकारियों को 'कार्यपालिका का औजार' बना दिया है और ये पक्षपातपूर्ण और निर्दयतापूर्वक दमन कर रहे हैं। चुनावी बॉन्ड और क्रोनिज्म द्वारा तैयार किए गए धन बल से चुनावी नतीजों को विकृत किया जा रहा है। सरकारी एजेंसियां मौजूदा सरकार का विरोध करने वाले किसी भी दल को चलता कर देती हैं। सोनिया गांधी का यह आलेख कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के बीच आया है। इसका मकसद देश को जोड़ना और कांग्रेस संगठन को पुनर्जीवित करना है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कई अन्य नेता शामिल हैं। इसकी शुरुआत पिछले सप्ताह तमिलनाडु स्थित कन्याकुमारी से हो चुकी है और यह अब केरल पहुंच चुकी है।

सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सार्वजनिक उद्यमों को खोखला कर एक या दो निजी लोगों को बेचा जा रहा है। मोदी सरकार पर निशाना साधने के साथ ही सोनिया गांधी ने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार की नीतियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उस वक्त हम समझ गए थे कि तीव्र विकास और बढ़ती असमानता के बीच सभी नागरिकों के लिए संसाधन और अवसर मुहैया कराना जरूरी है।

यूपीए सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, खाद्य सुरक्षा अधिनियम और मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं आशा के साथ-साथ सूचना के अधिकार अधिनियम और आधार जैसी पहल की और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।

पीएम मोदी ने चीन को सौंप दी 1000 वर्ग किलोमीटर जमीन सरकार बताए कब वापस लेगी : राहुल

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जहां एक अखबार में आलेख लिखकर मोदी सरकार को घेरा वहीं, राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन को बगैर जंग लड़े 1000 वर्ग किलोमीटर जमीन सौंप दी। उन्होंने सरकार से पूछा कि वह बताए कि यह जमीन कब वापस ली जाएगी? राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि चीन ने लद्दाख सीमा पर अप्रैल 2020 के पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस नेता ने यह आरोप ऐसे वक्त लगाया है, जब दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख के गोगरा हॉट स्प्रिंग इलाके में स्थित पेट्रोलिंग पाइंट-15 (पीपी-15) से अपनी सेनाएं पीछे हटा ली हैं। भारत व चीन के बीच पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद 5 मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू हो गया था। इसके बाद दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे अपने हजारों सैनिकों और भारी हथियारों को वहां तैनात कर दिया था। लंबी सैन्य और कूटनीतिक वार्ता की एक श्रृंखला के बाद दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट से और गोगरा क्षेत्र से अपनी सेनाएं वापस बुला ली थी।

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी समकक्ष से की बात

पाकिस्तान को एफ-16 के लिए भेजी जा रही मदद पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अपने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर वार्ता हुई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट करके इस वार्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अमेरिकी रक्षा सचिव से पाकिस्तान के F-16 बेड़े के लिए पैकेज प्रदान करने के अमेरिकी सरकार के निर्णय पर भारत की चिंता जाहिर की।

राजनाथ सिंह ने बताया कि अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ टेलीफोन पर सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि हमारे बीच सामरिक हितों के बढ़ती एकरूपता और रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने के बारे में वार्ता हुई। साथ ही हमने तकनीकी और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने और उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग का पता लगाने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि बातचीत के दौरान मैंने पाकिस्तान के F-16 बेड़े के लिए पैकेज

प्रदान करने के हाल ही में लिए गए अमेरिकी निर्णय पर भारत की चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सेक्रेटरी ऑस्टिन बातचीत जारी रखने के लिए तत्पर हैं। दरअसल, बाइडन प्रशासन ने आठ सितंबर को पाकिस्तान को एफ-16 युद्धक विमानों के वास्ते 45 करोड़ डॉलर की मदद देने की मंजूरी दी थी।

पिछले चार सालों में वाशिंगटन की ओर से इस्लामाबाद को दी गई यह पहली बड़ी सुरक्षा सहायता है। भारत ने इसे लेकर चिंता जताई है। वहीं, भारत की चिंताओं से इतर अमेरिका ने अपने इस कदम को जायज ठहराया है। अमेरिका ने कहा है कि ये सहायता अमेरिका और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों का अहम हिस्सा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हमने हाल ही में कांग्रेस (संसद) को अवगत कराया है कि हम पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 विमानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर देने जा रहे हैं।

प्राइस ने कहा, पाकिस्तान कई मामलों में हमारा एक महत्वपूर्ण साझेदार है। वह आतंकवाद के खिलाफ जंग में हमारा एक अहम साझेदार है। हम अपनी नीति के तहत अमेरिका में निर्मित उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए सहायता उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का एफ-16 कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा है और इस मदद से पाकिस्तान को एफ-16 बेड़े की मरम्मत के लिए सहायता मिलेगी, जिससे वह आतंकवाद के वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपट सकेगा।

हिंदी दिवस : गृह मंत्री अमित शाह ने दी शुभकामनाएं

कहा-'एकता के सूत्र में पिरोती है राजभाषा'

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदी दिवस के मौके पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदी ने भारत को विश्व स्तर पर विशेष सम्मान दिलाया है और इसकी सादगी और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को आकर्षित करती है। उन्होंने अपने एक ट्वीट में उन सभी का दिल से धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने देश की सबसे बड़ी बोली जाने वाली भाषा को समृद्ध और मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए हैं।

गृहमंत्री ने देश को किया संबोधित

गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के मौके पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने अलग से प्रावधान किया, जिसमें प्रारंभिक 14 भाषाएं रखी गईं। अब आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं हैं। सभी भाषाओं का अपना-अपना स्थान है। सभी भारतीय भाषाओं से समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में विशेष स्थान हासिल किया है। यही कारण है कि आजादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदालेन की गति बढ़ाने का प्रयास किया।

गृह मंत्री ने कहा, आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। इसके अलावा शाह ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा, 'राजभाषा हिंदी राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है। मोदी सरकार हिंदी सहित सभी स्थानीय भाषाओं के समानांतर विकास हेतु प्रतिबद्ध है। हिंदी के संरक्षण व संवर्धन में योगदान देने वाले महानुभावों को नमन करता हूँ।'

गुजरात में हिंदी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, हमारी राजभाषा और हमारी स्थानीय भाषाएं विश्व की सबसे समृद्ध भाषाओं में से एक हैं। जब तक हम इस बात का संकल्प नहीं करते कि इस देश का शासन, प्रशासन, इस देश का ज्ञान और अनुसंधान हमारी भाषाओं में होगा, तब तक हम इस देश की क्षमताओं का उपयोग नहीं कर सकते। गृहमंत्री ने कहा, देश और दुनिया के सभी हिन्दी प्रेमियों को हिन्दी दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

हम सबके लिए संविधान सभा के निर्णय को सिर्फ याद करने का दिन नहीं है। 75 साल से 100 साल का ये जो अमृत काल है, ये संकल्प लेने का और संकल्प सिद्धि करने का समय है। उन्होंने कहा, हम सभी देशवासियों को संकल्प लेने की जरूरत है कि 25 साल के अंदर हमारा देश भाषा की लघुता ग्रंथी से मुक्त होकर हमारी स्वभाषाओं में देश का विकास करेगा और देश को दुनिया के सर्वोच्च स्थान पहुंचाएगा।

अफगानिस्तान में है मसूद अजहर

तालिबान को लिखा-आतंकी को गिरफ्तार करें

काबुल, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों पेरिस में इंटरनेशनल वॉचडॉग फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में शामिल किया। इस दवाब के चलते पाकिस्तान आतंकवादियों पर कार्रवाई के कदम उठाने के लिए मजबूर हो गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक उसने हाल ही में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने मसूद अजहर का पता लगाने और उसे हिरासत में लेने के लिए अफगान तालिबान सरकार से संपर्क किया है।

तालिबान को लिखे लेटर में यह दावा किया है कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा मसूद भारत में 2001 में भारतीय संसद पर हमला और 2019 का पुलवामा विस्फोट जैसे कई आतंकी हमलों का जिम्मेदार है। पाकिस्तानी अधिकारियों का मानना है कि वह नंगरहार और कुनार में छिपा हो सकता है। उसे गिरफ्तार करें। पाकिस्तान की जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक ये क्लियर नहीं हो सका है कि अजहर अफगानिस्तान कब पहुंचा, अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल पर कब्जा करने से पहले या बाद में।

दिल्ली एचसी से बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी को झटका

सरकारी आवास खाली करने के निर्देश

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट से बीजेपी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी को सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी से कहा कि वह 6 हफ्ते में सरकारी आवास खाली करें। सुब्रमण्यम स्वामी ने दिल्ली हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल कर टाइप 7 बंगला रियल अलॉट करने की मांग की थी। सुब्रमण्यम स्वामी ने याचिका में अपनी जेड सिक्योरिटी का हवाला देते हुए बंगले को री-अलॉट करने की मांग की थी। बता दें कि याचिका में कहा गया था कि वह 15 जनवरी 2016 से इसी बंगले में रह रहे हैं।

गुलाम नबी आजाद ने पीएम मोदी के लिए कही बड़ी बात

कांग्रेस बोली- 'मौसम बदल गया'

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस से अलग होने के बाद वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद अगले कुछ दिनों में नई पार्टी की घोषणा करने वाले हैं। पार्टी के एलान से पहले वह लगातार कांग्रेस और राहुल गांधी को निशाना बना रहे हैं। अब उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा है कि वह राहुल गांधी की तरह किसी पर व्यक्तिगत हमले नहीं करते। उन्होंने कहा वह व्यक्ति की नहीं बल्कि नीतियों की आलोचना करते हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उन पर तंज कसते हुए कहा, 'मौसम बदल गया है।'

सदन में करता था मोदी सरकार की नीतियों का विरोध

गुलाम नबी आजाद ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि वह राहुल गांधी की तरह किसी पर व्यक्तिगत रूप से हमला नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, जब संसद में सात साल तक नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में थे तो पीएम मोदी की नीतियों की जमकर आलोचना की, लेकिन अब उनका नाम भाजपा से जोड़ा जा रहा है। आजाद ने कहा, राहुल गांधी ने जी-23 बनने के बाद उन्हें बीजेपी से जोड़ना शुरू कर दिया था।जब हमने पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग करते हुए पत्र लिखा, तो वे भड़क गए और झूठ फैलाया कि यह पत्र पीएम मोदी के इशारे पर लिखा गया था। यह झूठ कांग्रेस कार्य समिति और नेता से शुरू हुआ।

गुलाम नबी को कोई हुक्म नहीं दे सकता

साक्षात्कार में गुलाम नबी आजाद ने कहा, जब कहा कि वह पत्र पीएम मोदी के कहने पर लिखा गया, तो मैंने कहा, पीएम मोदी पागल नहीं हैं कि वह हमसे कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कहेंगे। गुलाम नबी को कोई हुक्म नहीं दे सकता। मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है और एक भी प्राथमिकी नहीं है। मेरे पास कोई संपत्ति नहीं है। मैं किसी से क्यों डरूं? मैं संसद में 7 साल तक पीएम मोदी के पास बैठा रहा और उनकी नीतियों की तीखी आलोचना की। फर्क सिर्फ इतना है कि मैं व्यक्तिगत हमले नहीं करता। मैं नीतियों पर हमला करता हूं, व्यक्तियों पर नहीं क्योंकि अल्लाह व्यक्ति बनाता है।

जय श्रीराम के जवाब में 'सर तन से जुदा'

नूपुर संग बीजेपी से निकाले गए नवीन को धमकी

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर नूपुर शर्मा की आपत्तिजनक टिप्पणी का समर्थन करने की वजह से बीजेपी से निकाले गए नवीन जिंदल को एक बार फिर 'सर तन से जुदा' की धमकी मिली है। नवीन जिंदल ने ट्विटर पर 'जय श्री राम' लिखा था, जिसके जवाब में एक यूजर ने 'सर तन से जुदा' लिखा है। जान पर खतरे की वजह से पुलिस सुरक्षा में घर में कैद हो चुके जिंदल ने ट्विटर के जरिए ही दिल्ली पुलिस से शिकायत की है तो भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी को भी लपेट लिया है। नवीन जिंदल ने स्क्रीनशॉट को शेयर करते हुए लिखा, "एक तरफ तो राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे है दूसरी और अपने चमचों से हिंदुओं को को सर तन से जुदा करने की धमकी दिलवा रहे है।

ये भारत जोड़ो नहीं बल्कि भारत तोड़ो यात्रा है।" जिंदल ने इस ट्वीट के साथ सीपी दिल्ली को टैग किया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ की गई टिप्पणी के बाद से नवीन जिंदल को जान से मारने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। दिल्ली पुलिस ने उन्हें और नूपुर शर्मा को सुरक्षा दी है। दोनों पिछले कई महीनों से भूमिगत हैं। पिछले दिनों उनके घर के बाहर तैनात पीसीआर वैन में भी तोड़फोड़ की गई थी।

जिंदल ने सीसीटीवी फुटेज के साथ इसकी शिकायत की थी और अपनी जान को खतरा बताया था। नूपुर शर्मा के बयान को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल नाम के एक टेलर का गला रेत दिया गया था। इसके बाद से जिंदल और नूपुर की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ चुकी है।

हनुमान चालीसा प्रकरण को लेकर सुर्खियों में आये राणा दंपति को राहत

सीआईडी करेगी दर्ज मामलों की जांच

मुंबई,14 सितंबर (एजेंसियां)। हनुमान चालीसा प्रकरण को लेकर सुर्खियों में आये सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के खिलाफ अमरावती जिले में दर्ज मामलों की जांच अब सीआईडी करेगी। महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्रालय ने अमरावती पुलिस को सभी मामले सीआईडी को ट्रांसफर करने के दिए आदेश हैं। उद्धव ठाकरे की महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान बडनेरा से विधायक रवि राणा पर एक साल में हत्या का प्रयास सहित विभिन्न गंभीर मामले दर्ज किए गए थे। अमरावती में पुलिस कमिश्नर आरती सिंह और राणा दंपति के बीच लगातार विवाद चल रहा है। राणा दंपति का आरोप था कि आरती सिंह जानबूझकर उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही हैं।

इस मामले में सांसद नवनीत राणा ने इसकी शिकायत उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कर महाराष्ट्र सरकार से जांच किसी अन्य एजेंसी को ट्रांसफर करने की गुजारिश की थी। जिसके बाद जांच के आदेश अब क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) को दिए गए हैं।

वसूली का लगा था आरोप

राणा दंपति ने आरोप लगाया था कि डॉ. आरती सिंह के इशारे पर पुलिस डिपार्टमेंट वसूली करने में लगा रहता है। विधायक ने आरोप लगाया था कि पुलिस आयुक्त डॉ. आरती सिंह ने वसूली कर तत्कालीन गृहमंत्री को पैसे पहुंचाए थे। जिसका मामला उठाने पर उनके ऊपर पुलिस आयुक्त झूठे मामले दर्ज कर रही थीं।

ड्रिंक एंड ड्राइव केस में मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

आरोपी को जमानत देने की शर्त रखी- दो हफ्ते तक शराब के नुकसान बताने वाले पर्चे बांटो

चेन्नई,14 सितंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने ड्रिंक एंड ड्राइव केस में गिरफ्तार हुए एक शख्स को आदेश दिया है कि वह लोगों को शराब पीने के नुकसान बताएगा। जस्टिस एडी जगदीश चंदिरा ने उसे जमानत देते हुए शर्त रखी कि शराब पीकर गाड़ी चलाने की आदत के खिलाफ उसे दो हफ्ते तक पर्चे बांटने होंगे।

आरोपी ने शराब के नशे में तीन लोगों को गाड़ी से टक्कर मारी थी

इस शख्स ने नशे में गाड़ी चलाते समय पैदल चल रहे तीन लोगों को टक्कर मार दी थी, जिसमें तीनों घायल हो गए थे। गिरफ्तार शख्स ने कोर्ट में जमानत की याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने 25,000 रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी। प्रतिवादी पक्ष ने इस जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए तीन लोगों को टक्कर मार दी थी। टक्कर मारकर वह मौके से फरार हो गया।

कोर्ट ने कहा- आरोपी को परिवार पालना है इसलिए जमानत दे रहे

प्रतिवादी पक्ष की दलीलों के बावजूद कोर्ट ने आरोपी को सशर्त जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को अपने परिवार का पालन-पोषण करना है और तीनों घायल ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं, इसलिए आरोपी को जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को दो हफ्ते तक रोजाना सुबह 9 बजे से 10 बजे तक और शाम को 5 बजे से 7 बजे तक अदयार पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा।

वेस्ट बैंक संघर्ष में 2 फिलिस्तीनी मारे गए, 1 इजरायली सैनिक की भी मौत

रामल्ला,14 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल और फलिस्तीन के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इजरायली सैनिकों ने बुधवार को अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक की सीमा के पास संघर्ष में दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसमें एक इजरायली सैन्य अधिकारी भी मारा गया है। उन क्षेत्रों में है जिसे फिलिस्तीनी अपने भविष्य के राज्य के केंद्र के रूप में चाहते हैं। हाल के महीनों में हिंसा में वृद्धि देखी गई है, क्योंकि इजरायल ने अपने शहरों में घातक फिलिस्तीनी हमलों के बाद छापेमारी तेज कर दी है। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि बुधवार को सुबह होने से पहले सैनिकों ने फिलिस्तीनी शहर जेनिन के पास वेस्ट बैंक सीमा के नजदीक एक इजरायली बैरिकेड्स के पास दो लोगों को देखा, जहां दोनों पक्षों के बीच रात में संघर्ष देखा गया। सेना ने कहा कि उन लोगों ने गोलियां चलाई जिसमें एक सेना अधिकारी की मौत हो गई। जिसके बाद अन्य सैनिकों द्वारा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। इधर सशस्त्र फिलिस्तीनी गुटों के गठबंधन जेनिन ब्रिगेड ने दो मृत बंदूकधारियों की पहचान अपने सदस्यों के रूप में की है। इसके साथ ही इसने दावा किया कि उन्होंने इजरायली सेना के एक अधिकारी को मार डाला है। वहीं पिछले कुछ हफ्तों में इजराइल ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास पर दबाव डालकर उत्तरी वेस्ट बैंक में सुरक्षा स्थिति को शांत करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव

जयराम रमेश ने सहमति बनाने की पैरवी की, गांधी परिवार के महत्व पर जोर दिया

तिरुवनंतपुरम,14 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ होने से पहले पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने नया अध्यक्ष चुनने में सहमति बनाने की बुधवार को पैरवी की और किसी भी स्थिति में संगठन से जुड़े मामलों में नेहरू-गांधी परिवार के महत्व को कायम रखे जाने पर जोर दिया।उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस चुनाव में गांधी परिवार से इतर कोई और अध्यक्ष चुना जाता है तो भी सोनिया गांधी वह व्यक्ति होंगी जिनकी ओर हर व्यक्ति उम्मीद से देखेगा और राहुल गांधी पार्टी के वैचारिक केंद्रबिंदु बने रहेंगे।

रमेश ने इस धारणा को भी सिरे से खारिज कर दिया कि किसी अन्य व्यक्ति के अध्यक्ष बनने पर भी राहुल गांधी 'बैकसीट ड्राइविंग" (पीछे से चलाने) का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी उदार और लोकतांत्रिक व्यक्ति हैं।

रमेश ने यह भी कहा कि आलाकमान के बिना कोई भी पार्टी "अराजक" हो जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के कुछ नेताओं की आलाकमान संस्कृति से जुड़ी दलील को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था के बिना पार्टी में अराजकता पैदा हो जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सहमति बनाने की पैरवी करते हुए रमेश ने दिग्गज कांग्रेस नेता रहे के। कामराज के कथन का उल्लेख किया कि पार्टी के नेतृत्व के लिए हर किसी से बात करें और समुचित सहमति बनाएं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के इतिहास में हमने आमातौर पर सहमति के आधार पर चुनाव किया। 1938, 1950, 1997 और 2000 में चुनाव हुए। लेकिन मेरी राय कामराज के विचार की तरह व्यापक सहमति की है। मैं कामराज के विचारों से संबंध रखता हूं।' कांग्रेस की ओर से घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 22 सितंबर को पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। 24 सितंबर से नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हुए तो 17 अक्टूबर को मतदान होगा।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कमलनाथ को दी सलाह

अगर आवश्यकता नहीं तो दें विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा

भोपाल,14 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के एक बयान पर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। भाजपा कमलनाथ के बयान पर आक्रमक नजर आ रही है। मंगलवार को कमलनाथ से जब सदन में शामिल नहीं होने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह सदन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बकवास सुनने नहीं जा सकते। और अब इसी बयान पर नरोत्तम मिश्रा ने निशाना साधते हुए कहा कि यह बयान देकर उन्होंने प्रजातंत्र पर उंगली उठाई है। दरअसल इसे लेकर मीडिया से बातचीत के दौरान नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ अगर मानते हैं कि सदन में उनकी आवश्यकता नहीं है तो उनको विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। कमलनाथ का लोकतंत्र के मंदिर के प्रति लगातार व्यंग्य और कटाक्ष करना चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सदन में भाषण को बकवास कहते है तो इससे समझ में आता है कि वह मुंह चलाने में विश्वास करते हैं। सदन में अगर कमलनाथ की आवश्यकता नहीं है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर के प्रति ऐसे शब्दों का प्रयोग करना चिंताजनक होता है। नरोत्तम मिश्रा के अलावा भाजपा के दूसरे नेता भी कमलनाथ के बयान पर हमलावर है।

भाजपा नेता ने कहा कि कमलनाथ ने यह बयान देकर विधानसभा का अपमान किया है। इसलिए भाजपा की मांग है कि विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। क्योंकि विधानसभा में सीएम का बयान संवैधानिक होता है और ये कमलनाथ की नफरत और छल है जो बार बार सामने आ रहा है। बता दें कि 13 सितंबर यानी मंगलवार से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हुआ है। लेकिन कमलनाथ कल आगर जिले के दौरे पर पहुंचे और सत्र के पहले दिन शामिल नहीं हुए। इस दौरान जब उनसे पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मैं शिवराज की बकवास सुनने सदन में नहीं जाता हूं।

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को फिर बनाया जा सकता है अटॉर्नी जनरल

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को अक्टूबर में एक बार फिर भारत का अटॉर्नी जनरल बनाया जा सकता है। मामले से परिचित सूत्रों ने यह जानकारी दी। रोहतगी जून 2014 से जून 2017 के बीच देश के अटॉर्नी जनरल रहे थे। कानून मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा अटॉर्नी जनरल

के के वेणुगोपाल (91) को 29 जून को तीन महीने के लिए एक बार फिर देश का शीर्ष कानूनी अधिकारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा था कि वह 'निजी कारणों' के चलते पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने सरकार का अनुरोध स्वीकार कर लिया था।

अटॉर्नी जनरल का कार्यकाल आमतौर पर तीन वर्ष का होता है।

साल 2020 में जब अटॉर्नी जनरल के तौर पर वेणुगोपाल का पहला कार्यकाल खत्म हुआ था, तब उन्होंने सरकार से अपनी आयु का हवाला देते हुए जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध किया था।

बाद में उन्होंने एक साल का नया कार्यकाल स्वीकार कर लिया था, क्योंकि सरकार उनके द्वारा संभाले जा रहे चर्चित मामलों और उनके विशाल अनुभव को देखते हुए उन्हें पद पर बरकरार रखना चाहती थी। एक अनुभवी वकील रोहतगी शीर्ष अदालत के साथ-साथ देशभर के उच्च न्यायालयों में कई चर्चित मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित जकिया जाफरी की याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) की पैरवी की थी। कांग्रेस के नेता एहसान जाफरी की 28 फरवरी 2002 को गुजरात के अहमदाबाद में गुलबर्ग सोसाइटी में हुई हिंसा के दौरान हत्या कर दी गई थी। एसआईटी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 64 लोगों को क्लीन चिट दे दी थी, जिसके खिलाफ जकिया ने शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस साल जून में उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगा मामले में मोदी और 63 अन्य को दी गई एसआईटी की क्लीन चिट को बरकरार रखा था।

पुंछ में मिनी बस खाई में गिरी, तीन बच्चों समेत 12 की मौत

जम्मू/पुंछ,14 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में बुधवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। जिले की मंडी तहसील में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास सावजियां में मिनी बस हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में 12 लोग मारे गए हैं, जबकि 22 लोग घायल हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही सेना और पुलिस के जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चलाया।

मरने वालों में तीन स्कूली बच्चे भी शामिल

जानकारी के अनुसार, गली मैदान से पुंछ के लिए जा रही एक मिनी बस सीमावर्ती क्षेत्र सावजियां के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है और 22 लोग घायल हैं। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को पुंछ जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है। इनमें से 5 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जम्मू मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि 4 घायलों को सड़क के रास्ते कश्मीर भेजा गया है। पुंछ जिला अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल है।

यहां पर डॉक्टर लगातार उनकी देखभाल कर रहे हैं। अस्पताल सीएमओ डॉ। शमीम उल निशा ने बताया कि अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। अभी तक दो घायलों की मौत हो गई है। 10 लोगों की मंडी में मौत हुई है। कुल 12 लोग इस हादसे में अपनी जान गंवा चुके हैं।

उपराज्यपाल ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं राजा सुखदेव सिंह अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को उचित सहायता दिए जाने की हिदायत दी। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये और घायलों के लिए एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'पुंछ के सावजियां में सड़क दुर्घटना में हुई मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना है। घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य की कामना करता हूं। पुलिस और सिविल अधिकारियों को घायलों को हर संभव इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। मृतकों के परिजन को मदद के लिए पांच लाख रुपये दिए जाएंगे।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना है- राष्ट्रपति

देश की राष्ट्रपित द्रौपदी मुर्मू ने पुंछ सड़क हादसे में दुख जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। राष्ट्रपति ने कहा, 'पुंछ के सावजियां में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में लोगों की मौत अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'

पीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुंछ सड़क हादसे को दुखद बताया है। उन्होंने पीएमएनआरएफ की ओर से मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के 50 हजार रुपये की सहायता राशि की घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा, 'पुंछ में हुए हादसे में लोगों की मौत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने अपनों को खोया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 20 किग्रा वजन के दो बम बरामद

दंतेवाड़ा,14 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने लगभग 20 किलोग्राम वजन के दो पाइप बम बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले के कमारगुड़ा गांव के करीब सुरक्षा बलों ने सोमवार को लगभग 20 किलोग्राम वजन के दो पाइप बम बरामद किए। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा बलों के एक दल को गश्त पर रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि जवान जब कमारगुड़ा शिविर से जगरगुंडा की ओर जा रहे थे, तब उन्हें सड़क के किनारे बम होने की जानकारी मिली। हालांकि, बाद में बम निरोधक ने दो पाइप बम बरामद कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

रास्ता पूछना पड़ गया भारी

महाराष्ट्र में यूपी के साधुओं को बच्चा चोर समझकर पीटा

सांगली,14 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली जिले में मथुरा के 4 साधुओं की पिटाई का मामला सामने आया है। बुलेरो कार में सवार साधुओं ने स्थानीय लोगों से रास्ता पूछ लिया था और लोगों ने उन्हें बच्चा चोर समझा। यह अफवाह तेजी से इलाके में फैल गई और मौके पर जुटी भारी भीड़ ने उन्हें बुरी तरह पीट डाला। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि साधुओं की ओर से इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज की जांच करके ऐक्शन लिया जा सकता है। यूपी के रहने वाले 4 साधु सांगली जिले के लवांगा गांव में पहुंचे थे और उन्हें पंधरपुर जाना था। वह सोमवार को एक मंदिर में रात्रि विश्राम के लिए रुक गए थे। मंगलवार को वह जब आगे की यात्रा पर निकले तो एक लड़के से रास्ता पूछ लिया था। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों को संदेह हुआ कि ये लोग बच्चा चोर गैंग के हैं।

इस पर भीड़ जुट गई और साधुओं की कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जांच की तो पता चला कि वे बच्चा चोर नहीं बल्कि मथुरा के पंचदशनाम जूना अखाड़ा के साधु थे। सांगली के एसपी दीक्षित गेदाम ने कहा कि सांगली में ग्रामीणों द्वारा 4 साधुओं की पिटाई का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों को संदेह था कि वे बच्चा चुराने वाले गैंग के मेंबर हैं।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक हमें कोई शिकायत नहीं मिली है। लेकिन हमारी तरफ से वायरल वीडियोज और तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। हम इस केस में जरूरी कार्रवाई करेंगे। बता दें कि भाजपा के समर्थन वाली एकनाथ शिंदे सरकार में इस तरह की घटना पर विपक्ष हमला कर सकता है। दरअसल उद्धव ठाकरे सरकार के कार्यकाल में एक साधु की हत्या पर काफी बवाल हुआ था और भाजपा ने इसे लेकर शिवसेना पर हमला बोला था। भाजपा ने कहा था कि साधु पर हमला होना हिंदुत्व पर अटैक की तरह है और शिवसेना ने हिंदुत्व से समझौता कर लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 15 सितंबर, 2022 3

सु वि चा र

अपनी सफाई बहुत कम पेश करनी चाहिए। यदि आपका चरित्र स्वयं अपना बचाव नहीं कर सकता तो वह बचाने योग्य है भी नहीं।

सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने भारत जोड़ो पोस्टर जारी किया

राजीव गांधी की सद्भावना यात्रा के सफल आयोजन में वीएच की अहम भूमिका को सराहा

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज शहर में पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा का एक पोस्टर जारी किया। पोस्टर में गरीब और कमजोर वर्गों के समर्थन में भारत जोड़ो यात्रा की कप्तानी की गई। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान विक्रमार्क के साथ पार्टी एमएलसी टी. जीवन रेड्डी, विधायक पोडेम वीरैया, टीपीसीसी प्रचार समिति के अध्यक्ष मधु यास्की और पूर्व सांसद वी हनुमंत राव (वीएच) मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए विक्रमार्क ने कहा कि देश को राहुल गांधी के नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता का नारा पूरे देश में गूंज रहा था और कहा कि भारत जोड़ी यात्रा का उद्देश्य पूरे देश को एकजुट करना था, जो सांप्रदायिक और विनाशकारी ताकतों से खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता यात्रा की शानदार सफलता की कामना कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के दिग्गज नेता हनुमंत राव ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सद्भावना यात्रा के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई थी और कहा कि वीएच अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बनाने के लिए आगे आए हैं।

टीपीसीसी प्रचार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मधु यास्की ने कहा कि देश के गरीब और कमजोर वर्गों ने भी यात्रा को अपना समर्थन देने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वे यात्रा के बारे में व्यापक प्रचार और प्रचार कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पूरे देश को एकजुट करने और एक समान समाज की स्थापना के लिए यात्रा शुरू की थी। एससी और एसटी समुदायों के पुलिस कांस्टेबल पदों के उम्मीदवारों ने राज्य विधानसभा में अपना मुद्दा उठाने के लिए सीएलपी नेता को सम्मानित किया। उम्मीदवारों का नेतृत्व एमआरपीएस अध्यक्ष मांडा कृष्णा मडिगा ने किया। विधानसभा में, विक्रमार्क ने राज्य सरकार से पुलिस कांस्टेबल पदों की लिखित परीक्षा के कटऑफ अंक कम करने की मांग की और इस मुद्दे को तेलंगाना के सीएम केसीआर के संज्ञान में ले लिया।

शर्मिला ने टीआरएस पार्टी के विधायकों पर निशाना साधा

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के विधायकों को राज्य के अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी से उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह करने के लिए फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्पीकर द्वारा उनके खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई के लिए वह कानून के अनुसार जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार ने उनकी चल रही पदयात्रा को रोक दिया तो वे एक और कार्रवाई करेंगे।

राज्य के कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी के खिलाफ उनकी टिप्पणियों का जवाब देते हुए, उन्होंने सोचा कि क्या वह तेलंगाना की भाभी कहलाने पर चुप रहेंगी? वह सोचती है कि क्या उसका कोई स्वाभिमान नहीं है? उसने स्पष्ट किया कि उसने केवल राज्य के मंत्रियों और विधायकों के भ्रष्ट कृत्यों के बारे में बात की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के लोग उनके काम को गौर से देख रहे हैं। उन्होंने पूछा कि पलामुरु रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के प्रति राज्य के मंत्रियों और विधायकों का कितना प्यार है?

हिन्दी जन संचार, कामकाज एवं शिक्षण की पावन त्रिवेणी : रमेशकुमार बंग

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कबूतरखाना स्थित माहेश्वरी विद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रमेशकुमार बंग ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि भाषा न केवल मनुष्य की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है, अपितु उसके विकास का भी सबसे सशक्त साधन है। व्यक्ति जितनी सहजता से अपनी मातृभाषा में किसी विषय को समझ सकता है, उतनी सुलभता किसी अन्य भाषा में सम्भव नहीं।

रमेशकुमार बंग ने कहा कि सदियों से देश भर में बोली, लिखी पढी जाने वाली बोलियाँ एवं प्रान्तीय भाषायें इसके प्रवाह के साथ देश के हर भाग में प्रवाहित हो रही हैं। तकनीक व संचार के क्षेत्र में भी हिन्दी के सॉफ्टवेयर की उपलब्धता इसके वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक महत्व को सिद्ध करती है।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत करते हुये हिन्दी दिवस के महत्व को बताते हुये विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबन्धन समिति के परामर्शदाता श्रीगोपाल बंग, श्रीवल्लभ तोषनीवाल, अनिरुद्ध कांकाणी, जुगल किशोर बंग, चेतन बंग, रमाकान्त तोषनीवाल के साथ विद्यालय के शिक्षक एवम विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दलित संगठनों ने फूंका बीजेपी विधायक रघुनंदन का पुतला

सिद्दीपेट, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दलित संगठनों ने बुधवार को दुब्बका में भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव का पुतला फूंका। क्योंकि विधायक ने विधानसभा में केंद्र सरकार से डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर नए संसद भवन का नाम रखने का आग्रह पर सदन से वाक्‌वाउट किया था।

दलित संगठनों ने रघुनंदन राव के खिलाफ नारेबाजी की। दुब्बका में दलित नेताओं ने कहा कि वे विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों में इस तरह के विरोध कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उन्होंने मंगलवार को राज्य विधानसभा में इस तरह का प्रस्ताव पेश करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और तेलंगाना राष्ट्र समिति पार्टी को धन्यवाद दिया। दलित नेताओं ने देखा कि भाजपा के मन में डॉ अम्बेडकर का कोई सम्मान नहीं है।

एयर कंडीशनर से पानी टपकने को लेकर विवाद में तीन लोगों को चाकू मारा

पेद्दापल्ली, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरीखानी कोयला पट्टी के हनुमान नगर में मंगलवार की रात एक एयर कंडीशनर से पानी टपकने को लेकर हुए विवाद में तीन लोगों को चाकू मार दिया।

पुलिस के अनुसार, एक सेवानिवृत्त सिंगरेनी कर्मचारी, जंगीली मोगिली ने अपने पड़ोसी ममीडाला पोशम के साथ बहस शुरू कर दी, क्योंकि बाद के एयर कंडीशनर का पानी उसके घर में टपक रहा था। जैसे ही तर्क गंभीर हुआ, मोगिली ने पोशम पर चाकू से हमला कर दिया। पोशम को मुरली से छुड़ाने की कोशिश में पोशम के पोते सैकिरन और उनके पड़ोसी शेखर को भी चाकू मारकर चोटें आईं। परिजनों ने घायलों को गोदावरीखानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मंचेरियल जिले के मंडामरी के मूल निवासी पोशम गोदावरीखानी में अपनी बेटी के घर आया था। गोदावरीखानी आई-टाउन के सीआई रमेश बाबू ने मौके का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

28 सितंबर को पूरे हैदराबाद में नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण अभियान

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व रेबीज दिवस पर 28 सितंबर को, स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन इंडिया (एसएएफआई) द्वारा ब्रीथ एनिमल रेस्क्यू (एआर) होम के साथ शहर भर में एक मुफ्त रेबीज टीकाकरण अभियान का आयोजन किया जाएगा। लोगों में रेबीज से बचाव के लिए कुत्तों का टीकाकरण सबसे प्रभावी रणनीति है, इसलिए मनुष्यों और उनके प्यारे दोस्तों दोनों के लिए एक सुरक्षित और प्यार भरा माहौल सुनिश्चित करने के लिए, संगठन का लक्ष्य अभियान के हिस्से के रूप में कम से कम 1000 आवारा कुत्तों का टीकाकरण करना है।

यह अभियान न केवल कुत्ते के स्वास्थ्य पर बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी लोगों को शिक्षित करता है कि अगर उन्हें कुत्ते ने काट लिया तो क्या करना चाहिए।

टीएसआरटीसी ने दिलसुखनगर से कोकापेट के लिए 4 नई बस सेवाएं शुरू कीं

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी कर्मचारियों को एक बड़ी राहत देते हुए, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने हाल ही में दिलसुखनगर से कोकापेट एसईजेड के लिए 4 नई बस सेवाएं शुरू की हैं।

टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने बुधवार को नई बसों का विवरण साझा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। बसें कोटी, नामपल्ली, मसाब टैंक, मेहदीपट्टनम, लंगर हौज, टीपू खान ब्रिज, बंदलागुडा, तारामातिपेट और नारीसिंगी के रास्ते चलेंगी। पहली बस दिलसुखनगर से सुबह छह बजे रवाना होगी और आखिरी बस रात आठ बजकर 40 मिनट पर डिपो से रवाना होगी।

परिवहन प्राधिकरण, जिसने 10 सितंबर को नए वाहन पेश किए, दिलसुखनगर-कोकापेट मार्ग पर भीड़ और भीड़भाड़ को कम करने के लिए हर 40 मिनट में बसें चलाएगा।

मृतक के परिजनों को कांग्रेस ने दी आर्थिक सहायता

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने सड़क हादसों में जान गंवाने वाले कांग्रेस पार्टी के सदस्यों के परिवारों में से प्रत्येक में 2 लाख का चेक राजीव गांधी दुर्घटना बीमा योजना के हिस्से के रूप में वितरित किए। बीबीपेट मंडल के मलकापुर गांव के यागीरी रेड्डी, सदाशिवनगर मंडल के येल्लारेड्डी गांव के तलारी सैलू और कामारेड्डी जिले के जुक्कल मंडल के मदनूर गांव के जाधव राजेंदर के परिवारों को चेक वितरित किए गए। उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हाल ही में कामारेड्डी जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में जान चली गई थी। सूचना पर, शब्बीर अली ने उनका विवरण एकत्र किया और उनके बीमा दावों पर कार्रवाई की। उल्लेखनीय है कि शब्बीर अली ने कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में डिजिटल सदस्यता अभियान के माध्यम से नामांकित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए व्यक्तिगत रूप से बीमा प्रीमियम का भुगतान किया था।

बुधवार को गांधी भवन में आयोजित एक समारोह में चेक वितरित किए गए और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मनिकम टैगोर, टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी और नदीम जावीद और अन्य ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, शब्बीर अली ने कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के तीन सदस्यों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व और ताकत का श्रेय अपने कार्यकर्ताओं को देती है जो बहुत मेहनत करते हैं। इसी कारण से, उन्होंने कहा कि डिजिटल सदस्यता अभियान के दौरान रुपये का दुर्घटना बीमा प्रदान करने का निर्णय लिया गया था। सभी सदस्यों को प्रत्येक को 2 लाख।

उन्होंने कहा कि बीमा राशि परिवारों को उनके बुरे समय में मदद करेगी क्योंकि उन्होंने अपनी रोटी कमाने वालों को खो दिया है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ. जे. गीता रेड्डी और सुदर्शन रेड्डी, कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी गंगाराम, वड्डेपल्ली सुभाष रेड्डी, कसुला बलराज, डीसीसी अध्यक्ष कैलसा श्रीनिवास, एससी सेल के अध्यक्ष भगैया, सुतारी रमेश, भूमा गौड़ और अन्य ने भाग लिया।

सिकंदराबाद ई-बाइक शोरूम में आग लगाने के मामले में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने एक ई-बाइक शोरूम और एक होटल में आग लगने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने होटल मालिक राजेंद्र सिंह, उनके बेटे सुमीत सिंह, मैनेजर और सुपरवाइजर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि रूबी प्राइड लग्जरी होटल में सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे पासपोर्ट कार्यालय के पास पांच मंजिला इमारत के बेसमेंट में स्थित ई-बाइक शोरूम में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई थी। ई-बाइक शोरूम सुमीत सिंह चला रहा था। जबकि उनके उनके पिता राजेंद्र सिंह दूसरे बेटे के साथ होटल चला रहे थे। राजेंद्र सिंह और सुमीत सुबह नौ बजे ई-बाइक शोरूम बंद कर अपने घर के लिए निकले थे। रात करीब साढ़े नौ बजे होटल स्टाफ ने राजेंद्र सिंह को आग लगने की सूचना दी। वह मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक पूरी इमारत में धुआं फैल चुका था और मेहमान होटल के कमरों में फंस गए थे। बाद में मालिक वहां से चला गया। पुलिस ने बाद में किशन बाग इलाके में राजेंद्र सिंह और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया। इसी बीच एक ई-बाइक शोरूम का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें दिखाया गया है कि आग कैसे लगी। शुरुआती जांच में ई-स्कूटर की बैटरी फटने से आग लगने की बात सामने आ रही है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में हिंदी पखवाड़ा शुरू

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में कोविड-19 महामारी के दिशानिर्देशों के अनुपालन में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा, जो 14 से 28 सितंबर तक संस्थान में आयोजित किया जा रहा है, उसका उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वी.श्रीदेवी, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन में किया गया। इस शुभ अवसर पर गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और महानिदेशक महोदय, सीसीआरएएस, नई दिल्ली हिंदी पखवाड़ा 2022 का संदेश वाचन करके सुनाया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी गई और सभी प्रतिभागियों को अधिक से अधिक हिंदी में कामकाज करने पर जोर दिया। तत्पश्चात् डॉ. बिश्वरंजन, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) ने हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात् सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर अपने विचार एवं कविताएँ प्रस्तुत की गई तथा कलवला अलेख्या, हिंदी सहायक ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए एक सुंदर कविता प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहें। डॉ. बिश्वरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हैदराबाद के कांचीगुडा स्टेशन पर आरपीएफ/काचीगुडा किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार है। आरपीएफ निरीक्षक ने कहा कि असामाजिक ताकतों को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन जैसी स्थिति को दोहराने का कोई मौका नहीं दिया जाएगा। सभी नागरिकों व खासकर छात्रों से अनुरोध किया गया है कि वे रेलवे परिसर में असामाजिक गतिविधियों में शामिल न हों।

फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने म्युनिसिपल संशोधन अधिनियम पर उठाई आपत्ति

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधानसभा द्वारा मंगलवार को पारित तेलंगाना म्युनिसिपल (संशोधन) अधिनियम पर फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने कई आपत्तियां उठाई हैं और कहा है कि नया अधिनियम जनहित में नहीं है।

फोरम फॉर गुड गवर्नेंस के सचिव एम. पद्मनाभ रेड्डी ने बुधवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि मनोनीत सदस्यों की संख्या बढ़ाने से नगर पालिकाओं के कामकाज में मदद नहीं मिलेगी, आगे यह किसी भी जनहित में काम नहीं करेगा।

इन मनोनीत पार्षदों के पास वोट देने के अधिकार को छोड़कर एक निर्वाचित पार्षद के सभी अधिकार होंगे। उन्होंने पूछा कि पिछले 3 वर्षों के दौरान मौजूदा मनोनीत सदस्यों का काम शून्य है, फिर उनकी संख्या क्यों बढ़ाई गई है। इसी तरह, फोरम ने अविश्वास प्रस्ताव पारित करने की अवधि को 3 साल से बढ़ाकर 4 साल करने पर भी आपत्ति जताई। जब अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की शर्त इतनी मजबूत होती है, तो परिषद को अस्थिर करने के लिए तुच्छ और अविश्वास प्रस्तावों की बहुत कम संभावना होती है। वास्तव में, अविश्वास प्रस्ताव के लिए कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, फोरम ने नगर निकायों में मतदान का अधिकार प्रदान करने पर भी आपत्ति जताई। भारतीय संसद द्वारा पारित 74 संशोधन अधिनियम 1992 के अनुसार नगरपालिका निकायों की स्थिति को वैधानिक से संवैधानिक तक बढ़ा दिया गया है और उन्हें बढ़ी हुई शक्तियों और जिम्मेदारियों के साथ संपन्न किया गया है।

हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बहादुरपुरा पुलिस ने बुधवार रात मीर आलम टैंक के पास एक ऑटो रिक्शा चालक की हत्या में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सैयद इलियासुद्दीन (32), अब्दुल रजाक (22) और हसन बिन हमूद (31) के रूप में हुई है। सभी बहादुरपुरा के रहने वाले हैं। इलियास का पीड़ित दस्तगीर से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बुधवार को इलियास ने अपने दोस्त रजाक और हसन के साथ उसे मीर आलम टैंक के पास पकड़ लिया और चाकू मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई, बहादुरपुरा इंस्पेक्टर, ए सुधाकर ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दस्तागीर के दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करने के बाद, हमने उन तीन संदिग्धों पर ध्यान दिया, जिन्हें हिरासत में लिया गया था। पूछताछ करने पर उन्होंने हत्या करना स्वीकार किया।

दमरे महाप्रबंधक ने अकानापेट-मेदक न्यू लाइन सेक्शन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक (प्रभारी), अरुण कुमार जैन ने हैदराबाद मंडल में अकानापेट-मेदक नई लाइन खंड का सुरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ शरत चंद्रयान, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद, नीरज अग्रवाल, सीएओ/निर्माण, दमरे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी रहे। श्री जैन ने सिकंदराबाद से मेडचल और मनोहराबाद स्टेशनों के माध्यम से पीछे की खिड़की का निरीक्षण शुरू किया। उन्होंने अकानापेट रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और स्टेशन मास्टर कार्यालय और बुकिंग कार्यालय सहित यात्री सुविधाओं और सर्कुलेटिंग एरिया की समीक्षा की। वह नवनिर्मित लक्ष्मणपुर और शामनापुर रेलवे स्टेशनों पर मेडक की ओर बढ़े, जहाँ उन्होंने यात्री सुविधाओं की जाँच के लिए स्टेशन परिसर और सर्कुलेटिंग क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने मेदक रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया. उन्होंने उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और स्टेशन मास्टर कार्यालय, स्टेशन के अंडर पास और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया। बाद में, वापसी की दिशा में उन्होंने मेडक-अकानापेट खंड में पुलों, वक्रों और अन्य सुरक्षा पहलुओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक को विभिन्न जन प्रतिनिधियों से स्टेशनों पर सुधार और अतिरिक्त सुविधाओं के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए। उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें विभिन्न सुविधाओं के विकास के लिए रेलवे की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

पीआरओ/0806

सं. वाई/सी. ई-नीलामी/एचवाईबी/2022, दिनांक : 12-09-2022

हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक ठेकों के लिए ई-नीलामी हेतु सूचना

हैदराबाद डिवीजन वाणिज्यिक आय ठेकों एवं एनएफआर ठेकों के लिए ई-नीलामी कार्यान्वित कर रहा है। उसी अनुसार, हैदराबाद डिवीजन ने निम्नलिखित श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्र. सं.	विवरण	श्रेणी	कैटलॉग सं.	नीलामी की तिथि	नीलामी शुरू होने का समय	नीलामी बंद होने का समय
1	एलसी गेट्स पर विज्ञापन अधिकार प्रदान करना	विज्ञापन	एचवाईबी - पीयूबी-ओओएच - 005	21-09-2022	11.00 बजे	12.30 बजे

1. एलसी - क्लस्टर -1 (एलसी सं.8 (एफएम- बीडीवीएल), 10 (बीडीवीएल- यूआर), 12 (बीडीवीएल-यूआर), 13 (बीडीवीएल-यूआर), 22 (टीएमएक्स- एसएचएनआर), 27 (टीएमएक्स- एसएचएनआर), 28 (एसएचएनआर- बीएबीआर मिलाकर) 2. एलसी-क्लस्टर-2 (एलसी सं. 47 (जीएलवाई- जेसीएल), 49 (एमबीएनआर- एमक्यूएन), 60 (एमबीएनआर- एमक्यूएन), 68 (एमबीएनआर- एमक्यूएन), 73 (डीकेसी- केक्यूक्यू), 79 (डीकेसी-केक्यूक्यू), 90 (केक्यूक्यू- डब्ल्यूपीआर) एवं 90ए (डब्ल्यूपीआर-एसआरएनआर मिलाकर), 3. एलसी-क्लस्टर-4 (एलसी सं. 133ई (केआरएनटी- डीयूयू), 135 (केआरएनटी- डीयूयू), 138 (केआरएनटी- डीयूयू), 137ई (केआरएनटी-डीयूयू), 145 (यूकेडी-वीडीआई), 155 (वीडीआई-बीवीओ मिलाकर), 4. एलसी क्लस्टर -5 (एलसी सं. 165 (एसवीएन- यूएमआरआई), 172 (केईके-डीएवी), 188 (बीएसएक्स- एनवीटी मिलाकर), 5. एलसी- क्लस्टर-6 (एलसी सं. 190ए (जेकेएम- एनजेडबी), 191 (जेकेएम- एनजेडबी), 192 (जेकेएम- एनजेडबी), 193 (एनजेडबी- डीएचपी), 196 (डीएचपी-आईडीएल), 198 (आईडीएल- एससीपी), 201 (आईडीएल- एससीपी), 205 (एससीपी-यूपीडब्ल्यू मिलाकर), 6. एलसी-क्लस्टर 7 (एलसी सं. 209ए (यूपीडब्ल्यू- केएमसी), 211 (केएमसी-टीएमडी मिलाकर), 218 (बीकेयू-एकेई), 228 (डब्ल्यूडीआर-एमई), 234 (डब्ल्यूडीआर-एमई), 234ए (एमई-एमओबी), 236ए (एमई-एमओबी), 7. एलसी क्लस्टर-8 (एलसी सं. 246ए (एमईडी-जीडीपीएल), 249 (जीडीपीएल- बीएमओ), 250 (बीएमओ- सीवीबी), 254 (सीवीबी- एमजेएफ), 255 (सीवीबी-एमजेएफ) एवं 2/एमएलवाई (डीवाईई-एमएलवाई)।

आगे, हैदराबाद डिवीजन केवल ई-नीलामी के माध्यम से एसएलआर'स, पार्किंग, विज्ञापन अधिकार एवं पे एण्ड यूज ठेकों के लीजिंग की योजना बना रहा है और अब से ये सभी ठेके, पारंपरिक निविदा प्रणाली से हटकर ई-नीलामी के माध्यम से ही आवंटित किए जाएँगे। इच्छुक पार्टियाँ एवं ठेकेदार इस पर ध्यान दें और यूजर मैनुअल को सम्पूर्णता से पढ़ें, जिसे ई-नीलामी प्रक्रिया को समझने एवं भाग लेने के लिए आईआरईपीएस साइट के होम पेज के लेफ्ट नेविगेशन बार में उपलब्ध लर्निंग सेंटर (यूजर मैनुअल्स) लिंक के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है। अधिक स्पष्टीकरण के लिए, बोलीदाता वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक कार्यालय, हैदराबाद डिवीजन, हैदराबाद भवन से सम्पर्क कर सकते हैं।

A1093

सीनि. डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर, हैदराबाद

नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री बनने का सपना मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा : अश्विनी चौबे

भागलपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता युवा मोर्चा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर भागलपुर में भाजपा के बड़े नेताओं का जमावड़ा शुरू है। मंगलवार और बुधवार को नेताओं के आने का सिलसिला जारी है। मगर तमाम नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। इसी सिलसिले में केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह अब रेगिस्तान में है। उनका प्रधानमंत्री बनने का सपना मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा है।

उद्घाटन सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा है कि नीतीश कुमार का गला जल्द ही दबने वाला है। मुख्यमंत्री जल्द ही ट्विन टावर की तरह ध्वस्त होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

कुमार का रिमोट लालू प्रसाद के हाथ में है और जब चाहते हैं बटन दबा कर नीतीश कुमार का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि नीतीश कुमार विपक्ष को एकजुट करने के लिए दिल्ली प्रवास पर गए थे। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं, जो कभी पूरा नहीं होने वाला है।

चौबे ने कहा कि नीतीश ने बिहार की जनता को ठगने का काम किया है, लेकिन वे देश की जनता को नही ठग पाएंगे। देश की जनता जानती है कि उनके हित में काम करने वाली कौन-सी सरकार है। उन्होंने मौजूदा महागठबंधन सरकार को ठगबंधन की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि जबसे यह सरकार आई है, बिहार में पहले की तरह अपराध बेलगाम हो गए हैं। आए दिन लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं चरम पर हैं।

पटना में सुबह टहलने जाने वाली महिलाओं के चेन छीन लिए जा रहे हैं। बिहार सरकार के कैबिनेट में जो मंत्री बैठे हैं, कुछ अपराधी तो कुछ भ्रष्टाचारी हैं। वहीं, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने भी नीतीश कुमार पर हमला किया। उन्होंने नीतीश कुमार को पलटू राम बोलते हुए कहा कि हमने जंगलराज खत्म करने के लिए चाणक्य की भूमिका निभाई और चंद्रगुप्त को अपने साथ लाए। लेकिन ये चंद्रगुप्त नकली निकला। पलटू राम का बिहार में समाज के बीच कोई अस्तित्व नहीं बचा। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खूब खरी-खोटी सुनाई।

उन्होंने कहा कि दो भाई एक-दूसरे को अपना सगा कहते हैं। लेकिन दोनों ने एक- दूसरे को ठगा है। उन्होंने नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दोनों ने मिल कर बिहार को 33 सालों तक ठगा है। प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने बताया कि नई सरकार ने केंद्र से जितना यूरिया मांगा। उन्हें उतनी यूरिया दी गई, इसके बावजूद बिहार में यूरिया की किल्लत दिखाई जा रही है। पूरे देश में यूरिया की कमी नहीं हुई। केवल बिहार सरकार यूरिया की कमी बता रही है।

आजम खां को पड़ा हार्ट अटैक

दिल की नस में ब्लॉकेज का इलाज कर डॉक्टरों ने डाले दो स्टेंट

रामपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सपा के वरिष्ठ नेता एवं शहर विधायक मोहम्मद आजम खां को हार्ट अटैक पड़ गया है। उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां एंजियोग्राफी के बाद डाक्टरों ने उन्हें स्टंट डाला है। फिलहाल, उनकी हालत में सुधार है लेकिन विशेषज्ञों की निगरानी में सीसीयू में एडमिट हैं। आजम खां के करीबियों के मुताबिक उन्हें दो दिन पहले सोमवार को अचानक पसीना आया और सांस लेने में तकलीफ हुई थी। आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां शानू ने बताया कि सोमवार की रात में तबीयत ज्यादा खराब होने के बाद उन्हें दिल्ली ले जाया गया था। वहां सर गंगाराम अस्पताल में उनके चैकअप हुए तो पता चला कि आजम खां को हार्ट अटैक हुआ था। एंजियोग्राफी करायी गई जिसमें पता चला कि उनकी दिल की एक नस में ब्लॉकेज है। जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम ने आजम खां के दिल की एंजयोप्लास्टी कर एक स्टंट डाला है।

इस्तीफे की अटकलों को मंत्री सुधाकर सिंह ने किया खारिज

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बहस को लेकर सुर्खियों में आये बिहार सरकार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपने इस्तीफे की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। सुधाकर सिंह ने कहा है कि न वो इस्तीफा दे रहे हैं और न ही किसी ने उनसे इस्तीफा देने को कहा है। वह अपनी पार्टी के समर्पित सिपाही हैं और उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर सिर्फ और सिर्फ राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ही फैसला कर सकते हैं। मंत्री सुधाकर सिंह ने कहा है कि उन्होंने व्यवस्था सुधारने के लिए पहल की है। मुख्यमंत्री को उन्होंने अपने विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार खत्म करने को लेकर भरोसा दिया है।

किसी से कोई नाराजगी नहीं

मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मंत्री सुधाकर सिंह से सीएम नीतीश की बहस की चर्चा

को कृषि मंत्री ने सिरे से खारिज कर दिया है। सुधाकर सिंह ने कहा है कि उनकी किसी से कोई नाराजगी नहीं हैं। सुधाकर सिंह ने कहा कि उनका मुख्यमंत्री से कोई झगड़ा नहीं है। सीएम नीतीश कुमार भी बिहार को विकास के रास्ते पर ले जाना चाहते है और वे भी बिहार का विकास चाहते हैं, इसमें किसी तरह के विवाद का विषय नहीं है।

उन्होंने कहा कि मीडिया में जो चर्चा चल रही है, ऐसी कोई बात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि न तो कैबिनेट की बैठक में कोई बहस हुई और न ही उन्होंने कैबिनेट की बैठक छोड़कर बाहर आये। सुधाकर सिंह ने कहा कि वे आज भी अपने बयान पर पूरी तरह से कायम हैं, उसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। यह पूरा मामला पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के संज्ञान में है और वे इस मामले को देख रहे हैं।

नीतीश कुमार महागठबंधन के नेता

उन्होंने कहा कि बेशक नीतीश कुमार महागठबंधन के नेता है, लेकिन वे लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के कहने से वे मंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान से बहुत लोगों को तकलीफ भी हो रही है, लेकिन वे अपने विचारों से पीछे नहीं हटने वाले हैं। सुधाकर सिंह ने कहा कि उनके नेता लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव हैं, इस नाते समस्या का समाधान भी उन लोगों को ही निकालना है। सुधाकर सिंह ने कहा कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक अपनी बातों को पहुंचा चुके हैं और आगे जैसा उनका निर्देश मिलेगा काम करेंगे।

नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे प्रशांत किशोर

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मंगलवार की देर शाम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है। सूत्रों के अनुसार प्रशांत किशोर मुख्यमंत्री से मिलने के लिए एक अणे मार्ग पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में करीब दो घंटे तक बातचीत की है। मुख्यमंत्री आवास पर प्रशांत किशोर और नीतीश कुमार के बीच हुई इस मुलाकात के दौरान जदयू के पुराने नेता पवन वर्मा भी मौजूद थे। वैसे फिलहाल इस मुलाकात पर अभी आधिकारिक रूप से किसी का बयान नहीं आया है। 2 दिन पहले पवन वर्मा अचानक से सक्रिय हुए थे। पवन वर्मा पटना पहुंचे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद पवन वर्मा ने कहा था कि वह बीजेपी से अलग महागठबंधन के साथ आने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई देने गए थे। वर्मा ने कहा कि नीतीश कुमार से हमारे मतभेद केवल बीजेपी के साथ जाने को लेकर थे। वर्मा ने कहा कि नीतीश कुमार हमारे नेता रहे हैं और इस लिहाज से उनकी मुलाकात में कुछ नया नहीं है।

पवन वर्मा से नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद अब प्रशांत किशोर की अचानक नीतीश कुमार से हुई मुलाकता को लेकर सियासी विमर्श जारी है। कहा जा रहा है कि अगर 2024 के लिए बिहार में एंटी बीजेपी की राजनीति करनी है, तो प्रशांत किशोर की रणनीतिकार के रूप में अहम भूमिका हो सकती है। प्रशांत किशोर ने पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए कहा था कि आज नीतीश कुमार वही कर रहे हैं, जो काम प्रशांत किशोर पहले कह चुके थे। उस वक्त नीतीश कुमार समझ नहीं पाये थे।

सीएम के खिलाफ बोल रहे थे पीके

पीके को लेकर नीतीश कुमार ने पिछले दिनों तीखी टिप्पणी की थी। इधर पीके भी लगातार अपनी सभाओं में नीतीश के खिलाफ बोल रहे थे। प्रशांत कुमार ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए यहां तक कह दिया कि अगर फेविकोल कंपनी वाले मिलेंगे तो वो उनको सलाह देंगे कि वो नीतीश कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर बना लें। प्रशांत ने कहा कि किसी की भी सरकार हो, लेकिन वो कुर्सी से चिपके हुए रहते हैं। इसी तरह प्रशांत किशोर ने कई और बयान भी दिये हैं।

1.5 करोड़ दो नहीं तो सुबह का सूरज नहीं देख पाओगे

मुजफ्फरपुर में कपड़ा कारोबारी से मांगी रंगदारी

मुजफ्फरपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में कपड़ा कारोबारी से डेढ़ करोड़ की रंगदारी मांगे जाने की घटना सामने आई है। रंगदारी नहीं देने पर कपड़ा कारोबारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। बताया गया है कि पुरानी बाजार स्थित कपड़ा कारोबारी रंजन कुमार की दुकान पर पिस्टल लेकर एक बदमाश धमक पड़ा और दुकान पर ताला जड़ दिया।

एसएसपी का नाम लेकर धमकाते हुए बदमाश ने कहा कि उससे कहो ताला खुलवा दे। बदमाश ने धमकी देते हुए कहा कि यदि पैसे नहीं मिले तो कल का सूरज नहीं देख पाओगे। कारोबारी रंजन कुमार ने दो स्मैक धंधेबाजों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस कई जहगों पर बदमाश की तलाश में छापेमारी कर रही है।

शंखनाद कर और थाली बजाकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन

प्रयागराज, 14 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बैक पेपर, ट्रांसस्क्रिप्ट, डिग्री जुर्माना, डुप्लिकेट डिग्री, डुप्लिकेट मार्कशीट निकलवाना छात्र-छात्राओं के लिए महंगा हो गया है। अब इसके लिए विद्यार्थियों को ज्यादा शुल्क देना होगा। एकेडमिक एवं कार्य परिषद की बैठक से मंजूरी मिलने के बाद लागू कर दिया गया है। हालांकि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पुरानी फीस ही अंकित है, लेकिन आवेदकों से बढ़ी फीस की डिमांड किए जाने पर छात्र काफी परेशान हैं। परास्नातक में बैक पेपर शुल्क 250 से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। भूतपूर्व स्नातक, परास्नातक विद्यार्थियों के लिए बैक पेपर परीक्षा का शुल्क 400 से बढ़ा कर एक हजार रुपये किया गया है। उत्तर पुस्तिका देखने के लिए 100 के बजाय 200 रुपये शुल्क चुकाना पड़ेगा। स्नातक में बैक पेपर परीक्षा के लिए 200 के जगह

अखिलेश ने दिया फीस बढ़ाने के विरोध में साथ

500 रुपये कर दिया गया है। डिग्री जुर्माना सौ रुपये से बढ़ाकर पांच सौ कर दिया गया है। यानी पांच गुना डिग्री जुर्माना शुल्क में वृद्धि कर दी गई है। प्रति सेट ट्रांसस्क्रिप्ट फीस पांच सौ से बढ़ाकर दो हजार रुपये और पीएचडी परीक्षा फीस 2 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपये की गई है। दीक्षांत समारोह, पंजीकरण, मार्कशीट पर नाम में संशोधन और डुप्लिकेट माइग्रेशन फीस यथावत है। इविवि की पीआरओ डॉ. जया कपूर ने बताया कि ट्रांसस्क्रिप्ट, डिग्री जुर्माना की बढ़ी शुल्क लागू कर दिया गया है। सभी नए फॉर्म तैयार किए जा रहे हैं और शीघ्र ही बदली हुयी जानकारी के साथ इनको वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

शंखनाद कर और थाली बजाकर जताया विरोध

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसर में शंखनाद कर और थाली बजाकर फीस वृद्धि का विरोध किया। आलोक त्रिपाठी का कहना है कि यह प्रण लिया है कि जब तक छात्र हित में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई निर्णय नहीं आ जाता है तब तक डटे रहेंगे। अतेंद्र सिंह ने कहा कि इस शंखनाद की गूंज से उम्मीद है इविवि प्रशासन जागेगा।

फीस वृद्धि का विरोध कर रहे छात्रों को अखिलेश का समर्थन

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ चल रहे आमरण-अनशन के आठवें दिन मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट कर समर्थन दिया है। सोमवार को प्रियंका गांधी ने आंदोलन का समर्थन किया था। सपा अध्यक्ष ने कहा कि 400 प्रतिशत फीस वृद्धि के विरोध में चल रहा आमरण-अनशन कहीं न कहीं भाजपा सरकार से नाउम्मीदगी का प्रतीक है। यदि छात्रों की बात जल्द नहीं मानी गई तो जन आंदोलन होगा।

सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व एनएसयूआई का भी समर्थन मिला।

पटना समेत 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

आकाशीय बिजली की भी संभावना, 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों मानसून एक्टिव है। आज मौसम विभाग ने बिहार के 19 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया। इन जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। साथ ही मौसम विभाग ने इन जिलों में आकाशीय बिजली की भी आशंका जताई है। इस दौरान हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। तापमान में भी गिरावट देखी जाएगी। वहीं मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि बिहार में इन दिनों मानसून पूरी तरह से एक्टिव रहेगा। 18 सितंबर तक मौसम का मिजाज इसी तरह रहेगा। मौसम विभाग ने बिहार के 19 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया। इन जिलों में पटना समेत पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और शेखपुरा शामिल है। इन जिलों में वज्रपात की आंशका है। मौसम विभाग ने लोगों से घर से बेवजह बाहर ना निकलने की अपील की है। साथ ही साथ हवा के भी 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। आपको बता दें कि समस्तीपुर के राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने 14 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इस अवधि में अगले 4 दिनों तक रुक-रुक कर बारिश की संभावना बनी हुई है। इस दौरान आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। आने वाले 3 से 4 दिनों तक मानसून सक्रिय रहेगा।

इन दिनों अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का उम्मीद है। अगले 3 दिनों तक पुरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।

यूरिया संकट पर बोले संजय जायसवाल

केंद्र ने उपलब्ध कराई खाद बिहार में हुआ घोटाला

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने नीतीश सरकार पर आरोप लगाया है कि राज्य में अगस्त महीने में यूरिया घोटाला हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार से इस घोटाले की जांच करने और दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। संजय जायसवाल ने कहा है कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो भाजपा आंदोलन करेगी। नीतीश सरकार के शासन में अफसर खाद माफियाओं के साथ मिलकर यूरिया घोटाले को अंजाम दे रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि छोटे और मझौले किसान यूरिया के लिए परेशान हैं। भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस साल पर्याप्त मात्रा में बिहार को यूरिया उपलब्ध कराई है। लेकिन उसकी कालाबाजारी यहां हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिकनिक मनाने वाली विरोधी पार्टी नहीं है। यह हर जगह सरकार को सावधान करेगी और जनता की आवाज को उठाएगी।

आपकी व्यस्तता का फायदा उठा रहे अफसर

अब उद्यान राज्यमंत्री अधिकारियों से नाराज, सीएम योगी को लिखा पत्र

दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में सीएम योगी की हिदायत के बाद भी अधिकारियों का रवैया नहीं बदल रहा है। पहले दिनेश खटिक फिर रामकेश निषाद के बाद अब उद्यान राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह अधिकारियों से नाराज हैं। दिनेश प्रजापति ने तो मण्डी परिषद के अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तीन पेज का एक पत्र लिखा है। इसमें अफसरों की कारगुजारियों का ब्योरा दिया गया है। दिनेश प्रजापति के पास कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात की भी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री मंडी परिषद बोर्ड के अध्यक्ष हैं। उन्होंने ही दिनेश प्रताप सिंह को मंत्री के रूप में मासिक बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अधिकृत किया है। दिनेश प्रजापति ने पत्र में विभाग में सभी विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की जानकारी दी है। मंडी के अफसरों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अफसरों ने गोदाम के सीसीटीवी खराब करने के साथ ही निर्माण कार्यों में घपला किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि आपकी व्यस्तता का फायदा उठाकर अफसर पैसा बनाने में लगे हैं। मैंने मंडी समितियों के कामकाज के बारे में प्रतिक्रिया देने की नियमित कवायद के रूप में सीएम को पत्र लिखा है। मंत्री दिनेश प्रताप ने विभिन्न क्षेत्रों से मंडियों में हो रही वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के बारे में मिल रही शिकायतों के बाद 16 अगस्त को बोर्ड की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में ठेकेदारों और अधिकारियों को बुलाया और इस ही बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग का आदेश दिया। मंत्री ने बैठक के करीब 20 दिन बाद पांच सितंबर को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सरकारी मंडियों में हो रही वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की जानकारी दी।

'ज्यादा बर्तन रहता है तो ढनढनाता है' हाजीपुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में जीतनराम मांझी का बयान

हाजीपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के हाजीपुर में बीते शनिवार को एक नाबालिग छात्रा को अगवा करके कुछ लड़कों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। छात्रा के साथ गैंगरेप का वीडियो भी उन मनचलों ने बनाया था और उसे सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। अब इस मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी का असंवेदनशील बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने इस घटना के लिए बेतुके दलीलों को सामने रखा है।

जीतनराम मांझी ने क्या कहा

हाजीपुर गैंगरेप मामले में जीतनराम मांझी ने एक विवादित बयान दिया है। जिसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस बयान की निंदा भी लोग कर रहे हैं। दरअसल, हाजीपुर में छात्रा से गैंगरेप मामले पर बोलते हुए

जीतनराम मांझी ने कहा कि बिहार की जनसंख्या काफी अधिक है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं होती रहती है। जीतन राम मांझी ने आगे कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऐसा हो सकता है कि विपक्ष के तरफ से कोई साजिश की जा रही हो।

जहां अधिक बर्तन रहता है वो ढनढनाता ही है- जीतन राम मांझी

जीतन राम मांझी ने यहां तक कह दिया कि ऐसा कहा ही जाता है कि जहां अधिक बर्तन रहता है वो ढनढनाता ही है। जीतन राम मांझी के इस बयान की निंदा भी हो रही है। बता दें कि शनिवार को जंदाहा क्षेत्र के एक गांव में स्कूल जा रही 13 वर्षीय छात्रा को अगवा करके बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर उसे वायरल कर दिया। इस मामले में पीड़िता ने चार नामजद व कई अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है।

बताया जा रहा है कि जब छात्रा स्कूल जा रही थी तो गांव के ही मनचले युवकों ने उसे अगवा कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में किसी अन्य व्यक्ति ने उसे वहां लाकर छोड़ दिया जहां से उसे अगवा किया गया था। पीड़िता ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी अपनी मां को दी। जिसके बाद पीड़िता अपनी मां के साथ जंदाहा थाने पहुंची थी और शिकायत दर्ज कराया था। बच्ची के पिता घर से दूर रहकर मजदूरी करते हैं।

नाले से आ रही थी नवजात बच्ची के रोने की आवाज, देखा तो रह गए दंग

बाराबंकी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले में ब्लॉक मुख्यालय पर लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे के किनारे राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज के गेट के सामने बने नाला से एक नवजात बच्ची के रोने की आवाज आ रही थी। लोगों ने देखा तो दंग रह गए। कपड़े में लिपटी थोड़ी देर पहले जन्मी बच्ची पड़ी है। उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मंगलवार की सुबह मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने स्कूल के गेट के सामने बने नाला के अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनी।

राहगीरों ने नाले में झुककर देखा तो दंग रह गए। कपड़े में लिपटी नवजात बच्ची नाले के अंदर पड़ी थी। सीएचसी परिसर में प्रेरणा कैन्टीन चलाने वाली मीना गुप्ता ने बच्ची को नाले से बाहर निकाला।

पति को मायके बुलाया, पीटा आंख में तेजाब डाल दिया

सीतामढ़ी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी में पत्नी ने अपने पति को मायके बुलाया। उसके साथ मारपीट की और फिर आंख में तेजाब डाल दिया। पति की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। उसकी आंखों की रोशनी जा चुकी है। 10 साल पहले दोनों ने लव मैरिज की थी। 15 दिन पहले 2000 रुपए को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद वो मायके चली गई थी। मामला रीगा थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर गांव का है। मंगलवार रात 9 बजे स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति को रीगा के पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं इसकी सूचना उसके परिजनों को दिया गया। सूचना पर जख्मी के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे हैं। मामले को लेकर पीड़ित के भाई ने बताया कि नागेश्वर ने 10 साल पहले शाहबाजपुर गांव की रामदयाल शाह की बेटी पार्वती कुमारी के साथ लव मैरिज की थी। नागेश्वर को एक बेटा भी है। शादी के बाद से दोनों का रिश्ता अच्छा चल रहा था। इसी बीच 15 दिन पहले 2 हजार रुपए के लिए पति-पत्नी में विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी गुस्सा में मायके चली गई थी। परिजनों ने बताया कि मंगलवार के देर साम पत्नी पार्वती देवी ने फोन कर अपने पति को बुलाया था। बुलाने के बाद जख्मी नागेश्वर की पत्नी अपने माता-पिता के अलावा अन्य लोगों के साथ मिलकर जमकर पिटाई की। वही उसके आंख में तेजाब डाल दिया।

घर में खजाना गडा होने का देते थे लालच

म्योरपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र खजाना निकालने के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। ठगों ने एक घर में चौथी बार गड़ा खजाना निकालने के नाम पर ठगी करने आए जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये घटना जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र की है। हाल ही में बृजेश प्रजापति के घर कुछ लोग आए और उनके घर में खजाना गड्ढा होने की बात कही। जब बृजेश ठगों के बातों में आ गए तो उन्होंने खजाना निकालने के लिए पूजा पाठ कराने की बात कही।

तेजस्वी के साथ आरजेडी ऑफिस पहुंचे लालू यादव

स्वागत में खड़े दिखे जगदानंद सिंह, कार्यकर्ताओं में दिखा गजब का जोश

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव लम्बे अरसे के बाद बुधवार दोपहर राजधानी पटना के वीरचंद पटेल पथ स्थित राजद कार्यालय पहुंचे। लालू के साथ उनके छोटे बेटे और राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। लालू यादव के पार्टी ऑफिस पहुंचते ही राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोरदार उत्साह देखने को मिला। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह लालू यादव के स्वागत के लिए खड़े दिखे। बता दें कि यह पहला मौका है, जब लालू यादव चारा घोटाला

मामले में जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद राजद कार्यालय पहुंचे हैं। बता दें कि चारा घोटाले के पांच मामलों में सजायाफ्ता लालू प्रसाद का इलाज 24 सितंबर को सिंगापुर में होना है। सिंगापुर जाने के लिए उन्हें अदालत से पासपोर्ट जारी कराना होगा। शर्त के तहत उनका पासपोर्ट सीबीआई कोर्ट में जमा है। पासपोर्ट जारी करने को लेकर उनके वकील प्रभात कुमार ने मंगलवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में अर्जी दाखिल की।

अदालत ने आंशिक सुनवाई के बाद सीबीआई से जवाब मांगा। साथ ही अगली सुनवाई की तारीख 16 सितंबर निर्धारित की। लालू प्रसाद ने 12 अगस्त 2022 को नवीकरण के बाद अपना पासपोर्ट बीते 31 अगस्त को सीबीआई कोर्ट में जमा किया था। पासपोर्ट की वैधता 11 अगस्त 2023 तक है।

गुजरात में ड्रग तस्करी का पंजाब कनेक्शन

जेल से चल रहा है स्मगलिंग का खेल

अहमदाबाद,14 सितंबर (एजेंसियां)। ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान चला रहे सुरक्षाबलों को बुधवार को बड़ी सफलता मिली। इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस के सतर्क जवानों ने नशीले पदार्थ की बड़ी खेप को पकड़ने में सफलता पाई है। मामला किता बड़ा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बरामद नशीले पदार्थ की कीमत भारतीय बाजार में तकरीबन 200 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इसके तार पंजाब की कपूरथला जेल से जुड़ रहे हैं। गुजरात एटीएस अब पंजाब की जेल में बंद कैदी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी कर रहा है। ड्रग तस्करी के मामले में गुजरात एटीएस ने बड़ा खुलासा किया है। एटीएस का कहना है कि पंजाब की जेलों से पाकिस्तान से नशीले पदार्थों की खेप मंगवाने का रैकेट चल रहा है। एटीएस के अधिकारियों का कहना है कि गुजरात के जाखू तट पर पकड़ा गया ड्रग कंसाइनमेंट पंजाब की कपूरथला जेल से मंगवाया गया था। जेल में बंद नाइजीरियाई मूल के कैदी ने ड्रग्स की खेप मंगवाई थी। गुजरात एटीएस अब इस कैदी को रिमांड पर लेने की तैयारी में है, ताकि इस पूरे

रैकेट में शामिल लोगों का पता लगाया जा सके।

पाकिस्तान से सीधा संपर्क

गुजरात एटीएस का कहना है कि कपूरथला जेल में बंद नाइजीरियाई मूल के कैदी का संपर्क करांची में स्थित अब्दुल्ला नाम के एक शख्स से था। आरोप है कि नाइजीरियाई कैदी ने अब्दुल्ला से संपर्क साधकर नशे की खेप भारत मंगवाई थी। इसे गुजरात तट के जरिये देश में लाया जा रहा था। अब्दुल्ला ने इसके लिए पहले मछुआरों को तैयार किया उसके बाद ड्रग कंसाइनमेंट को भारत भेजा। हालांकि, भारत के सतर्क जवानों ने इसे पहले ही पकड़ लिया। साथ ही पाकिस्तानी बोट को भी कब्जे में ले लिया।

ड्रग्स का कंसाइनमेंट लेने पहुंचे थे 2 शख्स

नशीले पदार्थ को गुजरात से लगती समुद्री सीमा के जरिये देश में लाने की साजिश रचने के बाद तस्करों ने 2 शख्स को ड्रग का कंसाइनमेंट लेने गुजरात भेजा था। इन दोनों की पहचान जग्गी और सरताज के तौर पर की गई है। बताया जाता है कि ड्रग्स की डिलीवरी गुजरात सीमा के पास बीच समुद्र में होने वाली थी, लेकिन समय रहते ही गुजरात एटीएस ने दोनों को पकड़ लिया। अब कपूरथला जेल में बंद नाइजीरियाई कैदी को हिरासत में लेने की तैयारी चल रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-08 बजे
चंद्र-	मेष	में	कन्या	06-15 बजे
मंगल	वृष	में	तुला -	08-20 बजे
बुध-	कन्या	में	वृश्चिक	10-30 बजे
गुरु-	मीन	में	धनु---	12-44 बजे
शुक्र-	सिंह	में	मकर-	14-50 बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ -	16-41 बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	18-18 बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	19-54 बजे
			वृष--	21-39 बजे
			मिथुन..	23-40 बजे
			कर्क...	01-43 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी **- 11-00** तक उपरान्त, षष्ठी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष ,गुरूवार, **15 Sep**
नक्षत्र - भरणी **- 08 -04** - तक उपरान्त, कृत्तिका
योग - हर्षण **- 05- 27** - रात तक
करण- तैतिल **- 11 -00** - तक,उप- गर
विशेष:- षष्ठी श्राद्ध
व्रत -त्योहार - चंद्र षष्ठी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
13:43 से
15:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:07 - 07:37 शुभ	अमृत	18:17 - 19:46शुभ
रोग	07:37 - 09:08 अशुभ	चंचल	19:46 - 21:14शुभ
उत्पात	09:08 - 10:40 अशुभ	रोग	21:14 - 22:43 अशुभ
चंचल	10:40 - 12:11 शुभ	काल	22:43 - 00:11 अशुभ
लाभ	12:11 - 13:43 शुभ	लाभ	00:11 - 01:40 शुभ
अमृत	13:43 - 15:14 शुभ	उत्पात	01:40 03:08 अशुभ
काल	15:14 - 16:46 अशुभ	शुभ	03:08 - 04:37 शुभ
शुभ	16:46 - 18:15 शुभ	अमृत	04:37 - 06:07 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे। इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है। जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें। इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा। आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है।अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को ङा

आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है।परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है।आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा।पुरानी अधूरी अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

एक नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें।आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते।जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें। जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है। ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें। वे कभी नही मानेंगे।आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं।स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं।आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है।इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें।अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें।यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें।सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे।

मकर भे मा जी खी खू खे खो गा गी

आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे।इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता।इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें।अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

कुंभ गू ने नो सा शी सू से सो दा

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी। हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।

मीन दी दू थ झ ञ ढे ढो चा ची

कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं।हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे।अपने किसी खास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा।हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

ओडिशा में ट्रक चोरी करने वाले गिरोह को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, बीजद नेता सहित 9 लोग गिरफ्तार

जाजपुर,14 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के जाजपुर जिले में पुलिस ने ट्रक चोरी करने वाले एक इंटरनेशनल गिरोह का भंडाफोड़ कर मंगलवार को बीजू जनता दल (बीजद) के एक युवा नेता समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक पूछताछ में पता चला है कि संदिग्धों ने जाजपुर के विभिन्न स्थानों से 8 ट्रक चुराए हैं और पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और बिहार में कबाड़ के डीलरों को इन ट्रकों को बेचा है। इस गिरोह के स्थानीय सदस्य अलग-अलग जगहों पर खड़े मालवाहक वाहनों को निशाना बनाते थे।

ट्रक लेने आ रहे थे जाजपुर

जाजपुर रोड अनुमंडल पुलिस अधिकारी प्रमोद मलिक ने बताया कि गिरोह के सदस्य चोरी के ट्रक लेने के लिए कोलकाता से जाजपुर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से तीन पश्चिम बंगाल और बिहार के हैं, जबकि 6 अन्य जाजपुर के रहने वाले हैं।

कई नंबर प्लेट, 9 मोबाइल फोन और 2.45 लाख रुपये नकद बरामद

पुलिस अधिकारी के मुताबिक इनमें से एक की पहचान बीजू युवा जनता दल के जाजपुर जिला उपाध्यक्ष के रूप में हुई है। इनके पास से चोरी का एक ट्रक, भारी वाहनों की कई नंबर प्लेट, 9 मोबाइल फोन और 2 l45 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

इससे पहले भी हुए हैं ऐसे मामले

मध्य प्रदेश के राजगढ़ कोतवाली पुलिस ने 20 दिन पहले उद्धव नगर में हुई चोरी के मामले में 3 आरोपियों को पकड़ लिया गया था। जबकि 5 गिरफ्त से दूर थे। चोरों के पास से सोने के कंगन, सोने की अंगूठी बरामद हुई थी। राजगढ़ के उद्धव नगर में 21 अप्रैल की रात रिटायर कर्मचारी रामेश्वर व्यास के घर चोर किचन की खिड़की काटकर घर में घुसे और अलमारी चुराकर ले गए थे। इसमें करीब ढाई लाख रुपये कीमत के जेवर और नकदी सहित अन्य दस्तावेज थे।

जेवर और नकदी निकालकर चोर अलमारी को पास के नाले में फेंक गए थे। कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना पर गुना जिले के फतेहपुर गांव में छिपे तीन आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया, लेकिन 5 हाथ नहीं लगे थे। तीन आरोपियों में राजाराम भील और पप्पू भील निवासी मोगियाबे जिला झालावाड़, वहीं गुना जिले के मृगवास का रहने वाला तीसरा आरोपी भाई साहब भील है, जिसको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गैंग के 8 आरोपी, आदतन अपराधी थे।

बस और ट्रक में भिड़ंत, हादसे में 40 यात्री घायल, 12 की हालत गंभीर

भिंड,14 सितंबर (एजेंसियां)। भिंड जिले के मालनपुर में बुधवार सुबह बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में 40 से ज़्यादा यात्रियों के घायल होने की सूचना है। वहीं करीब एक दर्जन लोग गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए ग्वालियर रैफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक़ घटना ज़िले के मालनपुर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 719 पर गुरीखा गांव के पास की बताई जा रही है। भिंड से यात्री बस ग्वालियर की ओर जा रही थी। सुबह करीब 11 बजे के आस पास गोहद से निकलकर गुरीखा मोड़ पर पहुंची थी, इसी दौरान औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर की ओर से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे के दौरान बस खचाखच भरी हुई थी, ऐसे में तेज बारिश के बीच दोनों वाहनो में भिड़ंत होने से बस में सवार क़रीब 35 से 40 यात्रियों को चोट आयी। वहीं, हादसे में 12 से ज्यादा यात्री गंभीर घायल बताए जा रहे हैं।

टक्कर लगने के बाद ट्रक खंती में गिर कर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद घायलों को लेकर मारन स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। लेकिन इमरजेंसी डॉक्टर उपलब्ध न होने की वजह से शासकीय अस्पताल बंद मिला। ऐसे में सभी घायल यात्रियों को इलाज के लिए ग्वालियर ले जाया गया। इस संबंध में जब जानकारी लेने के लिए ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यूपीएस कुशवाह से बात करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने न्यायालय में होने का हवाला दे कर बाद में बात करने की बात कही। फिलहाल सभी घायल यात्रियों को पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से ग्वालियर इलाज के लिए भेज दिया गया है।

मदरसों पर अब बीजेपी अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के बिगड़े बोल, उठाए कई सवाल

हरिद्वार,14 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने यूपी की तर्ज पर मदरसों की जांच के बयान पर कहा कि इस मुद्दे को वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ने रखा है। उत्तराखंड में ऐसे मदरसे हैं, जो सरकारी खर्च लेते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर चल नहीं रहे हैं। कुछ विसंगतियां भी मदरसों में है। इनको लेकर प्रदेश के मदरसों में सर्वे कराया जाएगा। यह बातें प्रदेश अध्यक्ष ने हरिद्वार भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान कहीं। मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय में जिला पंचायत चुनाव के दृष्टिगत ज्वालापुर, लक्सर, हरिद्वार ग्रामीण और रानीपुर विधानसभा क्षेत्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत चुनाव के प्रत्याशी, वार्ड प्रभारी और संयोजक शिरकत पहुंचे। जिला पंचायत चुनाव को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। जिला पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की अपील के बाद करीब 90 फीसदी कार्यकर्ताओं ने पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को समर्थन देते हुए अपने नामांकन वापस ले लिए हैं। जिन कार्यकर्ताओं ने अपने नामांकन नहीं वापस लिए हैं, उनसे पार्टी ने अपील की है, कि वह अगले दो दिनों में पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को अपना समर्थन दें। आगामी दो दिनों में जो भाजपा कार्यकर्ता प्रत्याशियों को समर्थन करते हैं। उनका पार्टी से निष्कासन नहीं किया जाएगा। वहीं, भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष ने पथरी थाना क्षेत्र के शिवगढ़ और फूलगढ़ में शराब पीने से हुई लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस घटना में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक्शन लिया है। पुलिस और आबकारी के अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। ऐसी घटना दोबारा ना हो उसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। सरकार के द्वारा पीड़ितों को सहायता प्रदान की जानी है वह प्रदान की जाएगी। बैठक में सांसद डॉ। रमेश पोखरियाल निशंक, सांसद नरेश बंसल, डॉ। कल्पना सैनी, प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार, जिला अध्यक्ष जयपाल सिंह, महामंत्री विकास तिवारी, पूर्व मेयर मनोज गर्ग थे। शम्स के बयान का बचाव कियाः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब सम्स के कलियर को लेकर दिए गए बयान का बचाव किया।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के बयान पर सवाल

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स के बयान को आप ने गैर जिम्मेदाराना बताते हुए और निंदा करते हुए राजनीति से प्रेरित बताया। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश शर्मा ने कहा कि शादाब शम्स का बयान अपनी ही पार्टी को कटघरे में खड़ा कर रहा है। राज्य में भाजपा की सरकार है, ऐसे में उनका यह कहना की पिरान कलियर क्षेत्र देह व्यापार, ड्रग्स और मानव तस्करी का अड्डा बना हुआ है और सरकार और पुलिस के संज्ञान में है तो आखिर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्हें किन बड़े राजनेताओं का संरक्षण प्राप्त है और पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। पिरान कलियर विश्व प्रसिद्ध दरगाह है और प्रतिवर्ष लाखों जायरीन वहां पहुंचते हैं। ऐसे में उनका यह बयान केवल अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करने वाला है और धार्मिक उन्माद फैलाकर नफरत फैलाने वाला है।

'सीएम भूपेश को संघ के कार्यों की जानकारी नहीं'

धरमलाल बोले- मंत्री लखमा के बयान पर एक रिसर्च टीम बैठानी चाहिए

रायपुर,14 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा के बयान पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष और विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि मंत्री के बयान के आधार पर सीएम भूपेश बघेल की वंशावली को खोजना चाहिए। वंशावली खोजकर सिद्ध भी कर देना चाहिए। कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री आदिवासी के नाम से विवाद में फंसे हुए थे। उसका निराकरण बाद में कैसे-कैसे हुआ यह जनता से छिपा नहीं है। लखमा के बयान पर एक रिसर्च टीम बैठानी चाहिए। मंत्री के बयान को गंभीरता से लेते हुए इस बात जांच करनी चाहिए कि भूपेश बघेल के पूर्वज आदिवासी रहे हैं। आबकारी मंत्री कवासी लखमा के

बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। कौशिक ने आरएसएस पर मुख्यमंत्री के बयान पर भी पलटवार किया। दरअसल, आबकारी मंत्री कवासी लखमा हमेशा अपने बयानों से सुर्खियों में रहते हैं। एक दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ का भगवान बताया था। उन्होंने कहा था कि पूरा देवी-देवता भूपेश बघेल के सिर पर चढ़ा हुआ हैं। भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के भगवान हैं। उनसे गलत बात करने वाला ज्यादा दिन नहीं टिकेगा। गोमाता हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा माता है। गोवंश सबसे बड़ी चीज है। गोबर और गोमूत्र खरीदने वाली सरकार भगवान से कम नहीं है। लखमा ने यहां तक कहा कि सीएम भूपेश बघेल के कोई पूर्वज आदिवासी रहे होंगे। उन्होंने देवगुड़ी बनाने से बारिश होने की बात भी कही थी।

पहले भाजपा को समझ लें फिर संघ को समझेंः कौशिक

आरएसएस के समन्वय बैठक पर सीएम भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए धरमलाल कौशिक ने कहा कि शायद वे समन्वय बैठक की परिभाषा गलत दिशा में बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेसियों को संघ के कार्यों, संघ की संस्कृति, संघ के कल्चर के बारे में जानकारी नहीं है। जिस बारे में जानकारी नहीं है उस पर बयान देने का कोई औचित्य नहीं है।

आरएसएस की समन्वय बैठकें होती रहती है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखना चाहिए कि वो संघ और भाजपा को कितना समझते हैं। पूरे हिन्दुस्तान में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। इसलिए पहले भाजपा को समझ लें फिर संघ को समझें।

घर में मृत मिला आईआरपी का जवान

मृतक के भाई के घर पर कल सीबीआई ने की थी रेड

जम्मू,14 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू के खौड़ उपजिले के गांव मट्टू में एक युवक अपने ही घर में मृत पाया गया है। मृतक धीरज पगोत्रा भारतीय रेलवे पुलिस (आईआरपी) में तैनात था। वह पिछले कुछ दिनों से छुट्टी पर अपने घर पर था। मृतक धीरज के भाई सुनील पगोत्रा के घर पर मंगलवार को सीबीआई ने भर्ती घोटाले मामले में छापेमारी की थी। सुनील पगोत्रा पुलिस कांस्टेबल के तौर पर कार्यरत है। बताया जा रहा है कि छापेमारी के बाद मंगलवार शाम दोनों भाईयों के बीच कहासुनी भी हुई थी। इसके बाद धीरज पगोत्रा अपने घर ओलड मट्टू में चला गया और सुबह वह कमरे में मृत पाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद का ममता बनर्जी पर निशाना

आपने लेफ्ट का अत्याचार सहा, अब बीजेपी पर जुल्म कर रही हैं

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने मंगलवार को कोलकाता में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर टीएमसी पर हमला बोला है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ममता जी सीपीएम की सरकार ने आपके ऊपर लाठी चलाई थी क्या आप इस बात को भूल गईं आप भी लाठी चार्ज कराने लगी हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी जमीन से उठी हुईं और लेफ्ट के अत्याचार को सहन कर बड़ी नेता बनी हैं, लेकिन आज खुद बीजेपी पर पुलिसिया अत्याचार कर रही हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आप बीजेपी कार्यकर्ताओं पर जितना अत्याचार करेंगी बीजेपी उतनी मजबूती से आपका सामना करेगी। प्रसाद ने कहा कि देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाकर विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने का प्रयास किया था, लेकिन बाद में उनका सत्ता से हाथ धोना पड़ा। ममता दीदी आपको क्या हो गया है। सत्ता के नशे में आप बीजेपी कार्यकर्ताओं के ऊपर लाठीचार्ज करवा रही हैं।

गुजरात में बड़ा हादसा

अहमदाबाद में निर्माणाधीन इमारत की लिफ्ट गिरी, आठ लोगों की दर्दनाक मौत

अहमदाबाद,14 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद से बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां एक निर्माणाधीन इमारत की लिफ्ट अचानक टूटकर गिर गई जिससे आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। निर्माणाधीन इमारत की यह लिफ्ट टूटकर कैसे गिरी? अभी इसके बारे में विशेष जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में घटना अहमदाबाद में विश्वविद्यालय के आसपास की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि एस्पायर-2 नाम के भवन का निर्माण कार्य चल रहा था इसी दौरान अचानक सातवीं मंजिल की लिफ्ट टूट गई और आठ मजदूरों की मौत हो गई।

पत्नी मायके से नहीं आई पिता ने बेटी से किया रेप

पीड़िता ने बताई मां को आपबीती

शिवपुरी,14 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक कलयुगी पिता पर आरोप लगा है कि उसने अपनी ही 11 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि यहां के एक गांव में रहने वाले आरोपी युवक ने शराब के नशे में अपनी पत्नी को पीट कर घर से भगा दिया था। उसके बाद पत्नी अपनी बड़ी बेटी को लेकर मायके चली गई। उसके बाद आरोपी ने ससुराल पहुंचकर अपनी 11 वर्षीय बड़ी बेटी से उसकी मां को वापस मायके से लाने की बात कही। पत्नी आने के लिए राजी नही हुई, लेकिन उसने अपनी बड़ी बेटी को अपने साथ चलने को राजी कर लिया। उसके बाद 12 सितंबर को आरोपी पिता शाम के समय घर से बेटी को साथ लेकर निकला, लेकिन कुछ ही दूर जाते ही आरोपी पिता ने एकांत में ले जा कर अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद हैवान पिता ने धमकी दी और बेटी से किसी से कुछ न कहने की बात कहकर मौके से भाग गया। लड़की रोती-बिलखती घर पहुंची और घर के मोबाइल फोन से अपने मामा को फोन लगाया। जिसके बाद उसने अपनी मां से फोन पर बात कर पूरी घटना के बारे में बताया। बेटी की आपबीती को सुनकर मां तत्काल अपने मायके से ससुराल पहुंची। जहां बेटी को साथ ले जाकर महिला ने अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया। नाबालिग बालिका की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ दुष्कर्म सहित पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 15 सितंबर, 2022

महंगाई ने बढ़ाई चिंता

खुदरा महंगाई दर का नए आंकडे से सरकार की पेशानी पर बल पड गए हैं, जो निश्चित ही चिंता का सबब है। बीते तीन महीनों से महंगाई का रुख लगातार नीचे की तरफ जा रहा था, लेकिन अगस्त में आए आंकडे ने जबर्दस्त झटका दे दिया है। जुलाई में खुदरा महंगाई 6.71 फीसद तक उतर आई थी, लेकिन अगस्त महीने में फिर उसने करवट बदलते हुए सात फीसद का आंकडा छू लिया। रिजर्व बैंक ने भी माना है कि यह आंकडा चौंकाने वाला है। अगर महंगाई दर चार से छह फीसद के बीच रहती है, तो ही आर्थिक विकास दर में संतोषजनक वृद्धि हो सकती है। सबसे ज्यादा चिंताजनक तो यह है कि औद्योगिक उत्पादन की विकास दर भी कोई संतोषजनक नहीं है। विनिर्माण, खनन, बिजली आदि क्षेत्रों में भी प्रदर्शन निराशाजनक ही देखा जा रहा है। पिछले चार महीनों में औद्योगिक विकास दर सबसे निचले स्तर 2.4 फीसद पर पहुंच गई है। उत्पादन और खपत दोनों मोर्चों पर मिली इसी शिथिलता की वजह से हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही में विकास दर का जब आंकड़ा आया था, तो उस समय उद्योग जगत उत्साह से उछल पडा था। सरकारी दावा भी यही किया गया था कि भारत जल्दी ही आर्थिक मंदी के दौर से बाहर निकल आएगा। यहां तक कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था से भारतीय अर्थव्यवस्था आगे निकल चुकी थी जिस पर पूरे देश में पर खुशी का माहौल बन गया था। यह बात भी सही है कि पहली तिमाही में दर्ज विकास दर को लेकर तब भी कई विशेषज्ञों ने न सिर्फ असंतोष जताया था, बल्कि सतर्क भी किया था कि सरकार को महंगाई पर काबू पाने और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाने के उपायों पर कड़ाई से काम करना होगा। यहां तक कि रिजर्व बैंक ने भी इस विकास दर को संतोषजनक नहीं माना था। लेकिन तब वित्तमंत्री ने उत्साहपूर्वक कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं। अब सरकार का ध्यान नए रोजगार सृजन पर ही है। ऐसे में सवाल है कि अगर वित्तमंत्री खुद महंगाई और औद्योगिक उत्पादन में निराशाजनक स्थिति को नजरंदाज करेंगे, तो आगे स्थितियां और भी खराब होने की गुंजाइश बनी रहेगी। अर्थव्यवस्था के न संभल पाने की वजहें आईने की तरह साफ हैं। उस दिशा में गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद भी हालात ऐसे बने हैं कि अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए अनुकूल स्थितियां हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम औंधे मुंह गिर रहे हैं। त्योहारों का मौसम भी शुरू हो चुका है और अगले छह माह तक खरीदारी की वजह से बाजार में रौनक रहने की उम्मीद है। ऐसे समय में यदि सरकार अपना ध्यान महंगाई को काबू करने में लगा दे तो कोई कारण नहीं बनता कि आने वाले दिनों में वर्तमान परिस्थितियों का पर्याप्त लाभ उठाया जा सकता है। कच्चे तेल की कीमतें काफी उतार पर होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में कमी नहीं की जा रही। जाहिर है इससे महंगाई पर काबू पाना मुश्किल बना रहेगा। देखा जाए तो इस समय भी सरकार आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान दे रही है, जबकि जमीनी हकीकत आंकड़ों से बहुत अलग है। महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। समय आ गया है कि उसे जब तक जमीन पर उतर कर जांचने का प्रयास करना होगा तभी सरकारी आंकड़ों से कोई समाधान निकल सकेगा। ताजा आंकड़ों में सब्जी, मसाले, जूते-चप्पल जैसी रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम बढ़ गए हैं। ईंधन की कीमतों में कटौती करके कुछ हद तक इन पर लगाम लगाए जाने की जरूरत है। इसके बावजूद सरकार यह कदम उठाने से क्यों बच रही है, समझ से परे है। फिर औद्योगिक उत्पादन और निर्यात जैसे मोर्चे पर निराशाजनक प्रदर्शन ने नए रोजगार के सृजन में बाधा उत्पन्न कर दिया है। जाहिर है जब तक नए रोजगार नहीं पैदा होंगे, तब तक बाजार की चमक नहीं लौटेगी। जब ग्राहकी ही नहीं रहेगी तो महंगाई पर कैसे काबू पाया जा सकेगा, यह यक्षप्रश्न देश के सामने खडा है।

हिंदी का प्रायोगिक व्यावसायीकरण

संजीव ठाकुर

वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चैनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 135 उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 135 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है।

बेंगलुरु की चमक वर्षा ने धो डाला

पिछले हफ्ते बेंगलुरु वालों के दिन दुखदायी जलभराव के बीच बीते। चारों ओर ट्रैफिक जाम की स्थिति थी, सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए संपन्न लोग ट्रैक्टर, बुलडोजर और नाव का सहारा ले रहे थे, फाइव स्टार होटल बुकिंग से भरे पड़े थे, और गरीब हमेशा की तरह अपने हाल पर छोड़ दिए गए। इस दौरान नेतागण एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में जुटे रहे। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पिछली कांग्रेस सरकार पर इसका ठीकरा फोड़ा और कहा कि बाढ़ की स्थिति 'उसके कुप्रबंधन' के कारण पैदा हुई। जवाब में विपक्ष ने भाजपा को निशाने पर लिया और राज्य में 'राष्ट्रपति शासन' लगाने की मांग की।

यह टीका-टिप्पणी बहुत जल्द निरर्थक जंग में बदल गई। कुछ कांग्रेसी नेताओं ने तेजस्वी सूर्या के खिलाफ ट्विटर पर मोर्चा खोल दिया और आरोप लगाया कि भाजपा सांसद के पास डोसा खाने और उसके बारे में बताने, राहुल गांधी की पदयात्रा की आलोचना करने, हर चीज के लिए पंडित नेहरू को दोष देने का पर्याप्त समय तो है, लेकिन बाढ़ में घिरे लोगों को राहत पहुंचाने का वक्त नहीं है।

कुछ दृश्य वाकई अरुचिकर थे। आप कितनी बार अमीरों (लखपति नहीं, बल्कि करोड़पति) या नामचीनों के लिए यह सुनते हैं कि उन्हें अपने पांव को सूखा रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है? इसीलिए मर्सिडीज और ऑडी की जगह ट्रैक्टर और नाव ने ले ली थी। होसुर-सरजापुर रोड लेआउट (एचएसआर लेआउट) तो सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ, जो अमीरों का आवासीय क्षेत्र और बेंगलुरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी का प्रवेश-द्वार माना जाता है। एप्सिलॉन व दिव्यश्री जैसे महंगे रिहायशी इलाके भी डूबे रहे। अनएकेडमी के सीईओ गौरव मुंजाल ने कहा कि उन्हें, उनके परिवार और पालतू कुत्ते को टैक्टर से बचाया गया। कई उद्यमियों और सीईओ को पानी में उतरते देखा गया।

इसकी वजह हमारे लिए कोई अबूझ नहीं है। जलवायु परिवर्तन, खराब शहरी नियोजन, खस्ता जल-निकासी व्यवस्था, भ्रष्ट प्रशासन, राजनेता व बिल्डर की जुगलबंदी, अनियोजित शहरी विस्तार, लालच आदि के कारण बेंगलुरु को इस तरह से डूबना-उतराना पड़ा।

मानवीय संकट के अलावा, इसमें माल-असबाब का भी खूब नुकसान हुआ। करीब 25,000 कारें पानी में डूबीं, और यह अब तक साफ नहीं है कि उनमें से कितनी ठीक हो सकती हैं। गरीबों का सामान बहना तो और भी कष्टदायक रहा।

जलवायु परिवर्तन और उसका प्रभाव निस्संदेह इसका एक

प्रमुख कारण है, हालांकि कई इससे अब भी इनकार करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि बारिश की आवृत्ति, यानी बरसने की दर बढ़ी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि जो परिघटनाएं पहले 200 साल में एक बार होती थीं, अब उनकी अवधि घटकर 100 साल हो गई है। और, जो घटना 100 साल में एक बार होती थी, अब 50 या 25 साल में होने लगी है। कुछ मौसमी परिघटनाएं तो अब हर साल घटने लगी हैं।

जलवायु परिवर्तन का असर विकसित और विकासशील सहित दुनिया भर के शहरों में देखा जा रहा है। विडंबना है कि अमीर राष्ट्रों ने प्रकृति का सबसे अधिक दोहन किया, जबकि इसका नुकसान विकासशील देशों को सबसे अधिक उठाना पड़ रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अमीर देशों ने नुकसान को कम करने का बुनियादी ढांचा तैयार कर लिया है। वहां सड़कें इस कदर बनाई जा चुकी हैं कि जलभराव नहीं होता। वहां राहत-कार्य तुरंत पहुंचाए जाते हैं। आपातकालीन सेवाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि किसी की जान न जाए। और, बुजुर्गों एवं गरीबों का विशेष ख्याल रखा जाता है।

विकासशील देश इन तमाम सुविधाओं के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, जिस कारण ज्यादातर प्राकृतिक आपदाओं में लोग खासा प्रभावित होते हैं। संपन्न देशों में शहरी नियोजन को भी गंभीरता से लिया जाता है। वे निर्माण-कार्यों में इलाके के भौगोलिक चरित्र को बनाए रखने का हरसंभव प्रयास करते हैं। इससे पानी बेजा बहता नहीं है, बल्कि वह मिट्टी में अवशोषित हो जाता है।

बेंगलुरु कभी 'बगीचों और झीलों का शहर' माना जाता था। अंग्रेज यहां आराम व मनोरंजन करने आया करते थे। मगर अब इसका रूप-रंग बदल गया है। 1.3 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में 189 झीलें हैं, जिनमें से अधिकांश का निर्माण 16वीं सदी में हुआ है। चेन्नई और मुंबई जैसे तटीय शहरों के उलट यह ऊंचाई पर है और इसीलिए कहीं अधिक संवेदनशील है। यहां की झीलों को राजकालुवे (नहरों) जोड़ते हैं, जो कभी यह सुनिश्चित करते थे कि बिना बाढ़ लाए पानी एक से दूसरे स्थान की ओर बह जाए।

आंकड़े बताते हैं कि 890 किलोमीटर के राजकालुवे का अब बमुश्किल 50 फीसदी हिस्सा काम करता है, क्योंकि उसकी साफ-सफाई न किए जाने के कारण समय के साथ वे बेकार हो गए।

यह शहर भारत का 'सिलिकॉन वैली' है और यहां नहरों में कई तरह के सेंसर भी लगाए गए हैं, जिनको उचित समय पर (जब नहर की क्षमता का 75 फीसदी पानी जमा हो जाए) पर चेतावनी भेजनी चाहिए। मगर लगता है कि इन सेंसरों ने भी काम नहीं किया।

इसमें भ्रष्ट व्यवस्था का अपना योगदान है। रिपोर्टें बताती हैं कि जमींदारों, कुछ पुराने सामंतों ने अपनी काफी जमीन बिल्डरों को बेच दी, जिनमें झील का डूब क्षेत्र, निचले इलाके आदि भी शामिल थे। इन जमीनों पर बनी चमकदार इमारतों ने जल निकासी और प्राकृतिक जल-मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। कुछ इलाकों में तो स्थानीय निकाय की अनुमति के बिना निर्माण-कार्य किए गए हैं। यहां कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि बेंगलुरु ही नहीं, पूरे भारत की यही सच्चाई है। देश भर में जहां-तहां ऐसा होता है, क्योंकि हमारी आबादी बड़ी है और भूमि पर दबाव है।

मगर भारतीय विज्ञान संस्थान (बेंगलुरु) में पारिस्थितिक विज्ञान विभाग के प्रमुख टीवी रामचंद्र ने कई अध्ययन करके बताए हैं कि बेंगलुरु में क्यों बार-बार बाढ़ आती है? उन्होंने मुख्यतः यहां की झीलों के कायाकल्प के साथ-साथ शहरी नियोजन में सुधार करने के उपाय सुझाए हैं। इससे न सिर्फ अत्यधिक बारिश में बाढ़ से बचा जा सकेगा, बल्कि गरमी में पानी की किल्लत भी नहीं होगी। साफ है, स्थानीय प्रशासकों को कहीं दूर देखने के बजाय अपने आसपास इस समस्या का समाधान खोजना चाहिए।

खाद्य संकट मुद्दे पर एकजुट हो सकते हैं दक्षिण एशियाई देश

हम दक्षिण एशियाई देशों को एकजुट करने के लिए हमेशा क्रिकेट पर भरोसा करने के बारे में सोचते हैं, भले अन्य मुद्दों पर उनके विचार अलग ही क्यों न हों। ऐसे समय में जब वैश्विक खाद्य व्यवस्था तेजी से कमजोर होती जा रही है, क्या कृषि इन देशों को एकजुट कर सकती है? पिछले हफ्ते श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान जैसे पड़ोसी देशों के कृषि मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी अपने भारतीय समकक्ष से इस पर विचार-विमर्श करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे कि कैसे एक-दूसरे से सहयोग करना और सीखना बेहतर है। इसमें आभासी रूप से पाकिस्तान ने भी हिस्सा लिया था।

दक्षिण एशिया में 'विकास के लिए कृषि अनुसंधान की मजबूती' विषय पर दिल्ली में यह उच्च स्तरीय बैठक द बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीसा) द्वारा आयोजित इस तरह की पहली बैठक थी। कोविड, यूक्रेन में चल रहे युद्ध और जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में होने के कारण यह बैठक अपने आप में बेहद प्रासंगिक थी। इन तीन कारणों से दुनिया में खाद्य संकट तेजी से गहरा रहा है। ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस, 2022 के मुताबिक, 53 देशों या क्षेत्रों के 19.3 करोड़ लोगों ने 2021 में भीषण खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया। खाद्य संकट के लिहाज से दक्षिण एशिया बेहद संवेदनशील है। श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बाद वहां के लाखों लोग को खाद्य संकट का सामना करना पड़ा। अब पाकिस्तान विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहा है और उसका एक तिहाई हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत कहीं बेहतर स्थिति में है, लेकिन वैश्विक झटकों से सुरक्षित नहीं है। गेहूं निर्यात प्रतिबंधित करने के बाद भारत ने घरेलू खाद्य महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए टूटे चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

यह साफ है कि सहयोग ही रास्ता है। पिछले हफ्ते दक्षिण एशिया के शीर्ष कृषि अधिकारियों की बैठक आयोजित करने वाला बीसा मैक्सिको स्थित द इंटरनेशनल मेइज ऐंड ह्वीट इंप्रूवमेंट सेंटर (सीआईएमएमवाईटी), जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण दो अनाज-मक्का और गेहूं पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान है, और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का इसी तरह का सहयोगी संगठन है। सीआईएमएमवाईटी और बीसा के महानिदेशक ब्रैम गोवर्ट्स का दिल्ली में दो दिवसीय उच्च स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करना कृषि में सहयोग के लिहाज से एक बड़ी बात है।

हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले दिवंगत नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग की विरासत को मान्यता देने के लिए पांच अक्तूबर, 2011 को बीसा का गठन किया गया था। अमेरिकी वैज्ञानिक बोरलॉग ने 1944 से 1963 तक बढ़ते तापमान के अनुकूल अत्यधिक उपज क्षमता वाले गेहूं की कई क्रमिक किस्में विकसित कीं। बोरलॉग और प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन के बीच साझेदारी ने 1960 के दशक में भारत में उच्च उपज देने वाले गेहूं और चावल की किस्मों का विकास किया और देश में गंभीर खाद्य संकट दूर करने में मदद की।

बीसा का गठन भारत में अनुसंधान की रणनीति बनाने के लिए किया गया था, जिससे कि कम पानी, भूमि और ऊर्जा का उपयोग करते हुए दक्षिण एशिया में खाद्य उत्पादन दोगुना करने में मदद मिले। अभी इसके लुधियाना (पंजाब), जबलपुर (मध्य प्रदेश) और समस्तीपुर (बिहार) में अनुसंधान और विकास केंद्र हैं।

बीसा के प्रबंध निदेशक डॉ. अरुण कुमार जोशी कहते हैं, 'बीसा का उद्देश्य नवीनतम आनुवंशिक, डिजिटल और संसाधन प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करना है और इसके संस्थापकों-आईसीएआर और सीआईएमएमवाईटी की इच्छा के अनुसार, क्षेत्र की कृषि और खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने के विकासात्मक नजरिये के लिए अनुसंधान का उपयोग करना है, ताकि उत्पादकता, लचीलापन, आजीविका और पोषण सुरक्षा जैसी भविष्य की मांगें पूरी की जा सकें।'

दक्षिण एशिया में भारत के पड़ोसी देशों तक बीसा की पहुंच पहले ही अच्छे परिणाम दे चुकी है। इसके कुछ उदाहरण-लुधियाना स्थित बीसा फार्म से गेहूं की फसल को प्रभावित करने वाले पीले रतुआ के प्रतिरोध पर डाटा का उपयोग नेपाल, अफगानिस्तान और पाकिस्तान द्वारा किया गया है। सीआईएमएमवाईटी के वैश्विक गेहूं कार्यक्रम की मदद से बीसा में किए गए अनाज की उपज और अन्य लक्षणों के लिए आनुवंशिक भविष्यवाणी मूल्यांकन को 2020 से पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल तक बढ़ा दिया गया है। भारत में छात्रों, वैज्ञानिकों और किसानों के लिए प्रजनन और जलवायु प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। बीसा के वैज्ञानिक नेपाल में जलवायु-प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं।

गोवर्ट्स कहते हैं, 'भारत ने पिछले दशकों में गेहूं के उत्पादन में अच्छा प्रदर्शन किया है और यह क्षमता निर्माण में मदद करने की स्थिति में है। लेकिन आज खाद्यान्न सुरक्षा संकट में है। खाद्य प्रणाली को तीन सी-कोविड, कॉन्फ्लिक्ट और क्लाइमेट चेंज से खतरा है। बीसा का गठन एक दूरदर्शी कदम था। यह कृषि में नए शोध को बढ़ावा देता है और दक्षिण एशियाई देशों को कृषि मुद्दे पर जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है।' एक प्रमुख चुनौती उर्वरक की कमी है, जो यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के चलते अगले फसल चक्र में सामने आ सकती है। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले से ही उर्वरकों की कीमतें अधिक थीं।

यूक्रेन में युद्ध ने स्थिति और बदतर बना दी, क्योंकि रूस दुनिया में नाइट्रोजन उर्वरक का सबसे बड़ा निर्यातक, पोटाशियम उर्वरक का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता और फॉस्फोरस उर्वरक का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

मौजूदा भू-राजनीतिक दौर दक्षिण एशिया और बीसा जैसी संस्थाओं को एक साथ आने और वैश्विक खाद्य संकट, जलवायु परिवर्तन की नई चुनौतियों और कृषि व्यापार में बदलती गतिशीलता से निपटने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। समय ही बताएगा कि यह क्षेत्र इस अवसर का लाभ उठाता है या नहीं।

एक अहसान करना कि कोई अहसान मत करना

आज हिन्दी दिवस है, इसलिए कई लोगों को अचानक याद आएगा कि हिन्दी हमारी अपनी भाषा है। उनका हिन्दी-प्रेम अचानक उमड़ पड़ेगा और फिर वे वर्णन करेंगे कि हिन्दी कितनी प्यारी, कितनी महान, कितनी प्राचीन, कितनी समृद्ध, कितनी मीठी और कितनी लोकप्रिय भाषा है। कई लोगों को अचानक यह चिंता भी सताने लगेगी कि अंग्रेज़ी और ऊर्दू के अतिक्रमण से हिन्दी सिकुड़ रही है और धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। स्वयं को कुछ अधिक बुद्धिजीवी समझने वाले लोग अपनी यह वार्षिक शिकायत दोहराएंगे कि सरकार हिन्दी के प्रति उदासीन है और हिन्दी के उत्थान के लिए कुछ भी नहीं कर रही है। ऐसी बड़ी-बड़ी बातें करके और हिन्दी की महानता का बखान करके शाम तक वे हिन्दी-दिवस को भी भूल जाएंगे और हिन्दी को भी अगली 14 सितंबर तक भुला देंगे। ऐसे सारे महात्माओं, महिषियों, विद्वानों, विदुषियों और हिन्दी के मौसमी समर्थकों से मेरा अनुरोध है कि वे हिन्दी के लिए यदि सचमुच चिंतित हैं, तो सरकारों की पहल के लिए प्रतीक्षा करने और हिन्दी के बारे में उपदेश झाड़ने की बजाय वे हिन्दी के विस्तार के लिए स्वयं से शुरुआत करें। जैसे- सोशल मीडिया पर अपने प्रोफ़ाइल में नाम अंग्रेज़ी से बदलकर हिन्दी में लिखें (हिन्दी न जानने वालों की सुविधा के लिए आप कोष्ठक में अंग्रेज़ी में भी रख सकते हैं)।

अपने सभी सोशल मीडिया खातों की भाषा बदलकर हिन्दी करें। कुछ समय तक आपको सब अटपटा लग सकता है क्योंकि अंग्रेज़ी में फेसबुक देखने की आदत हो चुकी है। लेकिन दो-चार दिनों में इसकी आदत पड़ जाएगी और आपको फिर इसी में ज्यादा मज़ा आएगा। इसी तरह अपनी अधिकांश पोस्ट भी हिन्दी में लिखा करें।

अपने मोबाइल फोन की सेटिंग्स में भाषा वाले विकल्प में जाएं और अंग्रेज़ी को बदलकर हिन्दी करें। अपने ईमेल/जीमेल की अकाउंट सेटिंग्स में जाएं और भाषा बदलकर हिन्दी करें।

जब कभी एटीएम मशीन पर पैसे निकालने जाएं, तो मशीन का उपयोग करते समय हिन्दी भाषा चुनें। जब किसी से कॉल पर बात हो, तो हैलो की बजाय नमस्कार कहें। जब भी किसी कंपनी के कॉल सेंटर को कॉल करते हैं, तो भाषा के विकल्प में हिन्दी चुनें और वहां के कर्मचारी से हिन्दी में बात करें। इन सब कामों के पैसे नहीं लगते, लेकिन इनसे हिन्दी का उपयोग बढ़ता है और उपयोग करने वालों की संख्या बढ़ती है। इससे हिन्दी की लोकप्रियता और महत्व बढ़ता है, जिससे हिन्दी में नए रोज़गार सृजित होंगे। हिन्दी में रोज़गार मिलने लगेगा, तो नई पीढ़ी खुद हिन्दी सीखने लगेगी और हिन्दी का प्रचार होने लगेगा। तब आपको किसी सरकार से यह कहने नहीं जाना पड़ेगा कि वह हिन्दी के लिए कुछ करे, बल्कि सरकारें खुद ही हिन्दी के लिए काम करने लगेगी क्योंकि सरकारें वही करती हैं, जिससे वोटर खुश हो सके।

मैं अमेरिका में, आयरलैंड में, सिंगापुर में, थाईलैंड में और अन्य देशों में जहां भी, जब भी भारतीयों से मिलता हूं, तो उनसे हिन्दी में बात करता हूं। वे अंग्रेज़ी में बात शुरू करते हों, तो भी मैं जानबूझकर हिन्दी में ही जवाब देता हूं। इससे उनकी भी झिझक मिटती है और वे भी खुशी-खुशी हिन्दी में बोलने लगते हैं। जिनको कई सालों से विदेश में रहने के कारण अब हिन्दी बहुत अच्छी नहीं आती, वे भी टूटी-फूटी हिन्दी बोलने का प्रयास करते हैं।

जब मैं विदेशों में भी ऐसे प्रयास कर सकता हूं, तो आप भारत में क्यों नहीं कर सकते? कारण ये है कि आप खुद ही हिन्दी बोलने में झिझकते हैं, आप खुद ही इस मनोवैज्ञानिक दबाव में रहते हैं कि अंग्रेज़ी न बोलने पर सामने वाला आपको अनपढ़ समझेगा। जब आपमें खुद आत्मविश्वास नहीं है, तो स्वाभाविक है कि सामने वाला न आपकी बातों से प्रभावित होगा, न भाषा से।

एक भाषा के रूप में अंग्रेज़ी अवश्य सीखिए, लेकिन यह याद रखिए कि अंग्रेज़ी बुद्धि का पैमाना नहीं है। जहां आवश्यक हो, वहां अंग्रेज़ी मैं भी बोलता हूं और मुझे मालूम है कि मैं उसमें गलतियां भी करता हूं। लेकिन मैं उसकी चिंता नहीं करता क्योंकि अंग्रेज़ी मेरी भाषा नहीं है।

इसलिए उसमें मैं गलतियां करूं, तो मुझे कोई शर्म नहीं है। मुझे इस बात की चिंता भी नहीं होती कि अंग्रेज़ी न बोलने पर सामने वाला मुझ पर हंसेगा। विदेशियों से मैं अंग्रेज़ी में ही बोलता हूं, लेकिन कोई भारतीय अगर अंग्रेज़ी न बोलने पर मुझे गंवार समझे, तो मैं शर्मिंदा नहीं होता, बल्कि मन ही मन उसकी बुद्धि पर तरस खाता हूं। मैं अंग्रेज़ी में सामने वाले को अपनी बात समझा लेता हूं और उसकी समझ लेता हूं, इतना काफी है।

ऐसा सपने में भी नहीं सोचा था

डॉ. सुरेश कुमार

कल मैंने एक वीडियो देखा। दो-तीन युवक मिलकर एक लड़की को बेरहमी से पीट रहे थे। कहते हैं जब समाज की आँखें नीचीं हो जाएँ तब ऐसी ओछी हरकतें परवान चढ़ती हैं। वीडियो देखने के बाद मुझे उन युवकों पर गुस्सा तो आया लेकिन कर भी क्या सकता था? अरे-अरे, पाप बिचारी जैसे अमूल्य शब्दों का प्रयोग कर उसके प्रति अपनी सहानुभूति जताई। मेरा मानना है कि मानवता की बुझती अग्नि में ऐसे शब्द घी सा काम करते हैं। वरना एक हाथ में चाय का कप, दूसरे में मोबाइल धरे किसके पास सहायता के लिए हाथ बढ़ाने का यहाँ समय है? चाय को होंठों पर और उंगलियों को मोबाइल पर नचाने जैसे बहुत जरूरी काम भी तो होते हैं। इतने जरूरी काम छोड़कर भला कोई अपना समय क्यों खोटी करेगा? फिर भी मैंने समय खोटी किया और कोरे कागज को काला कर डाला। मैंने ध्यान दिया कि सामने वाले कमरे में मेरी बिटिया भी कुछ लिख रही थी। दो महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। उसके पास महंगा फोन था, फिर लिखने की क्या जरूरत थी। ध्यान से देखा तो फर्श पर दो-तीन पेपर पड़े हुए थे। उठाकर देखने पर सब में पापा लिखा हुआ था, लेकिन बाकी का मैटर काटम-कूटी की भेंट चढ़ चुका था। उत्सुकता बढ़ी। चुपके से पीछे जाकर खड़ा हो गया। वह लिख रही थी, पापा! मैं केवल पंद्रह बरस की हूँ। ठीक से चलना तो दूर खड़ा होना तक नहीं जानती। ऐसी बिटिया को जमाने की दौड़ में ठेलते हुए आपको मुझ पर तनिक भी दया नहीं आई। जिन हाथों को कलम पकड़ना चाहिए था, उन्हें रसोईघर में कलछुल, पल्टा, सड़सी पकड़ना पड़ रहा है। खिलखिलाता चेहरा जबरन ब्याह से मुरझा गया है। बेशर्म आँखें दुख और सुख दोनों में सजल हो उठती हैं। कभी मेरी आँखों में आँसू की एक बूँद भी आपको बेचैन कर देती थी। अब वहीं मेरी सजलता आपको खुशी के आँसू लगते हैं। सहेलियों के संग कॉलेज जाने की उम्र में मुझे ससुराल भेज दिया। अब मैं नलकूप से पानी लाती हूँ। मैं समझती थी कि पढ़ने से आदमी कुछ बनता है। आपने तो शादी को ही एक उपलब्धि बना डाला। माँ के आँचल और पापा की उंगली से सुरक्षित वस्तु इस दुनिया में कुछ और नहीं हो सकती। लेकिन मैं ही आदान-प्रदान की वस्तु बन जाऊँगी, ऐसा सपने में भी नहीं सोचा था। प्यारी गुडिया कहकर मेरे माथे पर दी हुई आपकी चुम्मी की नमी अभी सूखी भी नहीं थी कि आपने मुझे पराया बना दिया। गिरगिट जितनी तेजी से रंग नहीं बदलता, उतनी तेजी से आपको रंग बदलते हुए देखा है। पापा आप सच में महान लेखक बन गए हो। जैसा लिखते हो वैसा दिखते नहीं हो। पापा आप दोहरी जिंदगी जीने के आदि हो चुके हो। आपकी कथनी की जिंदगी करनी की जिंदगी से एकदम जुदा है।

श्राद्ध पक्ष में पेड़-पौधे लगाने से संतुष्ट होते हैं पितृ

पीपल में होता है पितरों का वास और बरगद देता है मोक्ष

इसको साक्षी मान सीताजी ने किया था पिंडदान

श्राद्ध के दिनों में पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन के साथ ही पेड़-पौधे लगाने का भी विधान है। जिससे पितर संतुष्ट हो जाते हैं। कुछ पेड़-पौधे सकारात्मक उर्जा देते हैं। इसलिए ग्रंथों में बताए गए शुभ पेड़-पौधे पितृ पक्ष में लगाए जाए तो पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

पीपल में देवताओं के साथ पितृ भी रहते हैं। इसलिए श्राद्ध पक्ष में पीपल का पेड़ खासतौर से लगाना चाहिए। इसके साथ बरगद, नीम, अशोक, बिल्व पत्र, तुलसी, आंवला और शमी का पेड़ लगाने से पर्यावरण को साफ रखने में तो मदद होगी ही। पितरों के साथ देवता भी प्रसन्न होंगे।

बरगदः शास्त्रों में बरगद को आयु देने वाला तथा मोक्ष देने वाला पेड़ माना गया है। बरगद के पेड़ को ही साक्षी मानकर माता सीता ने राजा दशरथ के लिए पिंडदान किया था। बरगद पर जल चढ़ाकर इसकी परिक्रमा करने से पितर प्रसन्न होते हैं।

पीपलः पीपल को पवित्र माना गया है। पुराणों के अनुसार इसमें पितरों का वास होता है। इसलिए पीपल के पेड़ पर दूध में पानी और तिल मिलाकर चढ़ाना चाहिए। इससे पितर संतुष्ट होते हैं।

बिल्वपत्रः इस पेड़ में देवी लक्ष्मी और पत्तों में भगवान विष्णु का वास होता है। भगवान विष्णु की पूजा से पितृ प्रसन्न होते हैं। इसलिए इस पेड़ पर भी दूध में गंगाजल मिलाकर चढ़ाना चाहिए।

अशोकः अशोक के पेड़ को शुभ माना गया है। इसमें भी भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए इस पेड़ को लगाने और इसकी पूजा करने से पितृ देवता संतुष्ट और प्रसन्न होते हैं।

तुलसीः तुलसी का पौधा लगाने और उसकी पूजा से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। भगवान विष्णु के प्रसन्न होने से पितर भी संतुष्ट हो जाते हैं। इसलिए तुलसी का पौधा पितृ पक्ष में लगाना चाहिए। तुलसी के पौधे में रोज जल डालने से भी पितृ प्रसन्न होते हैं।

घर में पूर्वजों की लगी तस्वीर कर सकती है आपको बर्बाद

आप सभी ने देखा होगा ज्यादातर घरों में आपने पूर्वजों की तस्वीर या फोटो लोग लगाते हैं। हालाँकि लोग घर के बुजुर्गों के आशीर्वाद के लिए निधन के बाद उनकी तस्वीरों को लगाते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर पितरों की तस्वीरों को लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना जीवन में मुश्किलें बड़ सकती हैं। जी हाँ और आपको बता दें कि इस साल 10 सितंबर 2022 से पितृपक्ष शुरू हो चुके हैं, जो कि 25 सितंबर 2022 तक रहेंगे। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं घर में बुजुर्गों या पूर्वजों की तस्वीर लगाते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

पूर्वजों की तस्वीर लटकाएं नहीं- जी दरअसल वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पूर्वजों की तस्वीर या फोटो लटकाना नहीं चाहिए। जी हाँ और इसे हमेशा लकड़ी के स्टैंड पर ही रखना चाहिए।

बहुत तस्वीरें न लगाएं- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर पितरों की बहुत तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। जी हाँ और इसके अलावा ऐसी तस्वीरों को उस जगह पर न लगाएं, जहां सभी की नजर पहले पड़ती हो।

पितरों देवताओं का स्थान अलग- आमतौर पर लोग पूजा स्थल पर ही पितरों की तस्वीरों को भी रख देते हैं पूजा करते हैं। हालाँकि शास्त्रों में पितरों का स्थान भले ही उच्च माना गया है, लेकिन पितरों को देवताओं के स्थान पर नहीं रखना चाहिए। इन जगहों पर न लगाएं फोटो- पितरों की तस्वीर को बेडरूम, घर के बीचों-बीच रसोई घर में नहीं लगानी चाहिए। जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से पारिवारिक शांति भंग होती है।

जिंदा लोगों के साथ न लगाएं तस्वीर- वास्तु शास्त्र के अनुसार, पितरों की तस्वीरों को कभी भी जिंदा व्यक्ति की फोटो के साथ न लगाएं। जी दरसल ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से जिंदा लोगों की आयु कम होती है।

इस दिशा में लगाएं पितरों की तस्वीर- वास्तु शास्त्र के अनुसार, पितरों की फोटो हमेशा उत्तर दिशा की दीवारों में ही लगानी चाहिए। जी दरअसल शास्त्रों में दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना गया है।

किस्मत का साथ पाना चाहते हैं तो नियमित रूप से करें ये काम

हर व्यक्ति अपने जीवन में तरक्की पाने के लिए कई तरह के जतन करता है। इसके लिए मनुष्य वास्तु के उपाय भी अपनाता है, जिससे उसके जीवन में आ रही परेशानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मनुष्य के जीवन में परेशानियों का आना उसकी कुंडली में मौजूद ग्रहों की स्थिति के ऊपर निर्भर करता है। यदि कोई उच्च का ग्रह नीच के घर में बैठा होता है तो व्यक्ति कितनी भी मेहनत कर ले, उसे मेहनत के अनुरूप फल प्राप्त नहीं होता। इंदौर के रहने वाले ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित कृष्ण कांत शर्मा हमें बता रहे हैं कुछ छोटे-छोटे उपाय।

पहला उपाय

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के लिए सुबह नहाते समय नहाने के पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर नहाएं। इस उपाय से आपकी कुंडली में मौजूद बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है। इसके अलावा भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जल्द ही आपका भाग्योदय भी होता है। वहीं शाम के समय नहाते समय पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर नहाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

दूसरा उपाय

मान्यता के अनुसार कलयुग के देवता कहे जाने वाले हनुमान जी हर समस्या से अपने भक्तों की रक्षा करते हैं, इसलिए नियमित रूप से पंचमुखी हनुमान की आराधना करना चाहिए। मंगलवार के दिन पंचमुखी हनुमान के समक्ष दीपक जलाने से घर में धन-संपत्ति बढ़ती है। संकटों से मुक्ति मिलती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।

तीसरा उपाय

यदि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो गया है तो आप नियमित रूप से शाम के समय तुलसी के पास दीपक जलाएं। रोज सुबह-शाम घर में कपूर जलाने से भी घर का वातावरण शुद्ध रहता है और सकारात्मकता बनी रहती है।

चौथा उपाय

मान्यता के अनुसार नियमित रूप से पूजा करते समय शंख और घंटी बजाने से व्यक्ति के घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है, साथ ही नकारात्मकता दूर होती है। इसके अलावा घर में मौजूद बिजली के बंद उपकरण, कबाड़, बंद घड़ी, जंग लगे ताले, टूटे बर्तन, फटे कपड़े जैसी चीजें हैं तो उन्हें तुरंत निकाल दें। ऐसी जगहों पर माता लक्ष्मी वास नहीं करतीं।

घर की निगेटिव एनर्जी दूर करता है मेंढक

फेंगशुई के उपायों को अपनाकर हम सुख-समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। फेंगशुई में वास्तुदोष दूर करने और नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिए कई तरह के उपाय बताए गए हैं। इस तरह तीन टांगों वाला फेंगशुई मेंढक समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल के अनुसार, फेंगशुई मेंढक को घर पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे आर्थिक तंगी दूर होती है और घर में खुशियों का माहौल छाया रहता है। आइये जानते हैं फेंगशुई मेंढक के घर पर रखने के फायदे।

मनी फ्रॉग है दूसरा नाम

सौभाग्य, आरोग्य और सुख-समृद्धि के लिए फेंगशुई मेंढक को घर पर रखना चाहिए। इसे मनी फ्रॉग भी कहा जाता है। इस मेंढक के मुंह में एक सिक्का दबा होता है, जो धन, बल और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मनी फ्रॉग को घर पर रखना शुभ माना जाता है। इसे घर पर रखने से कभी भी धन की कमी नहीं रहती है। धन आने के सभी द्वार खुलने लगते हैं। हालांकि, इसे सही दिशा में रखना जरूरी है। तभी इसका लाभ मिलता है।

यहां रखें फेंगशुई मेंढक

फेंगशुई मेंढक को घर के मेन दरवाजे के पास रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में निगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं कर पाती और सुख-सौभाग्य का प्रवेश होता है। फेंगशुई मेंढक रखने से घर के सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर होते हैं, जिस कारण परिवार में हंसी खुशी का माहौल व्याप्त रहता है। फेंगशुई मेंढक से धन के आगमन के सभी द्वार खुलते हैं, इससे जीवन में कभी भी आर्थिक तंगी से नहीं जूझना पड़ता है।

इन बातों का रखें ध्यान

फेंगशुई मेंढक को घर की रसोई, टॉयलेट में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इसका नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है और घर में दरिद्रता छा सकती है। इससे परिवार में कलह की स्थिति उत्पन्न होती है, इसलिए भूलकर भी इन जगहों पर फेंगशुई मेंढक को नहीं रखना चाहिए।

पितृ पक्ष में इन वस्तुओं के सेवन से बचें

पितृ पक्ष की शुरुआत 10 सितंबर 2022 से हो चुकी है, जिस का समापन 25 सितंबर 2022 को होगा। हमारे परिवार में जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है, उन्हें पितर कहा जाता है। पित्र पक्ष में पितरों के निमित्त श्राद्ध अर्पित किया जाता है, जिसमें उनके पसंद का भोग लगाया जाता है और उनके पसंद के सामान खरीद कर दान करना भी अच्छा माना जाता है। परंतु इस दौरान कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनका सेवन नहीं करना चाहिए। इससे हमारे पितर नाराज हो सकते हैं। भोपाल निवासी ज्योतिष बता रहे हैं किन चीजों के सेवन से बचना चाहिए।

श्राद्ध के दौरान मसूर की दाल पूरी तरह वर्जित मानी जाती है। इसे साधारण खाने में भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके अलावा यदि श्राद्ध के रूप में आप कोई पकवान बना रहे हैं तो भी आप मूंग और उड़द की दालों का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन मसूर की दाल बिल्कुल भी उपयोग में ना लाएं।

श्राद्ध के दौरान मसूर की दाल पूरी तरह वर्जित मानी जाती है। इसे साधारण खाने में भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके अलावा यदि श्राद्ध के रूप में आप कोई पकवान बना रहे हैं तो भी आप मूंग और उड़द की दालों का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन मसूर की दाल बिल्कुल भी उपयोग में ना लाएं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि आपके घर में श्राद्ध है तो भोजन कराने वाले और भोजन करने वाले दोनों को बासी भोजन से परहेज करना चाहिए। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति नहीं मिलती।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि आपके घर में श्राद्ध है तो भोजन कराने वाले और भोजन करने वाले दोनों को बासी भोजन से परहेज करना चाहिए। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति नहीं मिलती।

पितृपक्ष के दौरान आलू, मूली, अरबी और कंद वाली सब्जियां ना तो पितरों को चढ़ाई जाती हैं और ना ही ब्राह्मण भोज में परोसी जाती हैं। इससे पितर नाराज होकर श्राद्ध ग्रहण नहीं करते।

पितृपक्ष के दौरान आलू, मूली, अरबी और कंद वाली सब्जियां ना तो पितरों को चढ़ाई जाती हैं और ना ही ब्राह्मण भोज में परोसी जाती हैं। इससे पितर नाराज होकर श्राद्ध ग्रहण नहीं करते।

16 श्राद्ध के दौरान चने का सेवन हर रूप में वर्जित माना गया है। यहां तक कि चने से निर्मित सत्तू भी श्राद्ध के दौरान नहीं खाया जाता। चने के अलावा

किसी भी तरह का सत्तू खाना वर्जित माना जाता है। इससे पितरों की नाराजगी सहनी पड़ती है।

16 श्राद्ध के दौरान चने का सेवन हर रूप में वर्जित माना गया है। यहां तक कि चने से निर्मित सत्तू भी श्राद्ध के दौरान नहीं खाया जाता। चने के अलावा किसी भी तरह का सत्तू खाना वर्जित माना जाता है। इससे पितरों की नाराजगी सहनी पड़ती है।

लहसुन-प्याज को तामसिक भोजन में गिना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान लहसुन-प्याज खाने से बचना चाहिए। साथ ही मांस-मदिरा का सेवन भी ना करें, इससे पितर नाराज होते हैं।

लहसुन-प्याज को तामसिक भोजन में गिना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान लहसुन-प्याज खाने से बचना चाहिए। साथ ही मांस-मदिरा का सेवन भी ना करें, इससे पितर नाराज होते हैं।

हाथ ठंड में और दिमाग घमंड में काम नहीं करता अभिमान से क्या होता है नुकसान

अहंकार में अहं का अर्थ भी मैं ही होता हैं। जीवन में इस मैं या फिर कहें अभिमान के कारण कई बार व्यक्ति बहुत कुछ खो देता है। अहंकार के कारण आदमी का जीवन में बहुत नुकसान होता है। जिस व्यक्ति में अहंकार का प्रवेश हो जाता है, उसके सोचने-समझने की क्षमता खत्म होने लगती है। यह क्षणभंगुर होता है, लेकिन इंसान का बहुत नुकसान करके जाता है। अहंकारी आदमी को पराए तो पराए अपने भी साथ छोड़ देते हैं। कहते अहंकार आदमी तो क्या देवता का भी नहीं चलता है। जीवन में जो अहंकार आदमी को गर्त में धकेल देता है, आइए उससे जुड़ी पांच बड़ी बातें जानते हैं।

व्यक्ति का अहंकार और पेट जब बढ़ता है तो वह चाह कर भी किसी को गले नहीं लगा पाता है। जिस तरह नींबू के एक रस की बूंद हजारों

लीटर दूध खराब कर देती है, उसी प्रकार घमंड इंसानी संबंधों के समाप्त होने का बड़ा कारण बनता है।

व्यक्ति का अहंकार उसके दिमाग और मन से भी ऊपर होता है। यही कारण है कि या तो व्यक्ति अपने दिमाग पर राज करता है या फिर उसका दिमाग दिमाग उस पर राज करता है। आपको जन्म दूसरे ने दिया, नाम दूसरे से मिला, शिक्षा दूसरे ने दी, रिश्ता भी किसी दूसरे से जुड़ा, काम करना किसी दूसरे ने सिखाया, अंत समय में भी दूसरे ही अपने कंधे पर ले जाएंगे, फिर इस संसार में तुम्हारा अपना क्या है जिस पर तुम घमंड करते फिरते हो।

एक अहंकारी व्यक्ति का ज्ञान निरर्थक ही होता है, क्योंकि जब कभी भी वह अपने ज्ञान को काम में लाता है तो वह किसी का अहित अवश्य करता हैं।

यदि आपका अभिमान कमजोर हैं तो वह भी निरर्थक हैं, लेकिन यदि वह मजबूत और और चरित्र से भरा हुआ है तो उसकी भी अपनी एक कीमत है।

हाथ में आया अवसर कितना अनमोल होता है

जीवन में हर कोई अपने सपनों को पूरा करने के लिए किसी न किसी एक अवसर की तलाश करता है। इसे पाने के लिए मीलों लंबा सफर करता है तो कभी दूसरों के दरवाजे खटखटाता है, जबकि वहीं जब वह उसके जीवन में दरवाजे खटखटाता तो है तो कुछ लोग उसका स्वागत करने की बजाय उसकी अनदेखी करते हैं, ऐसे में वह उलटे पांव लौट जाता है और बामुश्किल ही उसके जीवन में दोबारा आता है।

हाथ आए अवसर को छोड़ने वाले मनुष्य और डाल से हाथ छोड़ने वाले बंदर को कोई नहीं बचा सकता है।

इस दुनिया में कोई भी ऐसा इंसान नहीं है, जिसके जीवन में कभी न कभी किस्मत को चमकाने का अवसर न आया हो, लेकिन जब किस्मत देखती है कि वह उसका स्वागत करने को तैयार ही नहीं तो वह उल्टे पांव वापस लौट जाती है।

अवसर आने पर बुद्धिमान व्यक्ति को कछुए की तरह अपने अंगों को सिकोड़ कर मार खाने के बाद भी चुप रह जाना चाहिए, लेकिन अवसर आने पर उसे कालसर्प की तरह उठ कर खड़ा हो जाना चाहिए।

एक निराशावादी व्यक्ति हमेशा अवसर में ही कठिनाई देखता है, लेकिन एक आशावादी व्यक्ति हर मुश्किल में अवसर देखता है।

अवसर की राह तकने वाले लोग साधारण व्यक्ति होते हैं, जबकि असाधारण व्यक्ति अपने जीवन में अवसर को पैदा करने वाले होते हैं।

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद एक और फिल्म करेंगे रणबीर-आलिया

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट 'ब्रह्मास्त्र' की सक्सेस के बाद साथ में और फिल्में करने की प्लानिंग कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर और आलिया साथ में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि कपल को पहले भी साथ में कई फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन वो ऑडियंस की फीडबैक के बाद ही कोई फैसला लेना चाहते थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर और आलिया किसी फिल्म में साथ काम करने से पहले ब्रह्मास्त्र की रिलीज का इंतजार कर रहे थे। कपल साथ में और फिल्मों में काम करने से पहले ऑडियंस की फीडबैक लेना चाहते थे। उन्हें पहले भी साथ में कई फिल्में ऑफर की गई थीं, लेकिन दोनों ने करने से मना कर दिया। हालांकि, ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद दोनों साथ में और फिल्में करने का प्लान कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स में आगे बताया गया, कपल साथ में एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं। ब्रह्मास्त्र को मिली फीडबैक से दोनों काफी खुश हैं। फ्यूचर में अगर कपल को कोई साथ में काम करने का अच्छा ऑप्शन मिलता है, तो वो इसके लिए हां कह सकते हैं। बता दें, रणबीर और आलिया ब्रह्मास्त्र में पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आए हैं। रणबीर ने फिल्म में शिवा और आलिया ने ईशा का कैरेक्टर प्ले किया है। आलिया इन दिनों अपना प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में आई खबरों के मुताबिक, सोनी राजदान और नीतू कपूर ने आलिया के लिए स्पेशल बेबी शॉवर होस्ट करने का प्लान किया है। इस बेबी शॉवर में सिर्फ आलिया की गर्ल गैंग समेत सिर्फ लड़कियां शामिल होंगी। रणबीर और आलिया की शादी 14 अप्रैल 2022 को हुई थी। शादी के पहले दोनों ने करीब पांच साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। दोनों के घर में जल्द ही एक नन्हा मेहमान आने वाला है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, आलिया की अपकमिंग फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी अगले साल रिलीज होगी। इसके अलावा उनके पास प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ के साथ फरहान अख्तर की जी ले जरा भी है। आलिया हार्ट ऑफ स्टोन से अपना हॉलीवुड डेब्यू भी करने जा रही हैं। वहीं, रणबीर कपूर के एनिमल और लव रंजन की अनटाइटल्ड फिल्म है।

तीन अक्टूबर को प्रभु राम की नगरी में ऑर्गेनाइज किया जाएगा ग्रैंड इवेंट, रावण दहन करेंगे सुपरस्टार प्रभास

खास होगा आदिपुरुष का टीजर लॉन्च

प्रभास, सैफ अली खान और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। हाल ही में आदिपुरुष के टीजर रिलीज को लेकर नया अपडेट सामने आया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मेकर्स जल्द ही फिल्म का टीजर और फर्स्ट लुक को रिलीज कर सकते हैं। हालांकि, मीडिया सोर्स की मानें तो फिल्म के टीजर लॉन्च के लिए खास तैयारियां की जा रही हैं। ऐसे में आदिपुरुष का इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक खुशखबरी सामने आ रही है। एक रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का टीजर 3 अक्टूबर को रिलीज कर सकते हैं। दरअसल, अक्टूबर का फेस्टिव सीजन से भरपूर है, ऐसे में आदिपुरुष के मेकर्स फिल्म के प्रमोशन के लिए कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि मेकर्स 3 अक्टूबर को भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में भव्य इवेंट प्लान कर रहे हैं, जहां पर टीजर लॉन्च किया जाएगा। इसके अलावा प्रभास और फिल्म मेकर्स 5 अक्टूबर को दिल्ली को लव कुश रामलीला के भव्य दशहरा समारोह में भी हिस्सा लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास दिल्ली में आयोजित होने वाली लव कुश रामलीला में रावण के पुतले का दहन करने वाले हैं। समिति ने एक्टर को रावण दहन करने के लिए इस वजह से आमंत्रित किया है, क्योंकि वो आदिपुरुष में भगवान राम के स्वरूप की भूमिका निभा रहे हैं। लव कुश रामलीला समिति के प्रमुख ने बताया कि- क्योंकि प्रभास पहले से ही आने वाली फिल्म आदि पुरुष में भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए दशहरे पर रावण की बुराई को आग लगाने के लिए उनसे बेहतर कौन होगा। प्रमुख ने आगे बताया कि -हमेशा की तरह तीन पुतले होने जा रहे हैं- रावण- कुंभ करण और मेघनाथ सुपरस्टार प्रभास तीनो पर हवा में तीर

आदिपुरुष की कहानी हिंदू धर्म ग्रंथ रामायण पर आधारित है। फिल्म में प्रभास भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, वहीं कृति सेनन मां जानकी की रोल में नजर आएंगी। फिल्म में सैफ अली खान रावण की भूमिका में नजर नजर आएंगे। वहीं एक्टर सनी सिंह लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म पहले साल 11 अगस्त 2022 में रिलीज होने वाली थी, मगर अब इसे 12 जनवरी, 2023 में पर्दे पर आएगी। बता दें कि आदिपुरुष बिग बजट फिल्मों में से एक है, जिसे हिंदी तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

ब्रह्मास्त्र के प्रमोशन के लिए राजामौली ने ली फीस? सूत्रों ने कहा- करण जौहर के साथ रिश्ते...

रणबीर-आलिया की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' ने पांच दिनों के अंदर 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। अयान मुखर्जी की फिल्म ने न केवल हिंदी भाषी राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया है, बल्कि तलुगू राज्यों में भी 12.25 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली है। उत्तर भारत में फिल्म का क्रेज आलिया-रणबीर की जोड़ी और फिल्म में मौनी रॉय, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान व दीपिका पादुकोण की मौजूदगी की वजह से देखने को मिल रहा है। हालांकि, दक्षिण भारत में यह क्रेज बाहुबली के निर्देशक एस एस राजामौली की वजह से है।

एस एस राजामौली ने की रणबीर और 'देवा देवा' की तारीफ

एसएस राजामौली ने ही करण जौहर की फिल्म ब्रह्मास्त्र का आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में प्रमोशन किया था। यह एक मार्केटिंग स्ट्रैटजी के तहत प्लान किया गया था। दरअसल, तेलुगू राज्यों में निर्देशक एस एस राजामौली के प्रशंसक काफी ज्यादा हैं। इसलिए इन राज्यों में ब्रह्मास्त्र का अधिकांश प्रचार राजामौली द्वारा ही किया गया था।

इतना ही नहीं राजामौली ने हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक भव्य प्री-रिलीज़ कार्यक्रम भी आयोजित किया था। लेकिन, सुरक्षा कारणों की वजह से इसे रद्द कर दिया गया। हालांकि, इसकी भरपाई के लिए, राजामौली ने कुछ घंटों के भीतर ही प्रेस मीट आयोजित कर ली, जिसमें जूनियर एनटीआर भी शामिल हुए। फिल्म के कलेक्शन को देख ऐसा कहा जा सकता है कि ब्रह्मास्त्र के निर्माताओं ने प्रमोशन के लिए राजामौली को लेकर एक समझदारी भरा फैसला लिया है। लेकिन, राजामौली ने 410 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म का प्रचार क्यों किया? क्या उन्होंने करने के लिए करोड़ो की रकम ली थी?

कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि राजामौली को ब्रह्मास्त्र के तेलुगू संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए मोटी रकम मिली है। जी हां, कहा जा रहा है कि राजामौली को कथित तौर पर तेलुगू में फिल्म का प्रचार करने के लिए निर्माता करण जौहर से 10 करोड़ रुपये दिए हैं। हालांकि, इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बहुत करीबी सूत्र ने बताया कि यह अफवाह करण और राजामौली के रिश्तों को खराब करने के लिए उड़ाई जा रही है। उन्होंने कहा, राजामौली, करण से बहुत प्यार करते हैं। करण के धर्मा प्रोडक्शंस ने ही राजामौली की बाहुबली को हिंदी में वितरित किया था। राजामौली, करण की वजह से ही ब्रह्मास्त्र का प्रचार करने के लिए सहमत हुए। पैसे के आदान-प्रदान का सवाल ही नहीं उठता है?"

आलिया भट्ट का स्पेशल ऑल गर्ल्स बेबी शॉवर : सोनी राजदान और नीतू कपूर करेंगी होस्ट, करिश्मा और करीना कपूर होंगी फंक्शन में शामिल

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। आलिया ने कुछ महीने पहले ही प्रेग्नेंसी का अनाउंसमेंट की थी। अब खबरें आ रही हैं कि सोनी राजदान और नीतू कपूर जल्द ही आलिया के लिए एक बेबी शॉवर होस्ट करेंगी। इस बेबी शॉवर में सिर्फ लड़कियां ही शामिल होंगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया इन दिनों प्रेग्नेंसी के तीसरे यानी की फाइनल सेमेस्टर में हैं। इसलिए एक्ट्रेस की मां सोनी राजदान और सास नीतू कपूर उनके लिए कुछ स्पेशल प्लान कर रही हैं। अगर खबरों कि मानें तो, ₹नानी और दादी की जोड़ी आलिया के लिए ऑल 'गर्ल्स बेबी' शॉवर होस्ट करने वाली हैं। आलिया ने जून में एक सोनोग्राफी के साथ अपनी और रणबीर की फोटो शेयर कर प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी।

महीने के आखिरी में होगा फंक्शन

सितंबर के आखिरी में आलिया का बेबी शॉवर हो सकता है। इस फंक्शन में शाहीन भट्ट, करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, आकांक्षा रंजन, नव्या नंदा, श्वेता बच्चन, आरती शेट्टी और आलिया भट्ट की गर्ल गैंग यानी की बचपन के दोस्तों का आना कंफर्म है। बेबी शॉवर मुंबई के बांद्रा में होगा। बता दें, पिछले महीने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपना बेबीमून सेलिब्रेट करने के लिए इटली गए थे।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की मुलाकात 2017 में ब्रह्मास्त्र के सेट पर हुई थी। दोनों ने पांच साल तक डेट करने के बाद 14 अप्रैल 2022 को शादी की थी।

कपल ने पहली बार सोनम कपूर की शादी में साथ में अपीयरेंस दी थी। रणबीर अपनी कजिन की शादी में आलिया भट्ट के साथ पहुंचे थे।

'लाल घाघरा' में नम्रता मल्ला और पवन सिंह ने मचाया धमाल, रिलीज होते ही इंटरनेट पर छाया गाना

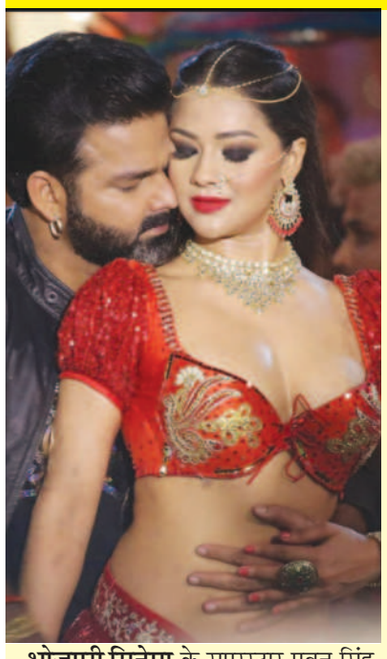

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह अपने नए गाने के साथ एक बार फिर हाजिर हो गए हैं। इस बार वह खेसारी लाल यादव की 'पारो' यानी नम्रता मल्ला के साथ थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है, जिसमें पवन सिंह और नम्रता मल्ला की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इस गाने को पवन सिंह ने भोजपुरी की मशहूर सिंगर शिल्पी राज के साथ गाया है। दोनों की आवाज का जादू भी इसे और खूबसूरत बना रहा है।

'लाल घाघरा' गाने को सारेगामापा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। रिलीज होने के कुछ देर बाद ही गाने ने धमाल मचा दिया है और यह लोगों की जुबां पर चढ़ गया है। गाने में नम्रता मल्ला लाल घाघरे पहन घूंघट ओढ़े एंट्री लेती हैं। इसके बाद पवन सिंह आते हैं और दोनों का जबरदस्त डांस देखने को मिलता है। कुछ ही घंटे पहले रिलीज हुए इस गाने को दर्शकों का भी बेशुमार प्यार मिल रहा है।

'लाल घाघरा' के बोल विजय चौहान ने लिखे हैं, तो म्यूजिक शुभम राज ने दिया है। वहीं गाने को लेकर यूजर यूट्यूब पर कमेंट कर अपना प्यार दिखा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इनकी आवाज में जरूर को जादू है, जब भी गाते हैं दिल को छू जाते हैं और करोड़ों दिलों पर राज करते हैं', तो दूसरे लिखा, 'आपकी आवाज सुनकर दिल खुश हो जाता है, आप जितने अच्छे गायक हैं उतने अच्छे इंसान भी हैं।' इसके अलावा भी फैंस कमेंट कर गाने की तारीफ कर रहे हैं।

गाने में पवन सिंह और नम्रता मल्ला की केमिस्ट्री ने हर किसी का दिल जीत लिया है। इस शानदार गाने से रिलीज होते ही कुछ घंटे में ही सनसनी मचा दी है। 'लाल घाघरा' में दोनों का कमाल का डांस देखने को मिल रहा है। इस गाने का म्यूजिक बेहद शानदार है। वहीं, यूट्यूब पर अपलोड किए इस गाने पर लगातार लाइक्स और व्यूज की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

अनिल कपूर संग यश चोपड़ा के घर के बाहर पहुंचे अनुपम खेर, संघर्ष के दिनों को किया याद

अनुपम खेर और अनिल कपूर ने एकसाथ कई फिल्मों में काम किया है। दोनों काफी अच्छे दोस्त माने जाते हैं। अनिल और अनुपम खेर अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देते हैं। हाल ही में अनुपम खेर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह अनिल कपूर के साथ मॉर्निंग वॉक करते हुए यश चोपड़ा के घर के बाहर पहुंच गए। ये वीडियो काफी मजेदार है।

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये वीडियो साझा किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'यश जी के घर के सामने- सुबह सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाते हुए अनिल कपूर और मैं यश चोपड़ा जी घर के सामने रुके और पुरानी यादें ताजा की और आशीर्वाद भी लिया। हमारी (मेरी खासकर) जिंदगी में यश जी का बहुत बड़ा योगदान है। शुक्रिया सर जी आपके प्यार और आपके साथ बीते हुए लम्हों के लिए। सौभाग्य से आज चांदनी फिल्म ने 33 साल पूरे कर लिए हैं'। बता दें कि अनुपम खेर एक थियेटर आर्टिस्ट रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत यहीं से की थी। थियेटर के दौरान ही अनुपम खेर और यश चोपड़ा की मुलाकात हुई थी। तब यश जी ने अनुपम से कहा था कि तुम एक दिन जरूर कुछ बड़ा करोगे। इसके बाद अनुपम खेर यश चोपड़ा की कई फिल्मों में नजर आए। फिल्म चांदनी में भी अनुपम खेर थे। अनिल कपूर की बात करें तो शुरुआत में उनको भी बॉलीवुड में काफी संघर्ष करना पड़ा था। शुरू में वह छोटे रोल करते थे। इस वीडियो में अनिल कपूर भी अपने संघर्ष के दिनों को याद कर रहे हैं।

हर किरदार से स्वरा भास्कर ने छोड़ी एक अलग छाप, फिर भी अपने दम पर एक फिल्म नहीं करा पाईं हिट

बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर अपनी बेहतरीन अदाकारी और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। 2009 में 'माधोलाल कीप वाकिंग' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली स्वारा अभी तक कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं, जिसमें अपने शानदार अभिनय के बल पर उन्होंने एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि स्वरा भास्कर ने ज्यादातर फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई हैं, लेकिन अपने हर किरदार में उन्होंने एक अलग छाप छोड़ी है। वहीं, इन दिनों वह अपनी फिल्म 'जहां चार यार' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। लेकिन आज हम आपको स्वरा भास्कर की उन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें वह अहम भूमिका में नजर आई थीं।

'जहां चार यार' के प्रमोशन में जुटी स्वरा भास्कर ने 'तनु वेड्स मनु', 'रांझणा', 'प्रेम रतन धन पायो', 'तुन वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी कई फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई है। सभी फिल्मों में वह अपने किरदार से लोगों के दिलों में जहग बनाने में सफल भी रहीं। इनमें से ज्यादातर फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल भी मचाया है। लेकिन जिन फिल्मों में स्वरा मुख्य भूमिका में नजर आईं, वह बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई। हालांकि 'वीरे दी वेडिंग' में स्वरा भास्कर मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन उनके साथ सोनम कपूर, करीना कपूर और शिखा तलसानिया ने भी अहम किरदार निभाया था और इसे अच्छा रिस्पांस भी मिला था।

मछली जल की रानी है

2014 में स्वरा भास्कर 'मछली जल की रानी है' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं। यह एक हॉरर फिल्म थी और स्वरा का किरदार भी डरावना था। फिल्म में स्वरा भास्कर और भानु उदय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। देबलॉय डे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में स्वरा के अभिनय को सराहा गया, लेकिन फिल्म दर्शकों को लुभाने में सफल नहीं हो पाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई और 1.35 करोड़ का कलेक्शन ही कर पाई थी।

निल बटे सन्नाटा

अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी 'निल बटे सन्नाटा' 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में स्वरा भास्कर के अलावा पंकज त्रिपाठी, रत्ना पाठक और रिया शुक्ला मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म एक मां-बेटी की बेहद प्यारी सी कहानी को दिखाती है, जिसमें मां दूसरों के घर काम करती है और अपनी बेटी को बहुत पढ़ाना चाहती है। फिल्म की कहानी और स्वरा की एक्टिंग की खूब सराहना हुई थी, बावजूद इसके फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित नहीं हुई। 7 करोड़ की लागत से बनी फिल्म ने 4.82 करोड़ का कलेक्शन किया था।

अनारकली ऑफ आरा

अविनाश दास द्वारा निर्देशित 'अनारकली ऑफ आरा' में एक गंभीर मुद्दे को बेहतरीन तरीके से पेश किया गया है। फिल्म 2017 में आई थी और इसमें स्वरा ने अनारकली की भूमिका निभाई है, जो एक नाचने-गाने वाले लड़की है। फिल्म में स्वरा अपने हक के लिए लड़ती हैं और अपने बेहतरीन अभिनय से छा जाती हैं। फिल्म की कहानी की भी काफी तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर 89 लाख रुपये ही कमा पाई थी और फ्लॉप साबित हुई।

जहां चार यार

वहीं, अब स्वरा भास्कर की आने वाली फिल्म 'जहां चार यार' की बात करें तो इसका निर्देशन विनोद बच्चन ने किया है। फिल्म चार शादीशुदा महिलाओं की कहानी पर आधारित है, जिसमें स्वरा भास्कर, शिखा तलसानिया, मेहर विज और पूजा चोपड़ा नजर आएंगी। फिल्म की कहानी इन शादीशुदा महिलाओं की दोस्ती और यात्रा के बारे में हैं। फिल्म के ट्रेलर को भी दर्शकों का बढ़िया रिस्पांस मिला है। यह फिल्म 16 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अब यह देखना होगा कि इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन कैसा रहता है।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से विदा ले रहे हर्षद चोपड़ा! बिग बॉस में आएंगे नजर?

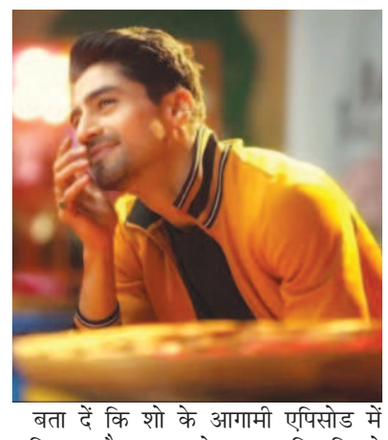

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस का नया सीजन चर्चा में है। सलमान खान धमाकेदार अंदाज में इस चर्चित शो को लाने वाले हैं। इस शो में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी हमेशा चर्चा में रहते हैं। फैंस के बीच भी प्रतिभागियों को लेकर काफी उत्सुकता रहती है। इस बार शो में कौन हिस्सा लेने वाला है, फिलहाल इसे लेकर कोई सटीक जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो इस बार शो में टीवी एक्टर हर्षद चोपड़ा भी नजर आ सकते हैं। बता दें कि फिलहाल हर्षद टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलता है' में नजर आ रहे हैं। बिग बॉस में हर्षद की एंट्री की खबर के साथ ही एक ऐसी खबर भी सामने आई है, जो दर्शकों को हैरान कर सकती है।

अपने रोल से हो गए हैं बोर

बता दें कि टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलता है' में हर्षद, अभिमन्यु का किरदार निभा रहे हैं, जो दर्शकों के बीच खूब पॉपुलर है। ऐसे में जब से बिग बॉस में उनके जाने की खबर आई है तो यह सवाल भी उठ रहा है कि हर्षद शो में नजर आएंगे या नहीं! हालांकि, इन सभी सवालों के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर फैंस के होश उड़ जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक हर्षद, बिग बॉस के लिए शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' को छोड़ रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि अभिमन्यु इस शो में अपने किरदार से काफी बोर हो गए हैं और अब बिग बॉस के जरिए कुछ नया करना चाहते हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में हर्षद और मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

खत्म हो जाएगा शो?

बता दें कि शो के आगामी एपिसोड में अभिमन्यु और अक्षरा को एक बार फिर मिलते हुए दिखाया जाएगा। अभिनन्यु को कुणाल की सच्चाई पता चल जाएगी और इसके बाद वह फिर अक्षरा के साथ आ जाएगा। लेकिन अब हर्षद अगर शो से जाएंगे तो मेकर्स को कोई नया चेहरा ढूंढना पड़ेगा या फिर दोनों के मिलन के साथ ही शो खत्म हो जाएगा! इस बारे में अब आने वाले दिनों में ही पता चलेगा।

इन सेलेब्स के नाम की भी चर्चा

बता दें कि अब तक बिग बॉस शो के लिए कई नाम सामने आ चुके हैं। इनमें फैजल खान, मुनव्वर फारूकी, कनिका मान, चारू असोपा, राजीव सेन, नुसरत भरुचा, फहमान खान आदि शामिल हैं। हालांकि इनमे से किसी के भी नाम की पुष्टि चैनल की तरफ से नहीं की गई है। लेकिन, कुछ दिनों पहले शो का प्रोमो सामने आया था जिससे पता चल रहा है कि इस सीजन शो काफी मजेदार होने वाला है।

ख़ून में लिपिड्स का संतुलन बिगड़ने से बढ़ जाती है दिल के रोगों की आशंका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार, भारत में 25 से 30 प्रतिशत शहरी और 15 से 20 प्रतिशत ग्रामीण आबादी लिपिड (यह कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन्स की तरह एक पदार्थ है, जो शरीर के विकास के लिए ज़रूरी है) असामान्यताओं से पीड़ित है। इस स्थिति को डिस्लिपिडेमिया कहा जाता है और इसमें ख़ून में लिपिड का स्तर कम या अधिक हो जाता है। इसके बारे में समझने के लिए लिपिड के प्रकारों के बारे में जानना ज़रूरी है।

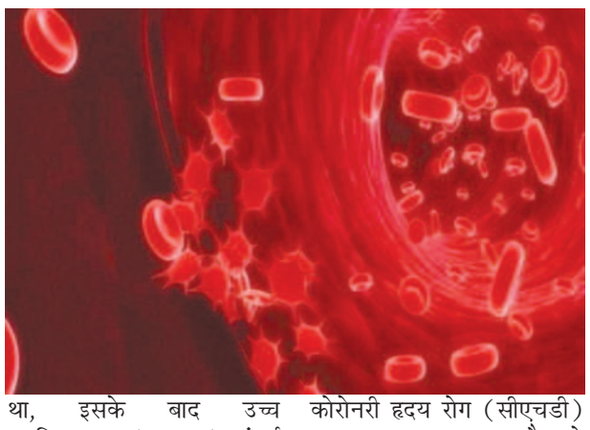

लिपिड के प्रकार

शरीर में तीन प्रकार के लिपिड होते हैं जिनमें एलडीएल, एचडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स शामिल हैं। एलडीएल ख़राब कोलेस्ट्रॉल है जो स्वास्थ्य के लिए नुक़सानदेह है, क्योंकि इसके परिणामस्वरूप रक्त वाहिकाओं में प्लैक हो सकते हैं। एचडीएल को अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है क्योंकि यह ख़ून में एलडीएल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। ट्राइग्लिसराइड्स वो लिपिड्स होते हैं जो कैलोरी बर्न न होने पर बनते हैं और कोशिकाओं में संगृहीत हो जाते हैं। हाई ट्राइग्लिसराइड्स से भी हृदय रोग का ख़तरा बढ़ जाता है।

हृदय रोगों का ख़तरा

डिस्लिपिडेमिया टाइप-2 मधुमेह वाले 50 फीसदी रोगियों को प्रभावित करता है। डिस्लिपिडेमिया में ट्राइग्लिसराइड का स्तर बढ़ जाता है, एचडीएल कम हो जाता है और एलडीएल पार्टिकल्स बढ़ जाते हैं। हाल ही में जारी इंडिया डायबिटीज़ स्टडी, टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस के नए मरीज़ों पर की गई है। इससे पता चला कि इन रोगियों में सबसे प्रचलित असामान्य कोलेस्ट्रॉल का स्तर निम्न एचडीएल (55.6%) था, इसके बाद उच्च ट्राइग्लिसराइड (51.3%), संपूर्ण उच्च कोलेस्ट्रॉल (27.5%) और उच्च एलडीएल (26.8%) थे, जिसका अर्थ है कि उन्हें हृदय रोग होने का अधिक ख़तरा है। 82.5% से अधिक रोगियों में कम से कम एक कोलेस्ट्रॉल असामान्यता दिखाई दी।

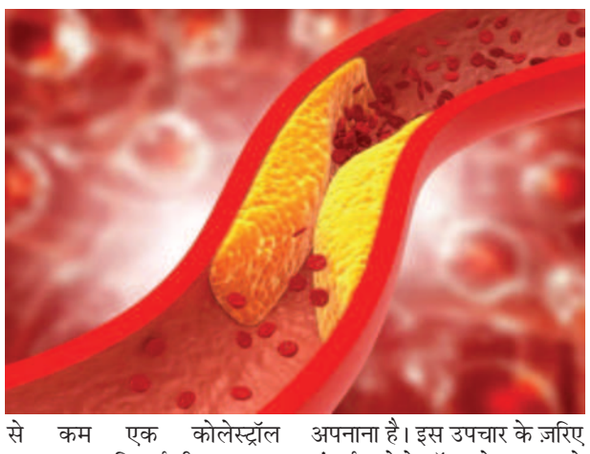

60 वर्ष से अधिक उम्र वाले ध्यान दें

डिस्लिपिडेमिया पुरुषों में सबसे आम है, लेकिन यह 30 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के पुरुषों व महिलाओं दोनों को प्रभावित करता है। इसमें 60 साल से ऊपर के व्यक्ति को कार्डियोवैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) का ख़तरा अधिक होता है। डिस्लिपिडेमिया कोरोनरी हृदय रोग (सीएचडी) का कारण बन सकता है, जो एशियाई लोगों में बहुत अधिक है।

दिनचर्या का पालन

विशेषज्ञों द्वारा सुझाया गया सबसे अच्छा उपचार एडल्ट ट्रीटमेंट पैनल III एप्रोच को अपनाना है। इस उपचार के ज़रिए संपूर्ण कोलेस्ट्रॉल के स्तर से एलडीएल-कोलेस्ट्रॉल को कम किया जाता है। हालांकि, प्रभावी और दीर्घकालिक असर के लिए, व्यक्ति को एक पक्की दिनचर्या का सहारा लेना चाहिए, जैसे कि नियमित शारीरिक गतिविधियां और मछली के तेल के रूप में न्यूनतम पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का सेवन। यह प्रभावी रूप से सीरम ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करेगा और शरीर में एचडीएल-कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाएगा।

उपाय आपके हाथ...

नेशनल कोलेस्ट्रॉल एजुकेशन प्रोग्राम (एनसीईपी) के चिकित्सा दिशानिर्देशों के अनुसार, 20 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वयस्कों को सलाह दी गई कि वो हर 5 साल में बेसलाइन लिपोप्रोटीन प्रोफाइल की स्क्रीनिंग कराएं। एटीपी III कार्डियोवैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) के जोखिम को कम करने के लिए जीवनशैली में बदलाव और दवा के ज़रिए उपचार की सलाह देता है।

ट्राइग्लिसराइड के स्तर को कम करने के लिए, ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल किया जा सकता है। खाद्य विकल्प में ऑयली मछली जैसे सार्डिन, सामन आदि के साथ-साथ फिश ऑयल सप्लीमेंट्स शामिल हैं। सोया प्रोटीन से भी कोलेस्ट्रॉल स्तर, एलडीएल स्तर और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम होता है जबकि यह एचडीएल को बढ़ाता है जिसे अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है।

ऐसे कई तरीक़े हैं जिनमें जीवनशैली में बदलाव से ख़राब कोलेस्ट्रॉल के प्रबंधन में मदद मिलती है। यदि लिपिड प्रोफाइल में एलडीएल का अनुपात अधिक है, तो आदतों में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं :-

आहार में तेल, घी, चिकनाई को कम करना।

वज़न/मोटापे को कम करना।

उच्च एलडीएल स्तर को नियंत्रित करने के लिए शाक-सब्ज़ी और फल वाले आहार को अपनाना।

नियमित सैर।

तनाव कम करना।

मधुमेह और बीपी नियंत्रण।

फ्रिज की साफ़-सफ़ाई के साथ-साथ उसका रखरखाव भी है जरूरी

रसोई में फ्रिज की अहम भूमिका होती है। आजकल बाज़ार में कई तरह के फ्रिज आ गए हैं। इनमें चीज़ों को रखने और उन्हें इस्तेमाल करने के नियम जानना बहुत ज़रूरी है। सब्ज़ियां लाने के बाद उन्हें सीधे फ्रिज में रख देते हैं, तो इस आदत को बदल लें।

सब्ज़ियां यदि गंदी होंगी तो फ्रिज भी गंदा हो जाएगा। इसलिए कोशिश करें कि धोकर रखें। अगर धोकर रखने का समय नहीं रहता तो उन्हें अख़बार में लपेटकर या ज़िप लॉक बैग में रखें। ऐसा करने से फ्रिज साफ़-सुथरा रहेगा और सारी सब्ज़ियां व्यवस्थित रहेंगी।

सामग्री को निर्धारित जगह पर रखें, जैसे स्लाइडिंग ड्रॉअर में फल, बटर ट्रे में बटर और दरवाजे. पर सकरी शेल्फ में मसाले रखें। अलग से ऑर्गेनाइज़र का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दूध, दही, पनीर, मावा आदि दुग्ध पदार्थों को पहले कम्पार्टमेंट में ही रखें, क्योंकि यहां ठंडक ज़्यादा होती है। इसके ठीक नीचे वाले भाग में वे सामान रखें जो आने वाले 12 घंटे में उपयोग कर सकते हैं। कई बार सामान सबसे आख़िर में रखने पर नज़र में नहीं आता और इस्तेमाल नहीं हो पाता।

फल व सब्ज़ियों को एक साथ नहीं, अलग-अलग रखें। अगर सब्ज़ियों को स्लाइडिंग ड्रॉअर में रख रहे हैं तो फलों को उसके ऊपर वाली ट्रे में रखें। एक साथ रखने पर इनके जल्दी ख़राब होने की आशंका रहती है।

हरा लहसुन व हरा प्याज़ फ्रिज में खुला न रखें। ऐसा करने से गंध फैल जाती है। कोशिश करें कि इन्हें एयरटाइट डिब्बे में बंद करके ही फ्रिज में रखें।

एक-दो सप्ताह में फ्रिज को पूरी तरह से साफ़ करें। ऐसा करने से फ्रिज में पड़ी फालतू चीजें निकल जाएंगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। सफ़ाई करने पर ये भी पता चलेगा कि कौन-सा सामान ख़त्म हो गया है व क्या मंगाना है। इस दौरान यह भी देखें कि किस सामान की एक्सपायरी डेट पास आ रही है, ताकि समय से पहले उसका उपयोग कर सकें।

रेफ्रिजरेटर के कंडेंसर पर धूल जम जाती है जिससे उसकी कार्यक्षमता पर प्रभाव पड़ता है। उसे माह में एक बार ज़रूर साफ़ करें (स्विच को ऑफ करने के बाद)।

फ्रिज का दरवाज़ा बार-बार न खोलें। दरवाज़ा बार-बार खोलने या खुला रखने से फ्रिज़ के अंदर का तापमान बढ़ जाता है और अंदर रखा सामान ख़राब हो सकता है।

बाग़ीचे के साथ-साथ सेहत का ख़्याल रखना भी ज़रूरी है

घर की बगिया में पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना कई बुज़ुर्गों की दिनचर्या का हिस्सा होता है। लिहाज़ा इस उम्र में बाग़वानी के दौरान सुरक्षा का ध्यान रखना भी ज़रूरी है।

पेड़ -पौधे लगाना समय बिताने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा माना जाता है। परंतु मिट्टी की गुड़ाई करने, गमलों को उठाने आदि के लिए ऊर्जा भी अधिक लगती है। ऐसे में यदि घर में बुज़ुर्ग हैं और बाग़वानी में दिलचस्पी रखते हैं तो कुछ बातों का ध्यान हमेशा रखें।

बैठने की व्यवस्था

इस उम्र में पैर के जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है और झुकने में परेशानी भी हो सकती है इसलिए यहां ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि गमलों में पौधे लगा रहे हैं तो इन्हें किसी टेबल या बैंच पर रखें, फिर कुर्सी में बैठकर काम करें। यदि ज़मीन पर बाग़ीचा है तो फर्श पर घुटनों से टिककर बैठने के बजाय चटाई पर आराम से बैठें।

टूल का इस्तेमाल

उम्र के साथ-साथ हाथों की पकड़ भी कमज़ोर हो जाती है। ऐसे में बाग़वानी के टूल पकड़ने से बुज़ुर्गों के हाथों में दर्द हो सकता है या उन्हें ठीक से पकड़ने में समस्या भी हो सकती है। लिहाज़ा टूल्स ऐसे चुनें जिनका वज़न कम हो और हैंडल पर रबर लगा हो ताकि पकड़ने में सहूलियत रहे।

सही समय चुनें

बाग़वानी के लिए सही वक़्त चुनना भी ज़रूरी है। सुबह सूरज निकलने से पहले का समय उत्तम है। यदि सुबह का वक़्त आपके अनुसार उचित नहीं है तो ऐसा स्थान चुनें जहां छाया हो और तापमान भी संतुलित हो। ऐसे स्थानों पर रोशनी का ध्यान रखना भी ज़रूरी होगा।

मदद लेना बेहतर

बाग़वानी में मिट्टी खोदने या मिट्टी के साथ खाद मिलाने में मेहनत लगती है। ऐसे में सारे काम ख़ुद करने के बजाय किसी की मदद लें। परिवार में बच्चों को अपना साथी बनाएं। गमले उठाना, मिट्टी खोदना, पानी उठाना, गमलों को व्यवस्थित करना जैसे कामों को स्वयं करने के बजाय उनकी मदद लें।

पहनावा भी ज़रूरी

जब भी आंगन या बालकनी में बैठकर बाग़वानी करें तो त्वचा की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। धूप और उसकी तपन से बचने के लिए हल्के कपड़े पहनें जो त्वचा को पूरी तरह से ढक सकें। सनस्क्रीन लगाना न भूलें। टोपी पहनें ताकि सिर और चेहरा भी सुरक्षित रहे। अगर हो सके तो सूजन की रोशनी से आंखों को बचाने के लिए सनग्लासेस पहनें। हाथों में गार्डनिंग वाले दस्ताने और पैरों में जूते पहनना न भूलें। जूते पहनने से चलने या मुड़ने में आसानी होगी। इसके अलावा शरीर को ठंडा रखने के लिए ठंडे पानी में भीगा तौलिया भी उपयोग कर सकते हैं ताकि शरीर को गर्मी से बचा सकें।

वर्टिकल गार्डन

इस उम्र में अधिक झुकना या सामान उठाना सही नहीं है इसलिए वर्टिकल गार्डन का चुनाव कर सकते हैं। इसमें न तो झुकने की आवश्यकता होगी और न ही बार-बार उठने-बैठने की। खड़े होकर या बैठकर इस पर पौधे लगाए जा सकते हैं। वहीं छोटी-सी ट्रॉली में सारे टूल्स, गमले या मिट्टी रखकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा सकते हैं। इससे काफ़ी सहूलियत रहेगी।

इन बातों का ध्यान रखें

बाग़वानी दिखने में आसान लगती है लेकिन छोटे-छोटे कामों में भी मेहनत लगती है। वहीं इस उम्र में शारीरिक क्षमता घटती जाती है और अधिक आराम की आवश्यकता होती है। इसलिए बगिया के साथ-साथ अपने शरीर और सेहत का ख़्याल भी रखें। बीच-बीच में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। लगातार काम करने के बजाय अंतराल में काम करें। दस मिनट काम करें, फिर कुछ मिनट आराम कर लें। लगातार काम करने की कोशिश करेंगे तो इससे चोट लगने की आशंका हो सकती है। फर्श पर मिट्टी और पानी गिरने से फिसलन हो सकती है इसलिए अधिक चलने के बजाय, बैठकर काम करने की कोशिश करें। साथ ही जूते ऐसे पहनें जिनमें फिसलने की आशंका न हो।

अच्छी आदतें अपनाकर बनें अच्छे पड़ोसी क्या करना चाहिए और क्या नहीं

अक्सर लोग अपनी सुख-सुविधाओं को लेकर इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि आसपास रहने वाले लोगों का ख़्याल तक नहीं रहता। कुछ आदतें हैं जिनमें बदलाव लाकर अच्छे पड़ोसी बन सकते हैं।

ऊंची आवाज़ में संगीत

कभी-कभी लोग ऊंची आवाज़ में गाने सुनते हैं या दोस्तों के साथ पार्टी के दौरान देर रात तक गाने बजाते हैं जिससे आसपास रहने वाले लोगों को दिक़्क़त होती है। हालांकि पड़ोसी होने के नाते वे कई बार इन बातों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। लेकिन जब कभी पड़ोसी इसकी शिकायत करते हैं तो लोगों को लगता है कि वे उनकी आज़ादी छीन रहे हैं। यहां इस बात का ख़्याल रखें कि अपने आनंद के लिए दूसरों को परेशान करना सही नहीं है। यदि सामने वाला भी ऐसा ही व्यवहार करे तो आपको भी समस्या होगी।

फर्नीचर खिसकाना

ये समस्या अक्सर लोगों के साथ आती है कि उनके पड़ोसी रात में या तो फर्नीचर व्यवस्थित करते हैं या फिर किसी तरह की ठोक-पीट करते रहते हैं। अगर आपको फर्नीचर अरेंज करना है या तस्वीर आदि के लिए कीलें ठोकनी हैं तो समय का ख़्याल ज़रूर रखें। ख़ासतौर से तब जब आप फ्लैट में रह रहे हों। यहां छतें व दीवारें साझा होती हैं, जिनसे आवाज़ें आसपास के घरों में जाती हैं।

पार्किंग की समस्या

अक्सर देखने में आता है कि पार्किंग को लेकर पड़ोसियों में बहस होती रहती है। लोग दूसरों के घर के सामने अपनी गाड़ी खड़ी करते हैं। यदि किसी को पसंद नहीं है कि आप उसके घर के बाहर अपनी गाड़ी खड़ी करें तो इस बात को ध्यान में रखें। कोशिश करें कि गाड़ी अपने ही घर के सामने खड़ी करें। कई बार तो लोग दूसरों की पर्सनल पार्किंग तक में अपनी गाड़ी खड़ी कर देते हैं, जो कि ग़लत है। मल्टी में रहते हैं तो निजी पार्किंग ले लें।

बच्चों की शरारतें

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो उन्हें घर के अंदर या फिर पार्क में खेलने के लिए कहें। बच्चे अक्सर पड़ोसी के घर के सामने खेलते हैं, जिस कारण बॉल या कोई खिलौना उनकी छत पर चला जाता है और बच्चे घंटी बजा-बजाकर तंग कर देते हैं। कई बच्चे तो मस्ती में पड़ोसी का दरवाज़ा बाहर से लगा आते हैं तो कभी घंटी बजाकर भाग जाते हैं या फिर क्रिकेट खेलते समय खिड़की के शीशे तोड़ देते हैं, ये बातें झगड़ों का ही नहीं बच्चों में ग़लत आदतों का कारण भी बनती हैं।

पूछताछ करना

कई लोगों की आदत होती है कि वे पड़ोसी के घर में क्या चल रहा है जानने के लिए बहुत उत्सुक रहते हैं। घरों में आने वाले कामगारों से वे पड़ोसी घरों की जानकारी लेते रहते हैं। पड़ोसी को यदि आपकी इस हरकत के बारे में पता चल गया तो आपके रिश्ते हमेशा के लिए ख़राब हो सकते हैं। इसलिए वक़्त रहते इस आदत को बदल डालिए।

सुबह सोकर उठने पर चेहरे पर सूजन के कारण और निवारण

देर रात तक जागने के बाद या फिर नींद पूरी न होने पर जब सुबह उठकर आईने में चेहरा देखते हैं तो कई बार चेहरा काफ़ी पफी यानी सूजा हुआ-सा दिखाई देता है। चेहरे पर आई यह सूजन वॉटर रिटेन्शन(पानी इक्ट्ठा होने) की वजह से हो सकती है। इस स्थिति में शरीर में अतिरिक्त पानी जमा होने लगता है। चेहरे पर सूजन आमतौर पर कुछ दवाओं के रिएक्शन, संक्रमण, रोग, मौसमी एलर्जी, जीवनशैली और अन्य कारणों से हो सकती है।

चिकित्सा संबंधी कारक

रोज़ेशिया... जो लोग रोज़ेशिया से पीड़ित होते हैं उनके चेहरे पर सूजन अधिक रहती है। इसके कारण रक्त वाहिकाएं जो फैलती और सिकुड़ती रहती हैं वह खुल जाती हैं जिसके चलते तरल पदार्थ का रिसाव होने लगता है। चेहरे पर सूजन के साथ लालिमा आ जाती है।

सेल्युलाइटिस... यदि चेहरा फूला होने के साथ-साथ इसमें दर्द व बेचैनी भी महसूस हो, तो यह सेल्युलाइटिस नामक एक गंभीर त्वचा संबंधी जीवाणु संक्रमण हो सकता है। इसमें लालिमा और सूजन आ सकती है। इस स्थिति में तत्काल उपचार कराना चाहिए। अन्य स्वास्थ्य स्थितियां जो चेहरे की सूजन का कारण हो सकती हैं उनमें थायरॉइड रोग, रूमेटाइड अर्थराइटिस, साइनस संक्रमण, सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस(एसएलई) और किडनी रोग शामिल हैं।

स्किनकेयर उत्पाद का रिएक्शन ... यदि आपने हाल ही में अपने स्किनकेयर रुटीन में एक्टिव एलिमेंट्स जैसे अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड , रेटिनॉल आदि के साथ कुछ नए उत्पाद शामिल किए हैं तो यह सूजन का कारण हो सकता है। जब ये एक्टिव एसिड और एक्सफोलिएटर आपके मुंह या आंखों के आसपास की नाज़ुक त्वचा के बहुत क़रीब पहुंच जाते हैं, तो इस वजह से भी सूजन आ सकती है। इन उत्पादों को रोज़ाना लगाने के बजाय सप्ताह में केवल एक बार लगाएं। फिर धीरे-धीरे दिन बढ़ाते हुए इस्तेमाल करें, जिससे त्वचा को इनकी आदत हो जाएगी।

जीवनशैली संबंधी कारक

बहुत कम या बहुत अधिक सोना... पर्याप्त नींद न लेने से या बहुत अधिक नींद लेने से शरीर में जितना भी तरल पदार्थ है वो एक जगह जमा हो सकता है जिसकी वजह से चेहरे पर सूजन नज़र आ सकती है। ग़लत तरीक़े से तकिए का इस्तेमाल करने से भी यह समस्या हो सकती है।

बिना मेकअप निकाले सो जाना... देर रात किसी पार्टी से आने के बाद थकान की वजह से मेकअप बिना निकाले सो जाने से कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस नामक त्वचा का रिएक्शन हो सकता है, जिससे चेहरे और आंखों में लालिमा, जलन या सूजन आ सकती है। अधिकांश मामले गंभीर नहीं होते हैं, लेकिन आंखों में सूजन या आंखें खोलने में परेशानी होने पर स्थिति चिंताजनक हो सकती है। ऐसी स्थिति में चिकित्सकीय परामर्श लेने की आवश्यकता होती है। इसलिए सोने से पहले मेकअप उतारना कभी नहीं भूलें।

खाद्य पदार्थ या नशे का असर... अनियमित खानपान भी चेहरे पर सूजन की वजह बन सकता है। यदि रात में अत्यधिक नमक का सेवन ख़ासकर प्रोसेस्ड फूड्स जैसे चिप्स, जंक फूड का सेवन करते हैं तो चेहरे के टिशू में पानी जमा हो जाता है जिसकी वजह से सुबह-सुबह चेहरा सूजा हुआ दिखता है। साथ ही बहुत अधिक शराब पीने से व्यक्ति को अधिक यूरिन आती है, जिसके कारण हल्का निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) हो सकता है। इस स्थिति में प्रतिक्रिया स्वरूप शरीर जितना संभव हो उतना पानी बनाए रखने की कोशिश करता है, जिससे चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर सूजन आ जाती है।

बचाव के तरीक़े

चेहरे की सूजन को रोकना हमेशा संभव नहीं हो सकता है, लेकिन कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं-

* अधिक सोडियम युक्त आहार जैसे जंक फूड के सेवन से विशेष रूप से देर शाम या रात में बचें।

* फाइबर युक्त आहार जैसे अलसी, बादाम, अनार, सूखा अंजीर, गेहूं का चोकर, बाजरा, अंकुरित अनाज आदि का सेवन करें। * रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट जैसे मैदा, पास्ता, सफेद शक्कर, डोनट, पेस्ट्री, केक, मिठाइयां, सोडा, बिस्किट, व्हाइट ब्रेड आदि से परहेज़ करें।

* देर रात खाने से बचें, खाने के तुरंत बाद न सोएं।

*कोशिश करें कि पीठ के बल सोएं। * दिन और रात में हाइड्रेट रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। * अल्कोहॉलिक पदार्थों से परहेज़ करें।

* एलर्जी रिएक्शन के लिए नए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का पैच टेस्ट करें।

अगर इन उपायों के बाद भी सूजन न जाए तो तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

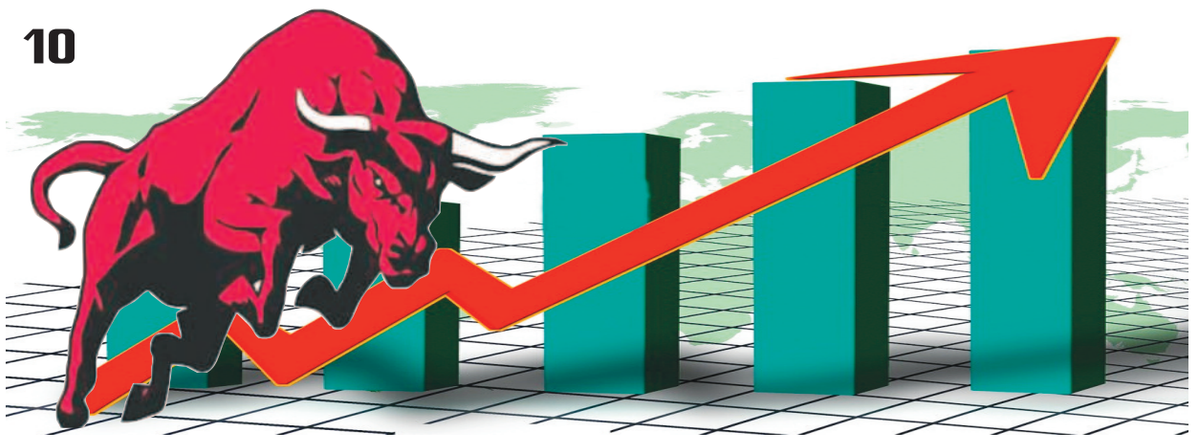

भारतीय बाजार में चार दिनों से जारी तेजी थमी

सेंसेक्स 224 अंक फिसला, निफ्टी 18004 पर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बुधवार को सेंसेक्स 224 अंक लुढ़ककर 60347 अंकों पर तो निफ्टी 66 अंक कमजोर होकर 18004 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इससे पहले ग्लोबल बाजार में मंदी के संकेतों के बीच सेंसेक्स लगभग एक हजार अंक टूटकर खुला था।

भारतीय बाजार में पिछले चार दिनों से जारी तेजी थम गई है। बुधवार को सेंसेक्स 224 अंक लुढ़ककर बंद हुआ। निफ्टी में भी 66 अंकों की कमजोरी आई। राहत की बात यह रही कि बाजार दिन के निचले स्तरों से रिकवरी करता नजर आया। बुधवार को सेंसेक्स 224 अंक लुढ़ककर 60347 अंकों पर तो निफ्टी 66 अंक कमजोर होकर 18004 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इससे पहले ग्लोबल बाजार में मंदी के संकेतों के बीच सेंसेक्स लगभग एक हजार अंक टूटकर खुला था।

बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और मेटल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से संभला बाजार

हालांकि उसके बाद बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और मेटल शेयरों में खरीदारी से बाजार में 950 अंकों तक की रिकवरी देखी गई। बुधवार (14 सितंबर) के कारोबारी सेशन में इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील के शेयर टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे जबकि इंफोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, एलटी और एचडीएफसी लाइफ जैसे शेयर टॉप लूजर्स की श्रेणी में शामिल रहे।

ट्विटर डील को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी

एलन मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में दिया था ऑफर, फिर कैंसिल किया

वॉशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया दिग्गज ट्विटर के शेयरहोल्डर्स ने 13 सितंबर को 44 बिलियन डॉलर (करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए) डील को मंजूरी दे दी। ट्विटर के अधिकांश शेयरधारकों ने 54.20 डॉलर प्रति शेयर के बायआउट प्रपोजल के पक्ष में वोट किया। कंपनी के सैन फ्रांसिस्को हेडक्वार्टर में इन्वेस्टर्स के साथ एक शॉर्ट कॉन्फ्रेंस कॉल में ये फैसला लिया। कंपनी ने ये डील अरबपति टाइकून एलन मस्क के साथ की थी। हालांकि, मस्क ने स्पैम अकाउंट की गलत जानकारी का हवाला देते हुए डील कैंसिल कर दी थी। ऐसे में ट्विटर इसे लेकर कोर्ट पहुंच गया। 17 अक्टूबर से अमेरिका के डेलावेयर कोर्ट में सुनवाई शुरू होनी है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज तय करेंगे कि मस्क को कंपनी खरीदनी है या नहीं।

शेयरहोल्डर्स की मंजूरी के क्या है मायने?

शेयरहोल्डर्स की मंजूरी का मतलब है कि ट्विटर अब एलन मस्क को कोर्ट में कंपनी खरीदने के लिए मजबूर करने की पूरी कोशिश करेगा। शेयरधारकों की इसके लिए हरी झंडी मिल गई है। यहां हम आपको ये भी बता दें कि ट्विटर की वैल्यू वर्तमान में करीब 32 बिलियन डॉलर (करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए) है, जो मस्क के 44 बिलियन डॉलर के ऑफर से काफी कम है।

डील कैंसिल करने के बाद मस्क ने किया था ट्वीट

मस्क ने इस डील को कैंसिल करने के बाद एक ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने चार इमेज लगाईं थी और एक तरह से डील का मजाक उड़ाया था। इन तस्वीरों के जरिये उन्होंने कहा, "मैं ट्विटर नहीं खरीद सकता। फिर उन्होंने बॉट अकाउंट की जानकारी नहीं दी। अब वो ट्विटर खरीदने के लिए मुझसे जबरदस्ती कर रहे हैं। अब उनको बॉट अकाउंट की जानकारी कोर्ट में देनी होगी।

मस्क को उल्लंघन से रोकने के लिए केस

ट्विटर ने कहा था, हम यह एक्शन इसलिए ले रहे हैं, ताकि मस्क को आगे किसी भी उल्लंघन से रोका जाए और मस्क को इस डील को पूरा करने को कहा जाए। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि मस्क ने मर्जर एग्रीमेंट की कई शर्तों को तोड़ा है। यह भी आरोप लगाया गया है कि इस पूरे प्रकरण से ट्विटर के बिजनेस और छवि को नुकसान पहुंचा है।

एलन मस्क ने 14 अप्रैल को 43 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदने का ऑफर दिया था। मस्क ने कहा था कि ट्विटर में निवेश शुरू करने से एक दिन पहले के भाव से 54% प्रीमियम पर 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से 100% हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश कर रहा हूं। यह ऑफर मेरा सबसे अच्छा और आखिरी ऑफर है और यदि इसे स्वीकार नहीं किया जाता है, तो मुझे एक शेयरधारक के रूप में अपनी स्थिति पर पुनर्विचार करने की जरूरत होगी। मस्क के पास ट्विटर की 9.2% हिस्सेदारी है। 4 अप्रैल को इसकी जानकारी सामने आई थी। मस्क ने भले ही शुरुआती फाइलिंग में 43 अरब डॉलर का ऑफर दिया था, लेकिन ट्विटर की डील को मंजूरी के बाद ये आंकड़ा 44 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में मस्क ने कहा कि स्पैम अकाउंट की सही जानकारी नहीं होने के कारण वह डील को कैंसिल कर रहे हैं। अब ट्विटर चाहता है कि वो इस डील को पूरा करें। इसके लिए वो कोर्ट भी पहुंच गया है।

सोने-चांदी में गिरावट

सोना गिरकर 50 हजार के करीब आया, चांदी भी 56 हजार पर आई

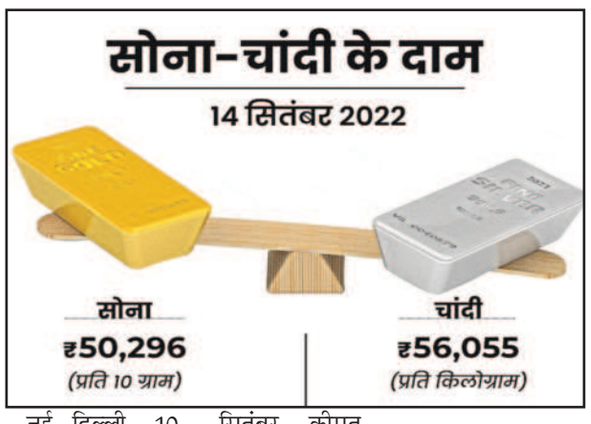

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बुधवार को भी इनकी कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते सोना फिसलकर 50 हजार के करीब आ गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 14 सितंबर को सर्राफा बाजार में सोना 380 रुपए सस्ता होकर 50,296 रुपए पर आ गया है। वहीं, वायदा बाजार, यानी एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे सोना 112 रुपए की गिरावट के साथ 50,026 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	50,296
23	50,095
22	46,071
18	37,722

फिर 56 हजार पर आई चांदी

चांदी में आज बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते चांदी फिर 56 हजार पर आ गई है। सर्राफा बाजार में ये 1,215 रुपए सस्ती होकर 56,055 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे ये 396 रुपए कमजोर होकर 56,415 रुपए पर ट्रेड कर रही थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1,700 डॉलर पर आया सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना 1,700.68 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 19.32 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

त्योहारी सीजन में देखने को मिल सकती है तेजी

अभी पितृ पक्ष चल रहे हैं। इस दौरान सभी प्रकार के मांगलिक, वैवाहिक और अन्य शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। ऐसे में इससे सोना-चांदी की मांग में कमी आ जाती है। वहीं इसके बाद नवरात्रि के साथ त्योहारी सीजन में सोना-चांदी की मांग बढ़ेगी। इससे इसके दामों में भी तेजी देखने को मिल सकती है।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

52 वीक के हाई पर एसबीआई का स्टॉक

एक्सपर्ट को भरोसा- अभी और चढ़ेगा भाव, मार्केट कैप 5 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आपको बता दें कि बुधवार को एसबीआई का स्टॉक प्राइस 574.75 रुपये के स्तर तक गया। कारोबार के अंत में स्टॉक का भाव 571.60 रुपये रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले 2.39% की बढ़ोतरी को दिखाता है। 52 वीक के हाई पर SBI का स्टॉक, एक्सपर्ट को भरोसा- अभी और चढ़ेगा भाव, मार्केट कैप 5 लाख करोड़ के पार

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 5 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटल को पार कर लिया है। एसबीआई यह मुकाम हासिल करने वाला तीसरा बड़ा बैंक है। इससे आगे अब एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक है।

52 वीक हाई पर स्टॉकः बुधवार को एसबीआई का स्टॉक प्राइस 574.75 रुपये के स्तर तक गया। कारोबार के अंत में स्टॉक का भाव 571.60 रुपये रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले 2.39% की बढ़ोतरी को दिखाता है। वहीं, मार्केट कैपिटल 5.10 लाख करोड़ रुपये है। बता दें कि एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप लगभग 8.48 लाख करोड़ और 6.40 लाख करोड़ रुपये पर है। क्या कहते हैं एक्सपर्टः ब्रोकरेज जेएम फाइनेंशियल ने एसबीआई के स्टॉक को 'बाय' रेटिंग दी है। बीते 11 सितंबर को एक नोट में कहा, ₹हम लगातार बेहतर प्रदर्शन देख रहे हैं। बैंक ने पिछले 5 वर्षों में अपनी संपत्ति/देयता बाजार हिस्सेदारी की रक्षा की है। ब्रोकरेज ने एसबीआई के लिए 660 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है, जो मौजूदा बाजार मूल्य से 15 फीसदी ऊपर का संकेत देता है।

साल-दर-साल आधार पर, एसबीआई के शेयरों में 14 सितंबर तक 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। वहीं, सेंट्रम ब्रोकिंग में एवीपी-डेरिवेटिव एंड टेक्निकल रिसर्च चार्टिस्ट नीलेश जैन भी 600 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ एसबीआई को खरीदने की सलाह दी है।

अडानी ग्रुप करेगा इस रियल्टी कंपनी को मर्ज, डील के बाद बदलेगा नाम

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। खबर है कि अरबपति गौतम अडानी की लग्जरी आवासीय और कमर्शियल प्रॉपर्टी अडानी रियल्टी मुंबई स्थित डीबी रियल्टी के साथ मर्ज हो सकती है।

गौतम अडानी भारत के सबसे बड़े रियल एस्टेट डील करने जा रहे हैं। खबर है कि अरबपति गौतम अडानी की लग्जरी आवासीय और कमर्शियल प्रॉपर्टी अडानी रियल्टी मुंबई स्थित डीबी रियल्टी के साथ मर्ज हो सकती है। इसके लिए दोनों कंपनियों में बातचीत चल रही है। हिन्दु बिजनेसलाइन की खबर के मुताबिक, अडानी रियल्टी मुंबई की डीबी रियल्टी के साथ मर्जर पर बातचीत कर रही है और अगर यह डील हो जाती है तो डीबी रियल्टी का नाम बदलकर अडानी रियल्टी कर दिया जाएगा। बता दें कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा रियल्टी सौदा हो सकता है।

डीबी रियल्टी के शेयरों में लगा अपर सर्किट

बता दें कि इस डील की खबर मीडिया में आते ही पिछले दो कारोबारी दिन से डीबी रियल्टी का शेयर अपर सर्किट को हिट कर रहा है। आज बुधवार को कंपनी के शेयर 5% अपर सर्किट के साथ 98.75 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयर अपर सर्किट में रहे थे। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 12.79% चढ़ा है। इस साल वईटीडी में यह शेयर 101.94% और पिछले एक साल में यह शेयर 228.62% चढ़ गया है।

डीबी रियल्टी के बारे में जानें?

डीबी रियल्टी के पास 100 मिलियन वर्ग फुट और 628 एकड़ से अधिक की प्रमुख संपत्ति है। इस कंपनी की संपत्ति ज्यादातर मुंबई में है। मर्जर डील पूरी होने के बाद अडानी रियल्टी को एक्सचेंजों पर लिस्ट करने में सुविधा होगी। डीबी रियल्टी में विनोद गोयनका परिवार, बलवा परिवार और कुछ अन्य लोगों के नेतृत्व में प्रमोटरों ने कंपनी में करीब 69 फीसदी हिस्सेदारी रखी है।

राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का शेयर

लेट राकेश झुनझुनवाला (जिनका पिछले महीने निधन हो गया) और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास 30 जून, 2022 तक कुल मिलाकर 50,00,000 लाख इक्विटी शेयर या कंपनी में 1.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण चाय का उत्पादन घटेगा, भारत कर सकता है इसकी भरपाई

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में सालाना लगभग 110 से 120 मिलियन किलोग्राम परंपरागत चाय का उत्पादन होता है जबकि श्रीलंका में 300 मिलियन किलोग्राम होता है।टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया कहा है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण उसके परंपरागत चाय उत्पादन में गिरावट आई है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण चाय उत्पादन में आई कमी की भरपाई भारत कर सकता है। टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से यह बात कही गई है। टीएआई के महासचिव पीके भट्टाचार्य ने कहा कि भारतीय चाय बागान मालिकों की ओर से उत्पादित पारंपरिक किस्म की कीमतों में वृद्धि से यह बात साबित होती है। चाय के ऑक्शन प्रक्रिया में लगभग 75 रुपये से 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत में सालाना लगभग 110 से 120 मिलियन किलोग्राम परंपरागत चाय का उत्पादन होता है जबकि श्रीलंका में 300 मिलियन किलोग्राम होता है। भट्टाचार्य ने कहा है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण उसके परंपरागत चाय उत्पादन में गिरावट आई है।

टीएआई की ओर से कहा गया है कि जुलाई 2022 तक श्रीलंका में परंपरागत चाय का उत्पादन 2021 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत गिर गया। मीडिया से बातचीत में भट्टाचार्य ने कहा है कि यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो श्रीलंका में पारंपरिक चाय के उत्पादन में लगभग 100 मिलियन किलोग्राम की कमी आ सकती है जिसकी भरपाई भारतीय उत्पादक कर सकते हैं।

भारतीय निर्यातक यूएई और ईरान के बाजारों में भी अपनी पहुंच बनाने में सक्षम हैं जो प्रमुख रूप से परंपरागत चाय के उपभोक्ता देश हैं। टीएआई ने कहा है कि जुलाई 2022 तक भारतीय चाय के निर्यात में लगभग नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई और इस पूरे वर्ष के दौरान चाय का कुल निर्यात 20 करोड़ किलोग्राम तक हो सकता है। सीआईएस देशों के बाद यूएई भारतीय चाय का एक प्रमुख उपभोक्ता है।

इसने जनवरी से जून के दौरान 15.86 मिलियन किलोग्राम का आयात किया है जबकि एक साल पहले की अवधि में यह आंकड़ा 6.76 मिलियन किलोग्राम था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार ईरान ने इस अवधिक के दौरान 11.43 मिलियन किलोग्राम चाय का आयात किया जबकि 2021 की इसी अवधि में यह 10.04 मिलियन किलोग्राम था।

इस साल अब तक 51 आईपीओ से आए 38,155 करोड़

इनका औसत रिटर्न 50%, बीते साल अगस्त तक 55 कंपनियों ने जुटाए थे 64,768 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कैलेंडर वर्ष 2022 प्राइमरी मार्केट के लिए निराशाजनक रह सकता है। इस साल अब तक आए आईपीओ की संख्या में सालाना आधार पर कमी आई है, लेकिन रिटर्न के मामले में इन आईपीओ से निवेशकों ने बेहतर कमाई की है। 2022 में अब तक IPO ने औसतन 50% रिटर्न दिया है, जबकि सेंसेक्स महज 1.6% चढ़ा है। इस साल अब तक आए 51 आईपीओ से कंपनियों ने कुल 38,155 करोड़ रुपए जुटाए हैं, हालांकि पिछले साल इसी अवधि में 55 आईपीओ से कंपनियां 64,768 करोड़ जुटा चुकी थीं।

इस साल सबसे बड़ा आईपीओ एलआईसी का

पिछले साल की तुलना में 2022 में अब तक सिर्फ आठ आईपीओ ऐसे आए हैं जिन्हें आकार में बड़ा कहा जा सकता है। इनमें से एलआईसी का आईपीओ सबसे बड़ा 15,381 करोड़ रुपए का रहा, लेकिन यह रिटर्न देने के मामले में खराब प्रदर्शन करने वालों में शुमार है। 33 अन्य कंपनियों के आईपीओ 1,000 करोड़ से ज्यादा के रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा की इकोनॉमिस्ट दीपान्विता मजूमदार के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है।

2021 में सेंसेक्स में 20% तेजी के मुकाबले आईपीओ ने 74% रिटर्न दिया

विश्लेषण रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 के दौरान सेंसेक्स में 20% तेजी के मुकाबले आईपीओ ने 74% रिटर्न दिया, लेकिन 1,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि वाले 16 बड़े आईपीओ के शेयर फिलहाल डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष 2021 में कुल 99 आईपीओ आए थे। इनके जरिए कंपनियों ने 1,21,680 करोड़ रुपए की पूंजी बाजार से जुटाई थी।

आज से हर्ष इंजीनियर्स इंटरनेशनल के आईपीओ में निवेश का मौका

हर्ष इंजीनियर्स इंटरनेशनल का आईपीओ आज यानी 14 सितंबर को खुलने के बाद सब्सक्राइब करने के लिए 16 सितंबर तक उपलब्ध रहेगा। हर्ष इंजीनियर्स इंटरनेशनल ने आईपीओ के लिए 314 से 330 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ का साइज 755 करोड़ रुपए है।

एचडीएफसी का 'फेस्टिव ट्रीट ऑफर'

होम लोन की प्रोसेसिंग फीस पर 75% की छूट, ऑफर 31 अक्टूबर तक वैलिड

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। फेस्टिवल सीजन आते ही बैंक और प्राइवेट कंपनियां मार्केट में नए ऑफर ले आती हैं। एचडीएफसी बैंक भी अपने कस्टमर्स के लिए 'फेस्टिव ट्रीट्स ऑफर' लाया है। बैंक ने होम लोन, शॉपिंग और बैंकिंग सर्विसेज पर डिफरेंट डिस्काउंट ऑफर किए हैं। एचडीएफसी सरकारी कर्मचारियों को होम लोन्स की प्रोसेसिंग फीस में 75% तक की छूट देगा। 50 लाख या उससे ज्यादा का होम लोन लेने पर कस्टमर इस ऑफर का फायदा उठा सकेंगे।

जिन सरकारी कर्मचारियों का क्रेडिट स्कोर 800 से ज्यादा होगा, वे ही इस ऑफर का फायदा उठा सकेंगे। एचडीएफसी के बेंचमार्क रेट के आधार पर ही लोन पर इंटरेस्ट रेट लगेगा।

लोन का टाइम बढ़ने पर बैंक के हिसाब से इंटरेस्ट रेट चेंज होंगे। फेस्टिव ट्रीट ऑफर 31 अक्टूबर 2022 तक ही वैलिड रहेगा। सरकारी कर्मचारियों को इस तारीख तक बैंक जाकर फॉर्मेलिटी पूरी करनी होगी। होम लोन्स के अलावा एचडीएफसी बिजनेस लोन की प्रोसेसिंग फीस में भी 50% तक की छूट दे रहा है। बैंक ने टू-व्हीलर, कार, गोल्ड, हेल्थ समेत अन्य कई लोन पर भी इंटरेस्ट रेट कम कर दिए हैं। फेस्टिवल सीजन आते ही एचडीएफसी समेत कई बैंक अपने कस्टमर्स के लिए डिफरेंट डिस्काउंट ऑफर लाते हैं।

पिछले साल एचडीएफसी ने पर्सनल लोन, एक्सप्रेस कार लोन, होम लोन, बिजनेस लोन, टू-व्हीलर लोन, क्रेडिट कार्ड पर लोन, गोल्ड लोन, पुरानी कार के लिए लोन जैसे तमाम तरह के लोन्स पर 10,000 से ज्यादा ऑफर्स निकाले थे।

देश के निर्यात में मामूली बढ़त

पर व्यापार घाटा बढ़कर दोगुने से ज्यादा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। इस महीने में निर्यात 1.62% बढ़कर 33.92 अरब डॉलर हो गया है। इस दौरान देश का व्यापार घाटा दोगुने से ज्यादा बढ़कर 27.98 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। बता दें कि अगस्त 2021 में व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में इस बात की पुष्टि की गई है। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बुधवार (14 सितंबर) को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए।

इन आंकड़ों के अनुसार अगस्त में देश का आयात 37.28 फीसदी बढ़कर 61.9 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्तीय 2022-23 के अप्रैल से अगस्त महीनों के दौरान देश के निर्यात में 17.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 193.51 बिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुंच गया। वहीं इन पांच महीनों की अवधि में आयात 45.74 प्रतिशत बढ़कर 318 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 124.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 53.78 अरब डॉलर था।

510 तक जा सकता है टाटा ग्रुप का यह शेयर

एक्सपर्ट ने कहा अभी दांव लगाने वालों को तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप शेयर बाजार में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आप टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर पर नजर रख सकते हैं। अगर आप शेयर बाजार में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आप टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर पर नजर रख सकते हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय से टाटा मोटर्स के शेयरों में बिकवाली चल रही हैं। बावजूद एक्सपर्ट इसे खरीदारी का मौका बता रहे हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक, टाटा मोटर्स के शेयर जल्द ही उड़ान भर सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म प्रभुदास लीलाधर की हालिया तकनीकी रिचर्स रिपोर्ट के अनुसार, राकेश झुनझुनवाला के स्वामित्व वाला यह ऑटो स्टॉक बॉटम आउट हो गया है और एक पुलबैक के लिए तैयार दिख रहा है।

ब्रोकरेज का कहना है कि टाटा मोटर्स के शेयर पुल बैक रैली के लिए तैयार हैं और स्टॉक ने हाल ही में 50 डीएमए और 200 डीएमए बाधाओं को पार किया है और स्टॉक अल्पावधि में 510 तक जा सकता है।

टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत आज लगभग 450 रुपये के स्तर पर है, जिसका मतलब है कि ब्रोकरेज इस राकेश झुनझुनवाला स्टॉक में अल्पावधि में 13 प्रतिशत से अधिक की तेजी की उम्मीद कर रहा है।

अप्रैल से जून 2022 तिमाही के लिए टाटा मोटर्स के शेयरधारिता पैटर्न के अनुसार, लेट राकेश झुनझुनवाला के पास 3,62,50,000 शेयर थे, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का लगभग 1.12 प्रतिशत था।

पायलट-चांदना की लड़ाई में पर्दे के पीछे कोई और

गुर्जर समाज में चांदना को पायलट के मुकाबले बड़ा नेता बनाने की रणनीति

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पुष्कर की सभा में जूता उछाल कांड के बाद खेल मंत्री अशोक चांदना पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर खुलकर हमले कर रहे हैं। पहली बार सचिन पायलट पर गहलोत सरकार का कोई मंत्री इस अंदाज में निशाना साध रहा है।

राजनीतिक जानकार इसके पीछे सियासी कारण बता रहे हैं। साथ ही अब यह लड़ाई और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। इसे अशोक गहलोत खेमे की तरफ से लड़ी जाने वाली लड़ाई से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

पायलट को लेकर चांदना की तल्खी की सियासी कई वजह हो सकती हैं। वे दोनों गुर्जर समाज से आते हैं। पायलट परिवार का राजस्थान और पड़ोसी राज्यों गुर्जर समाज में बड़ा प्रभाव है। इसका फायदा सीधे तौर पर सचिन पायलट को मिला। पायलट के मुकाबले चांदना गुर्जर समाज में प्रभाव के मामले में अभी जूनियर माने जाते हैं।

यूथ कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहने से लेकर आंदोलन करने के कारण प्रदेश भर में चांदना की पहचान जरूर है, लेकिन पायलट की सियासी लकीर बड़ी है। बताते हैं कि अब पायलट विरोधी खेमा चांदना की लकीर को बड़ा करने के प्रयास में है। इसलिए गहलोत और पायलट के खेमों की लड़ाई के बीच चांदना की एंट्री हुई है।

गुर्जर समाज में चांदना को बड़ा नेता बनाने की मुहिम

जूता उछाल घटना के बाद कांग्रेस में पायलट विरोधी घड़ा लगातार आक्रामक है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चांदना को अब पायलट विरोधी खेमा गुर्जर समाज में बड़ा नेता बनाने की मुहिम पर काम कर रहा है। पायलट विरोधी धड़े की रणनीति जुझारू चेहरे के तौर पर अशोक चांदना को गुर्जर समाज में बड़े नेता के तौर पर स्थापित करने की है।

गुर्जर समाज में पायलट के बराबर नेता तैयार करने की रणनीति पर काम चल रहा है। पायलट फैक्टर को बैलेंस करने के लिए गहलोत सरकार में गुर्जर समाज से अशोक चांदना के बाद शकुंतला रावत को कैबिनेट मंत्री बनाया गया।

पायलट फैक्टर के कारण 2018 में बीजेपी से कोई गुर्जर विधायक नहीं बना

पिछले विधानसभा चुनावों में सचिन पायलट के सीएम बनने के पर्सेप्शन से गुर्जर वोटों का कांग्रेस को जबरदस्त फायदा मिला था। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि गुर्जर समाज के एकतरफा वोट कांग्रेस को मिले थे। इसका नतीजा यह हुआ कि बीजेपी से एक भी गुर्जर विधायक नहीं जीता और कांग्रेस के गुर्जर समाज से आठ विधायक बने।

गुर्जर पहले बीजेपी की तरफ रुझान रखते थे, लेकिन पायलट फैक्टर से नरेटिव बदला। गुर्जर समाज के वोटर्स पर सामाजिक तौर पर पकड़ बनाने के मकसद से अब लकीर बड़ी करने की लड़ाई शुरू हो गई है।

चांदना-पायलट ने साथ-साथ लाठियां खाई, सरकार बनते मतभेद, अब मनभेद तक बात आई

सचिन पायलट जब प्रदेशाध्यक्ष बनकर आए उस वक्त अशोक चांदना यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष होने के अलावा कांग्रेस के 21 विधायकों में से सबसे युवा विधायक थे। उस वक्त चांदना और पायलट के रिश्ते सहज थे। विपक्ष में रहते हुए यूथ कांग्रेस ने जब भी बड़ा प्रदर्शन किया उसमें सचिन पायलट जरूर रहते थे।

किसानों के मुद्दों को लेकर बीजेपी राज में मार्च 2015 में विधानसभा पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज में सचिन पायलट, अशोक चांदना और उस समय के राजस्थान यूथ कांग्रेस के इंचार्ज और पंजाब के मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंन्दर सिहं राजा वड़िंग भी घायल हुए थे। चांदना और पायलट ने साथ साथ लाठियां खाईं। बीजेपी राज में किसानों के मुद्दों को लेकर दिल्ली में कांग्रेस की रैली और प्रदर्शन में सचिन पायलट ने चांदना की युवा विधायक के तौर पर संघर्ष और मेहनत की भी जमकर तारीफ की थी। विपक्ष तक तो सब ठीक रहा, लेकिन कांग्रेस सरकार बनते ही दूरियां बन गईं और बाद में मतभेद मनभेद में बदल गए। दो साल पहले सियासी संकट के समय अशोक चांदना सहित गुर्जर समाज के 5 विधायक अशोक गहलोत कैंप के साथ रहे। इसके बाद से चांदना और पायलट के बीच तल्खी बढ़ी हुई है।

सीएम के प्रमुख सचिव तक को निशाने पर ले चुके, स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष से भी विवाद

चांदना ने सीएम के प्रमुख सचिव पर निशाना साधते हुए मई में इस्तीफे तक की पेशकश कर दी थी। चांदना ने सीएम के प्रमुख सचिव को खुद के विभाग सौंपने और जलालत भरे पद से मुक्त करने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री को टैग करते हुए ट्वीट किया था जिस पर खूब चर्चा हुई थी। सीएम ने चांदना की नाराजगी दूर कर उन्हें मना लिया था। चांदना की नाराजगी की असली वजह स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष कृष्णा पूनिया से विवाद था। दोनों के बीच अब भी मतभेद हैं।

पायलट समथर्कों की रणनीतिक चुप्पी, चांदना को महत्व नहीं देने का मैसेज देने की कोशिश

मंत्री अशोक चांदना के सचिन पायलट को सीधी चुनौती और धमकी देने के बावजूद अब तक उनके खेमे से कोई बयान नहीं आया है। पायलट समर्थक किसी भी विधायक और नेता ने चांदना को जवाब नहीं दिया है। बताया जाता है कि पायलट खेमा सियासी रणनीति के तहत चांदना को जवाब नहीं दे रहा। इसके पीछे चांदना को अहमियत नहीं देने का मैसेज देने की कोशिश है।

हाईकमान तक जाएगा मामला, प्रदेश प्रभारी ने लिया ब्योरा, प्रियंका गांधी तक पहुंचाया विवाद

पुष्कर घटनाक्रम और अशोक चांदना के पायलट पर खुला हमला बोलने की घटना की दिल्ली तक चर्चा है।

जल्द इस मामले की रिपोर्ट कांग्रेस हाईकमान को भेजने की तैयारी है। गहलोत और पायलट खेमे अपने अपने हिसाब से हाईकमान तक मामला पहुंचाने की कोशिश में है।

ओवैसी ने जयपुर के मुस्लिम क्षेत्रों में किया जनसंपर्क

बोले- ज्ञानव्यापी मामले में कोर्ट का फैसला गलत

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। एआईएमआईएम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी राजस्थान के दो दिवसीय के तहत राजधानी जयपुर के हवामहल विधानसभा से सीधे भट्टा बस्ती पहुंचे। बड़ी तादात में समर्थकों ने ओवैसी का स्वागत किया। ओवैसी ने मस्जिद आयेशा में नमाज पढ़ी। ओवैशी ने किशनपोल में भी जनसंपर्क किया। मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि राजस्थान में उनकी पार्टी बहुत अच्छा काम कर रही है। कितनी सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। इसकी घोषणा जल्द कर दी जाएगी। चुनाव में महिला प्रत्याशियों को भी टिकट दिया जाएगा। ओवैसी ने गहलोत सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताया। ओवैसी शेखावाटी अंचल के सीकर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़ में जनसंपर्क के साथ ही चुनावी जनसभाएं भी करेंगे। ओवैसी के दौरे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले सीकर और उनके विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में भी होंगे। जिससे कांग्रेस गलियारों में भी चिंता बढ़ गई। बताया जा रहा है कि अपने इस चुनावी दौरे के जरिए असदुद्दीन ओवैसी अल्पसंख्यक मतदाताओं को रिझाने का प्रयास करेंगे। चूंकि इन सीटों पर अल्पसंख्यक मतदाता निर्णायक वोटर है।

महिलाओं को एआईएमआईएम हर जगह तवज्जो देगा

असदुद्दीन ओवैसी ने जालूपुरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानव्यापी मामले में कोर्ट का फैसला गलत है। इस फैसले से अब और भी मामले हम लोगों के सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने कई सबूतों को नजरंदाज कर दिया। बाबरी मस्जिद का फैसला आया था तब भी मैंने बोला था कि इस तरह के मामले सामने आएंगे और अब आ भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी हो रहा है सभी लोग अब देख रहे हैं। पीएम मोदी महंगाई और बेरोजगारी को लेकर कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। हम लोग बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं है। हिजाब का जिक्र कुरान में भी किया गया है। महिलाओं को एआईएमआईएम हर जगह तवज्जो देती है। हिजाब पहनने से किसी को परेशानी हो रही है तो हम क्या कर सकते हैं। हिजाब मामले में सुप्रीम कोर्ट का क्या फैसला होता है, बाद में देखा जाएगा।

आरएसएस के केंद्रों की भी जांच होनी चाहिए

ओवैसी ने कहा कि राजस्थान में लीडरशिप पैदा करना हमारा मकसद है। उन्होंने कहा कि मदरसों के अलावा आरएसएस के केंद्रों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब पूरे राजस्थान का दौरा करूंगा। सभी इलाकों में सभाएं होंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा इस बात का एलान जल्द किया जाएगा।

गहलोत के स्वास्थ्य मंत्री ने सचिन पायलट को बताया 'बाहरी'

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में गहलोत कैंप और पायलट कैंप के विधायकों के बीच जुबानी जंग जारी है। पायलट कैंप के हमले के बाद गहलोत कैंप के विधायकों ने पलटवार करन शुरू कर दिया है। सीएम गहलोत के बेहद करीबी माने जाने वाले स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना ने सचिन पायलट का नाम लिए बिना उन्हें बाहरी बताया है। मंत्री परसादी लाल ने पायलट के निर्वाचन क्षेत्र टोंक में कहा कि राजस्थान में सरकार सीएम अशोक गहलोत के जादूगर से ही बची है। उन्होंने कहा कि विधायकों का विश्ववास सीएम गहलोत में है। कोई कुछ भी कहें लेकिन सरकार सीएम गहलोत की वजह से बची है। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल गहलोत कैंप के माने जाते हैं। राजस्थान में चल रही बयानबाजी के बीच परसादी लाल मीना का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। खास बात यह है कि जब परसादी लाल पायलट को बाहरी उम्मीदवार बता रहे थे उस समय सीएम गहलोत मंच पर मौजूद थे। सीएम गहलोत के सामने सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे भी लगे।

बाहरी उम्मीदवारों ने कोई काम नहीं किया

मंत्री परसादी लाल ने मंगलवार को टोंक जिले के निवाई में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल स्पर्द्धा को संबोधित करते हुए कहा- जो बाहर से विधायक बनने यहां आते हैं, हम उनकी आलोचना करते हैं। पहले भी लोग बाहर से यहां चुनाव लड़ने आए, लेकिन उन्होंने यहां धेले का काम नहीं किया। विधायक प्रशांत बैरवा यहां का बच्चा है। इंद्रा मीना बामनवास से और मैं लालसोट से, हम कहीं नहीं जाएंगे। मंत्री परसादी लाल का इशार सचिन पायलट की तरफ था। उल्लेखनीय है सचिन पायलट टोंक से विधायक है। दौसा, अजमेर के सांसद बनने के बाद पायलट ने टोंक जिले से 2018 में विधासनभा का चुनाव लड़ा था। पायलट ने बीजेपी उम्मीदवार यूनुस खान को करीब 50 हजार वोटों से हराया था। चिकित्सा मंत्री ने ईआरसीपी को लेकर गहलोत से कहा कि आप हमारे यहां अन्य विकास कार्य कम कर दीजिए। लेकिन ईआरसीपी के लिए इतना बजट दें कि प्रधानमंत्री मोदी का मुंह बंद हो जाए। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों की जनता आप से यहीं चाहती है।

सचिन पायलट- परसादी लाल मीना की अदावत

स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना पूर्वी राजस्थान के बड़े नेता माने जाते हैं। परसादी लाल दौसा जिले की लालसोट विधानसभा से कई बार विधायक बने हैं। बीजेपी सांसद किरोड़ीलाल मीना से एक बार चुनाव हारने के बाद उनका टिकट काट दिया गया। परसादी के समर्थकों का कहना है कि सचिन पायलट के इशारे पर उन्हें लालसोट से कांग्रेस का टिकट नहीं मिला। परसादी लाल निर्दलीय लड़े और जीते। दौसा जिला राजेश पायलट की कर्मस्थली रहा है। दौसा की राजनीति में परसादी लाल और राजेश पायलट की जोड़ी खूब चर्चा होती है। राजेश पायलट परसादी लाल पर बहुत विश्वास करते थे।

'भारत जोड़ो यात्रा पर बीजेपी को कमेंट की कीमत चुकानी पड़ेगी', बोले सीएम गहलोत

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा बहुत कामयाबी के साथ चल रही है, लोग देखते हैं कि आपके तमिलनाडु में, केरल में सब जगह वो ही रेस्पॉन्स मिल रहा है क्योंकि मुद्दे ऐसे हैं देश के सामने, चाहे महंगाई का हो, चाहे बेरोजगारी का हो, ये तमाम मुद्दे ऐसे हैं, हम चाहते हैं कि प्यार से, मोहब्बत से, सद्भावना से, भाईचारे से लोग रहें आपस के अंदर, तनाव चल रहा है देश के अंदर, हिंसा का माहौल है वो समाप्त होना चाहिए, तो अगर यात्रा का उद्देश्य ही इतना पावन है, तो नेचुरल है कि लोग सब साथ दे रहे हैं, इसीलिए बीजेपी वाले घबराए हुए हैं और वो कोई न कोई कमेंट करते ही रहते हैं, वो उन्हीं के ऊपर उलटा पड़ रहा है, जितना कमेंट करेंगे यात्रा को लेकर, उतना ही उनको कीमत चुकानी पड़ेगी बीजेपी को।

राजस्थान एक मॉडल बन रहा है देश के अंदर

सीएम गहलोत ने राजधानी जयपुर में हिंदी के कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि गुड गवर्नेंस का भी एक कारण है, प्रकृति भी साथ दे रही है, इस बार तो आप देखें कि मानसून बहुत शानदार आया है, वर्षों बाद में इतना शानदार मानसून आया है, तो सब तरह से सुकून मिल रहा है राजस्थान को, सरकार सुशासन दे रही है, चैलेंजेज को स्वीकार कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की, हैल्थ को लेकर राजस्थान एक मॉडल बन रहा है देश के अंदर, वो भी एक कारण है क्योंकि लोगों में एक कॉन्फिडेंस पैदा हो गया कि अगर हमारे पास में तंगी है तब भी हमारा इलाज फ्री होगा, चाहे वो 5 लाख रुपए का, 10 लाख रुपए का. 15 लाख रुपए का, 20 लाख रुपए का, ये कॉन्फिडेंस होना ही बहुत बड़ी बात है, तो ये विश्वास जो पैदा हुआ है राजस्थान के अंदर, शहरी रोजगार मिला है तो उससे लोगों में, कई महिलाएं मुझे मिलीं कि 3-3 बच्चे हमारे हैं साहब, पहली बार घर से निकलकर हम काम करेंगे, तो हर हमारी योजना जो है, वो लोककल्याणकारी योजनाएं भी हैं, ये कोई रेवड़ियां वगैरह नहीं हैं जो प्रचार किया जा रहा है, ये है लोगों को सोशल सिक्योरिटी देने का और हमारी गवर्नमेंट का ध्येय है कि सोशल सिक्योरिटी हर इंसान को मिले जिसको सरकार की जरूरत है, ये मैं कहना चाहता हूं। लंपी बीमारी का टीका बन रहा है सीएम ने कहा कि चाहे वो कोरोना का चैलेंज हो और चाहे गायों की लंपी की बीमारी हो, इसमें पूरी ताकत लगा रहे हैं क्योंकि इसका कोई टीका नहीं अभी तक बना है, दवाइयां नहीं हैं,अब प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा है परसों कि टीका बन रहा है इसका, टीका जल्द ही आए तो लोगों को राहत मिले, तो पूरा प्रयास कर रहे हैं और मैं समझता हूं कि खुशहाली का कारण एक ही है कि जो योजनाएं हमारी हैं बजट की है।

राजस्थान में दो दिन भारी बारिश की चेतावनी

12 से ज्यादा जिलों में होगी बरसात; अब तक 34 फीसदी ज्यादा बरसा पानी

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम का असर दिखने लगा है। पिछले 24 घंटे के दौरान दक्षिण और पश्चिमी राजस्थान के कई हिस्सों में 3 इंच तक बरसात हुई है। प्रदेश में 13 सितंबर तक 34 फीसदी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं, अगले दो दिन के लिए भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटे में डूंगरपुर-बांसवाड़ा समेत कई जगहों पर औसतन 76मिमी से ज्यादा तक बरसात हुई। वहीं, बारां, कोटा, दौसा जिले में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग की ओर से आज और कल के लिए 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। इनमें आज बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, 15 सितंबर को भरतपुर, धौलपुर जिलों में भारी बारिश की संभावना है। जयपुर में भी अगले 12 घंटे में गर्मी से राहत मिलेगी। यहां हल्की बारिश हो सकती है। तेज बारिश के बाद राज्य के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, धौलपुर, उदयपुर, कोटा, सीकर, जयपुर समेत कई शहरों में पारा 35 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। धौलपुर, सवाई माधोपुर में कल दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे रहा।

अगले 12 घंटे में कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग के अजमेर, जयपुर,

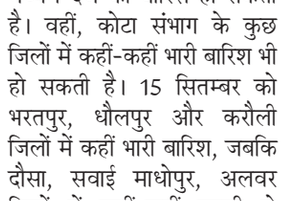

अलवर, धौलपुर ,करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा, भरतपुर, कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं, कोटा संभाग के कुछ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। 15 सितम्बर को भरतपुर, धौलपुर और करौली जिलों में कहीं भारी बारिश, जबकि दौसा, सवाई माधोपुर, अलवर जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

गहलोत बोले- आज भी इंग्लिश नहीं बोल पाता

कहा- नेता अंग्रेजी में बात करे तो टोकता हूं- क्या यहां से जाऊं मैं

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बेबाकी के साथ कहा कि वह आज भी इंग्लिश नहीं बोल पाते और इसको लेकर उन्हें कभी कॉम्प्लेक्स नहीं फील हुआ। मौका था हिंदी दिवस का और सीएम जयपुर के सवाई मानसिंह कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'आज भी टूटी-फूटी इंग्लिश बोल कर काम चला रहा हूं। हिंदी भाषी राज्य के राजनेता भी अंग्रेजी में बात करना शुरू कर देते हैं। अगर मैं वहां होता हूं, तो उन्हें टोक देता हूं। मैं उनसे बोलता हूं कि अगर हिंदी में बात नहीं करोगे तो क्या मैं यहां से जाऊं।'

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव भी मौजूद थे। इसी कार्यक्रम में 12वीं क्लास में टॉप करने वाले प्रदेश के 400 छात्रों को सम्मानित भी किया गया।

मैं उन लोगों में से हूं, जिन्होंने उस वक्त इंग्लिश का विरोध किया था। आज मैं सरकार में हूं तो गांव में इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल रहा हूं। क्योंकि अंग्रेजी इंटरनेशनल भाषा बन गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा- 'आंदोलन होने पर हिंदी, इंग्लिश और लोकल भाषा का फार्मूला 1965 में आया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय की पार्लियामेंट की कमेटी होती है। वह हर राज्य में पता करने जाती है कि हिंदी की कितनी प्रोग्रेस डिपार्टमेंट में हुई है। वह केवल एक फॉर्मेलिटी होती है। वह जाते हैं, मीटिंग करते हैं। उसका कोई मतलब नहीं निकलता। हमारे देश में हिंदी की प्रोग्रेस हुई है। उसका श्रेय बॉलीवुड को जाता है।' गहलोत ने कहा- 'मैं इंग्लिश नहीं बोल पाता हूं। आज भी टूटी-फूटी इंग्लिश बोल कर काम चला रहा हूं। इसमें कोई घबराने की बात नहीं है। मैं 50 साल से ज्यादा राजनीति कर रहा हूं। 42 साल से पार्लियामेंट, तीन बार केंद्रीय मंत्री, 3 बार एआईसीसी का महामंत्री, तीन बार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, तीन बार मुख्यमंत्री बन चुका हूं। कभी इंग्लिश नहीं आने को लेकर कॉम्प्लेक्स फील नहीं किया। मुझे लगता है हिंदी भाषा बोलने वाले ज्यादा अच्छे से भावनाएं व्यक्त कर पाते हैं। आजकल हिंदी भाषी राज्य के राजनेता भी अंग्रेजी में बात करना शुरू कर देते हैं। अगर मैं वहां होता हूं, तो उन्हें टोक देता हूं। मैं उनसे बोलता हूं कि अगर हिंदी में बात नहीं करोगे तो क्या मैं यहां से जाऊं।'

भारत-पाक सीमा पर होगी बीटिंग रिट्रीट

खाजूवाला में 25 सितम्बर से बीटिंग रिट्रीट शुरू होगी, ट्यूरिस्ट देखेंगे बीएसएफ का शौर्य

बीकानेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के वाघा बार्डर की तर्ज पर बीकानेर के खाजूवाला में बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी शुरू होने जा रही है। खाजूवाला में बीएसएफ के परेड ग्राउंड में 25 सितंबर से इस अनूठे आयोजन की शुरुआत के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने तैयारियां शुरू कर दी है।

खाजूवाला के राजीव सर्किल चौराहे के नजदीक बने बीएसएफ परेड ग्राउंड में होने वाली बीटिंग रिट्रीट में पर्यटक भी हिस्सा ले सकेंगे। पर्यटकों के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की जा रही है। ये परेड भी वाघा बॉर्डर की तरह भव्य होगी। वाघा बॉर्डर और खाजूवाला बॉर्डर की बीटिंग रिट्रीट में सिर्फ इतना अंतर होगा कि यहां पाकिस्तानी रेंजर्स नहीं होंगे। इस परेड में सीमा प्रहरी अपनी शक्ति के कई करतब भी दिखाएंगे। बीएसएफ की महिला जवान जहां हथियारों के साथ परेड करती नजर आएगी, वहीं ऊंट पर पहरा देते जवान भी यहां दिखेंगे।

असदुद्दीन ओवैसी हिजाब विवाद पर फिर बोले- महिलाएं सिर पर पर्दा रखती हैं, दिमाग पर नहीं

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हिजाब विवाद के बीच ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि महिलाएं सिर पर पर्दा रखती हैं, दिमाग पर नहीं। उन्होंने आज राजस्थान में यह बयान दिया है। ओवैसी ने कहा, "हिजाब मुसलमानों के लिए एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है। संस्कृति की अभिव्यक्ति है। अगर सरकारी स्कूल अन्य धार्मिक प्रतीकों की अनुमति दे रहे हैं, तो हिजाब को क्यों नहीं। यह महिलाओं का भी अधिकार है। महिला हिजाब अपने सिर पर रखती है, दिमाग पर नहीं।" आपको बता दें कि कुछ महीनों पहले कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पहनी लड़कियों को कक्षा में जाने से रोक दिया गया था। इसके बाद इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार तक इस मामले पर सुनवाई पूरी करने के लिए भी कहा है।

जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की पीठ ने सोमवार को वकीलों से कहा कि वह 16 सितंबर अपनी दलीलें पूरी कर लें। उसके बाद राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।

मंत्री गोविंद मेघवाल बोले- गहलोत की सूझबूझ से सरकार बची

वे नहीं होते तो हालत खराब हो जाती, उन्हीं के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बीच अब गहलोत खेमे के मंत्रियों ने खुलकर उनके पक्ष में बयानबाजी शुरू कर दी है। आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने अशोक गहलोत को एक विचारधारा बताया है। उन्होंने कहा- गहलोत साहब नहीं होते तो हमारी हालत खराब हो जाती। हम आज मंत्री नहीं बनते। यह सारी गहलोत की सूझबूझ है, जिसकी वजह से सरकार बची। गहलोत पूरे राजस्थान में एकता कायम कर रहे हैं। अशोक गहलोत अपने आप में एक विचारधारा हैं। गहलोत ने कोरोना में शानदार मैनेजमेंट किया। आज गहलोत के राज में जनता के कल्याण की एक से एक योजनाएं चल रही हैं। हम ऐसे नेता के नेतृत्व में आगे चलेंगे। मेघवाल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

हिन्दी दिवस के मौके पर कई शिक्षक, छात्र व लेखक सम्मानित

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी दिवस के मौके पर कई शिक्षकों, लेखकों, छात्रों व हिंदी सेवियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैंसर की बीमारी से जुड़ी डॉ. सचिन मर्दा की पुस्तक 'आई एम अनस्टापेबल' के हिन्दी संस्करण का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में कैंसर की बीमारी से जुड़े सारे तथ्यों को विस्तार से बताया गया है। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा एवं तेलंगाना हिन्दी पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, नामपल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक स्वाति दत्ता, उषा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, नम्रता घनाटे, गायत्री अग्रवाल, निशा वर्मा टीवी, श्रद्धा श्रीवास्तव, कंचन ठाकुर, किरण शर्मा, राजरानी शुक्ला, मूली बाई को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इसी क्रम में हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जागृति सोनी (अग्रवाल हिंदी विद्यालय), द्वितीय पुरस्कार किरण कड़ेल (एलबीएमटी स्कूल), एक मिनट संभाषण प्रतियोगिता जूनियर कॉलेज स्तर में प्रथम पुरस्कार हर्षिता जैन (डी, बी,गर्ल्स जूनियर कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार आकाश बेरा (अग्रवाल बॉयज जूनियर कॉलेज), स्नातोत्तर स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्रेरणा सेन(राधेकृष्ण डिग्री कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार प्रीति (एनबी साइंस कॉलेज), तृतीय पुरस्कार संचिता धारा (एस, डी,सिग्नोडिया कॉलेज), निबंध प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार पूनम सोनी (एस, डी,सिग्नोडिया कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार शिवानी सोनी (एस, डी,सिग्नोडिया कॉलेज) पुरस्कार दिया गया। इसी दौरान लेखक, शिक्षक नंदगोपाल भट्टड, डॉ. सुषमा देवी आदि को सम्मति किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के अध्यक्ष एमएनएस कुमार और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अफसर पाशा ने कहा कि हिन्दी के बिना हिन्दुस्तान नहीं है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा ने कहा कि हिन्दी के बिना एक भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। सभी भाषाओं का अपना महत्व है, लेकिन हिन्दी देश का गौरव है और सबसे महत्वपूर्ण है। सभी को मिलकर हिन्दी को बढ़ावा देने का काम करना चाहिए। श्री गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी ने कहा कि हिन्दी पूरे देश के लोगों को जोड़ने का काम करती है। हिन्दी भाषा का अपना एक खासा महत्व है। कार्यक्रम में महेश बैंक के वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, विहिप नेता एनआर लक्ष्मण राव, मो. मुजीब, सूर्या शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा शुरू

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 14 सितंबर को एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय, हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ-साथ इसकी अध्यक्ष श्रीमती रेणुका आनंद के नेतृत्व में दक्षिण दीपांजलि महिला समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया। हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) नरेश आनंद ने कहा कि आइए हम अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का बड़े पैमाने पर उपयोग करें और साथ ही इसे अपने दैनिक संचार का हिस्सा बनाएं। बाद में, कर्मचारियों ने हिंदी भाषी और गैर-हिंदी भाषी दोनों श्रेणियों में हिंदी सुलेख (हस्तलेखन) प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पखवाड़े भर चलने वाले इस उत्सव में, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों, संबद्ध कर्मचारियों और पास के सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती है।

हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में हिन्दी साहित्य के लब्धप्रतिष्ठ कवि डॉ. अनंत काबरा उपस्थित हुए। हिन्दी महाविद्यालय समिति के पदाधिकारी-उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी लक्ष्मीनिवास शर्मा, कोषाध्यक्ष एस. बी. काबरा, प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उप-प्राचार्य श्रीमती अश्विनी सनपूरकर, डॉ. बी. श्रीदेवी, अध्यापक एवं छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ उप-प्राचार्य श्रीदेवी की सरस्वती वंदना से हुआ। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यदर्शी श्रीलक्ष्मीनिवास शर्मा ने अपने आशीवचन में कहा कि हिन्दी का प्रयोग अंग्रेजी की तुलना में बहुत कम हो रहा है यह निराशापूर्ण है। उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने कहा कि पहले हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस में अन्य विभागों द्वारा मनाया जाता था, अगला हिन्दी दिवस उसी प्रकार मनाया जाए, अन्य विभागों के सहयोग से ही हिन्दी आगे बढ़ सकती है। मुख्य अतिथि का परिचय डॉ. पुष्पवली, प्रवक्ता हिन्दी विभाग ने दिया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी की अवनति का कारण उसका रोजगार से दूर हो जाना है, लेकिन हिन्दी माध्यम से पढ़ने वाले छात्रों ने भी उच्च स्थान प्राप्त किया है विदेशों में उन्होंने हिन्दी के माध्यम से शोध कार्य किया है। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीधारी ने किया।

सीडीएफ़डी में मनाया गया हिंदी दिवस

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फार डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफ़डी), उप्पल में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता नई दिल्ली के हिंदी विज्ञान लेखक और विज्ञान कथाकार देवेंद्र मेवाड़ी थे।

सबसे पहले कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. वर्षा, स्टाफ वैज्ञानिक एवं हिंदी प्रभारी, सीडीएफ़डी ने की। उन्होंने मुख्य अतिथि तथा सभी लोगों का स्वागत किया और हिंदी दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डाला। श्रीमती सिरिशा ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उसके पश्चात डॉ. के. थंगराज, निदेशक, सीडीएफ़डी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. वर्षा ने मंत्रिमंडल सचिव, भारत सरकार और सचिव, जैव प्रौद्योगिकी द्वारा भेजे गए संदेशों को सबको पढ़कर सुनाया। जी. रविंदर, प्रमुख प्रशासन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र मेवाड़ी का संक्षिप्त परिचय पढ़ा। देवेंद्र मेवाड़ी ने आजादी का अमृत महोत्सव: हिंदी में विज्ञान लेखन के 75 वर्ष विषय पर अत्यंत रोचक व्याख्यान बड़े ही सर्व सुलभ भाषा में प्रस्तुत किया, जिसे लोगों ने काफी सराहा। नितीन पाठक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

श्रीमद्भागवत कथा में विशेष पूजा-अर्चना की गई

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम महिला मंडली द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन महाराज पं. सुरेंद्र शास्त्री (चित्रकूट धाम वाले) ने बताया कि धर्म के पथ पर चलने वाला ही मानव है तथा धर्म के रास्ते में रोडा बनने वाले राक्षस हैं। ध्रुव चरित्र के बारे में बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि 5 वर्ष की आयु में ध्रुव भक्ति करने लगा था और उसकी भक्ति में प्रसन्न होकर स्वयं नारायण को प्रकट होना पड़ा था। इस अवसर पर सुरेंद्र मित्तल परिवार ने पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंटु केशरी, एनके सिंह, जयभगवान शर्मा, विनोद गर्ग, रमेश काबरा, सुरेश गोयल, सुशील शर्मा, रतनलाल, तुलसी बंसल परिवार के सदस्यों ने कथा का आनंद लिया।

डॉक्टर बुर्गुला रामाकृष्ण राव शासकीय महाविद्यालय में मना हिंदी दिवस

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉक्टर बुर्गुला रामाकृष्ण राव शासकीय महाविद्यालय जड़चेरला जिला महमूद नगर में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर अप्पीय चिन्नम्मा ने की। इस संदर्भ में डॉक्टर अप्पीय चिन्नम्मा ने कहा कि हिंदी भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय भावनाओं को आसानी से मजबूत किया जा सकता है अतः तो मनुष्य का विकास बहुत ही तेजी से होता है। हिंदी सीखना अपने आप में एक मुख्य चीज होती है जिसके माध्यम से भारत के कई लोगों के साथ संबंध को स्थापित कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि के रुप में अशोक कुमार साखरे, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी) पधारे। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर नरसिम्हा राव कल्याणी ने सप्ताह भर से चल रहे हिंदी के विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के उप प्रधानाचार्य बी.रविंद्र राव वाणिज्य शास्त्र के डॉ मंजुला तथा वेंकट रेड्डी, तेलुगु विभाग के श्रीमती सुभाषिनी, श्रीमती रमादेवी तथा यादय्या और प्राणी शास्त्र के श्रीमती के. सुभाषिनी आदि ने इस संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थी दशा से ही छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय भावनाओं को उजागर करने के लिए हिंदी को सिखाना बहुत ही जरूरी है। हिंदी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की कड़ी है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पधारे सेवानिवृत्त सह आचार्य (हिन्दी) डॉक्टर सी.एच. चंद्रय्या जी ने कहा कि भाषा मनुष्यों के बीच में संबंध को स्थापित करती है यदि एक से अधिक भाषाएं मनुष्य सीखता है

तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के मंत्री डॉ. शेख सादिक पाशा द्वारा रचित पुस्तक नासिरा शर्मा के समग्र साहित्य का सामाजिक विवेचन का आज शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने किया। साथ ही भारतीय साहित्य विविध स्वर पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर उपस्थित रहे।

नूतन तकनीकियों के साथ हिंदी में आत्मनिर्भरता बढी : डॉ. संतराम यादव

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रीडा, हैदराबाद के सहायक निदेशक डॉ. संतराम यादव के अनुसार इस धरा पर सर्वाधिक बुद्धिमान जीव होने का श्रेय मनुष्य को प्राप्त है। प्राचीन सभ्यता से परिपूर्ण भारत ऐसा युवा देश है जिसका गौरवशाली भूतकाल था और शानदार भविष्य प्रतीक्षारत है। आज का युग नवीन तकनीक का युग है जिसमें युवावर्ग अपनी प्रतिभा का सदुपयोग करते हुए नए कौशल सीखने के लिए प्रेरित है। भाषा भावों और विचारों की संवाहक होती है। 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत आत्मनिर्भरता का नया जोश फूंककर 'लोकल के लिए वोकल' की बात से विकास और राष्ट्रीय स्वाभिमान की नई खिड़कियां व नए द्वार खुले हैं। हमने अपनी समृद्ध भौतिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। आम लोगों के जीवन में ईज ऑफ लिविंग बढ़ा है। भारत जैसे विशाल देश में कुछ ही दूरियों पर भाषा में बदलाव स्पष्ट नजर आता है। हिंदी हमारी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, संपर्कभाषा और राजभाषा हैं। आज के वैज्ञानिक युग में नित नूतन तकनीकियों के आगमन के साथ हिंदी जगतमय हो चुकी है।

इतिहास साक्षी है कि हमारी संस्कृति में ऋषि व कृषि परंपरा का विशेष स्थान रहा है। आपदा को अवसर में बदलने हेतु भारत सरकार ने "आत्मनिर्भर भारत अभियान' चलाकर आधुनिक भारत की एक तेज, शक्तिशाली एवं स्वयं सहायक पहचान बनाई है। बदलते जमाने की ख्वाहिश है कि देश में ऐसे उत्पाद बने, जो "मेड इन इंडिया' और "मेड फॉर वर्ल्ड' हो। अनादिकाल से ही मानव क्रियाकलाप में वांछनीय परिवर्तन संपर्क से ही कर पाया है जिसे सामाजिकता कहते हैं। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता नामक लोकतंत्र के चार स्तंभों में सोशल मीडिया ने पांचवें स्तंभ के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सोशल नेटवर्किंग में आए क्रांतिकारी बदलावों से यूजर्स अपनी भाषा में मन की बात वाट्सएप फेसबुक, ट्विटर, गूगल प्लेस या गूगल होम, यूट्यूब गो, यूट्यूब, टिकटॉक, स्काइप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, थ्रीमा, श्योर स्पॉट,लिंक्डइन आदि सोशल साइट्स पर करते हैं जो हिंदी में संवाद सुविधा उपलब्ध कराती हैं। मोबाइल प्लेफार्म पर हिंदी टाइपिंग टूल उपलब्ध हैं। राजभाषा विभाग की वेबसाइट उन्नत तकनीक सामग्री से लबालब है। राजभाषा विभाग की वेबसाइट से लीला हिंदी प्रवाह, हिंदी स्वयं शिक्षण(लीला), मोबाइल ऐप, कंठस्थ व मशीन अनुवाद, ई-महाशब्दकोश, श्रुतलेखन राजभाषा (स्पीच से टेक्सट), प्रवाचक राजभाषा (टेक्सट से स्पीच) और हिंदी फांट कनवर्टर का लाभ लीजिए। अत: अंग्रेजी वाला काम अब हिंदी में भी संभव है। इसलिए जब जागे तभी सवेरा और आज से ही नई तकनीक से जुड़कर हमें अपना काम जन जन की भाषा हिंदी में करना शुरू कर देना चाहिए।

एमपीएल ट्रेजर हंट कार्यक्रम का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 5146वीं महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने आज समाज के कार्यालय में आगामी रविवार 18 सितंबर को प्रातः 9:00 बजे को होने वाले एमपीएल ट्रेजर हंट 2022 के कार्यक्रम का पोस्टर लांच किया। समाज के अध्यक्ष ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ट्रेजर हंट कार रैली में भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। इसमें उपस्थित समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष एवं जयंती प्रधान संयोजक डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान, जयंती के संयोजक मनीष अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, आशीष दोचानिय, रितेश दोचानिया, अंकित संघई, लोकेश संघाई आदि उपस्थित रहे।

नयाबाज़ार विद्यालय में मना हिंदी दिवस

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नयाबाज़ार विद्यालय में हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधानाध्यापिका द्वारा आमंत्रित विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे सरला अग्रवाल, पूजा गुप्ता, दीपा गर्ग, मंजेश्वरी गुप्ता, रामगोपाल गुप्ता का सम्मान किया गया। गणमान्य अतिथिगण भी अपने अमूल्य विचारों व ज्ञानवर्धक बातों से छात्रों के प्रोत्साहित किया। डिप्टी इंस्पेक्टर आफ स्कूल /प्रधानाध्यापिका श्रीमती ए .वी. सत्यवती द्वारा हिंदी भाषा की महत्ता के प्रति अपने अमूल्य विचारों को व्यक्त किया।

विद्यालय के हिंदी अध्यापिका डॉ. दुर्गेश नंदिनी द्वारा मंच का संचालन किया गया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। जीवीजेके शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा हिंदी दिवस पर परिचर्चा आयोजित

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा हिंदी दिवस पर परिचर्चा आयोजित गई। इस अवसर पर अध्यक्षा सुमन भुवानिया ने बताया कि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है किंतु आज के जमाने में हिंदी राष्ट्रभाषा कही लुप्त हो गयी है। इस विषय पर अग्रणी महिला मंच की कार्यकारिणी ने अपने विचार व्यक्त लिए है। इस परिचर्चा में बबिता गर्ग, रितु गर्ग, वंदन पंचरिया, सुनयना नर्सरिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, रितु गोयल, सोनिया गोयल, स्मिता शाह, रूपा गुप्ता, पायल अग्रवाल, कोमल अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, प्रीति गोयल, अन्नू अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

उमाननगर कॉलोनी, न्यू बोइनपल्ली के निवासियों की जनसमस्याओं की शिकायत पर केंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जपन्ना प्रताप ने स्थिति का जायजा लिया तथा तुरंत संबंधित अधिकारियों से बातकर समस्याओं को सुलझाने को कहा।

अग्निकांड में लोगों को बचाने वाले पुलिसकर्मी व नागरिक सम्मानित

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के रूबी प्राइड लग्जरी होटल में नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने अग्नि दुर्घटना में फंसे लोगों को बचाने के लिए तुकाराम गेट डिटेक्टिव इंस्पेक्टर ए. अंजनेयुलु और मार्केट पीएस कांस्टेबल, राकेश समेत चार नागरिकों को प्रशंसा पत्र, नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अग्निशामकों के आने से बहुत पहले अधिकारी और नागरिक बिना किसी सुरक्षात्मक व्यवस्था के इमारत में प्रवेश कर गए। 12 सितंबर की रात करीब नौ बजे आग लगने के बाद सबसे पहले पीसी राकेश मौके पर पहुंचे। सीढ़ी से घना धुआँ उठ रहा था। इंस्पेक्टर अंजनेयुलु और 4 नागरिक सुभाष चंद्रबोस, सूर्य किरण कुमार, अमर रेड्डी और शिव कुमार बगल की इमारतों से होटल में प्रवेश कर गए। इन लोगों ने अपनी जान को दांव पर लगाकर कई लोगों की जान बचाई। शहर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि वे कार्य एचसीपी के बेहतरीन और अच्छे लोगों की बहादुरी और अनुकरणीय सेवा को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वह घायलों के लिए प्रार्थना करेंगे और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करेंगे।

राजस्थान से पधारे भाजपा युवा नेता भीनमाल विधानसभा से टीकम सिंह राणावत का 36 कौम ने जगह-जगह स्वागत किया। इसमें सभी समाज बंधुओं ने भाग लिया, जिसमें दीप सिंह राठौड़, गंगा सिंह चौहान, उदय सिंह चौहान, मादाराम पटेल, गजराम पटेल, मेगाराम पटेल, देवराम, तगाराम, छगनाराम पटेल, गोपाल देवासी, लीलाराम सुरेश सुथार, कालुराम देवासी, नवाराम पटेल, धनाराम पटेल, विक्रम सिंह राठौड़, भीम सिंह, मिट्ठू सिंह, हुक्म सिंह आदि शामिल रहे।

गवलीडोडी स्थित दि श्रीराम अकादमी आईबी स्कूल के विद्यार्थियों ने हिंदी दिवस मनाया। विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। स्कूल के प्रमुख रिजवान ने बच्चों के कार्य की सराहना कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

भारतीय महिला टीम ने दूसरा टी-20 मैच इंग्लैंड से जीता

सीरीज 1-1 से बराबरी पर; मंधाना की नाबाद 79 रनों की शानदार पारी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। स्मृति मंधाना की नाबाद 79 रनों की पारी बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 8 विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। डर्बी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम के सामने 143 रनों का टारगेट रखा। भारतीय टीम ने मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार पारी की बदौलत इस लक्ष्य को 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने 22 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। मंधाना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके 3 विकेट सिर्फ 16 रन पर ही गिर गए। इंग्लैंड को पहला झटका दूसरे ही ओवर में लगा। दीप्ति शर्मा की गेंद पर इंग्लैंड की ओपनर सोफिया डंकले 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने डैनी वॉट को 6 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। इंग्लैंड को तीसरा झटका एलिस कैप्सी के तौर पर लगा। वह 4 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं ब्रायोनी स्मिथ ने कप्तान जोन्स के साथ टीम को संभालने का प्रयास किया, पर वह दोनों भी जल्दी आउट हो कर लौट गईं। स्मिथ ने 16 और जोनस ने 17 रन बनाए।

फ्रेया केम्प और माइया बाउचियर के बीच 65 रन की साझेदारी

इंग्लैंड पर 100 रन के अंदर ही सिमटने का खतरा मंडराने लगा, लेकिन फ्रेया केम्प और माइया बाउचियर के बीच 65 रन की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड की टीम 6 विकेट के नुकसान पर 142 रन बना पाई। बाउचियर ने 26 गेंद में चार चौकों की मदद से 34 रन और फ्रेया ने नाबाद 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 3 छक्के भी जड़े। फ्रेया और सोफी एक्लेस्टोन के बीच 7वें के लिए 23 रनों की साझेदारी हुई, जिसमें सोफी 7 रन बनाकर नाबाद रहीं।

भारत की ओर से स्नेह राणा ने 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने एक-एक विकेट लिए।

भारत की अच्छी शुरुआत

टीम इंडिया ने पिछले मैच से सीख लेते हुए शानदार शुरुआत की। मंधाना और शेफाली वर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी हुई। शेफाली 17 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हो गईं। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं हेमलता 9 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद चौथे विकेट के लिए मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर के बीच 69 रनों की पार्टनरशिप हुई।

आईसीसी रैंकिंग में विराट की लंबी छलांग

29वीं रैंक से सीधे 15वीं पर पहुंचे, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से फॉर्म में वापसी करने वाले टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली को बड़ा फायदा हुआ है। वह आईसीसी टी-20 रैंकिंग में 14 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे वानिंदु हसरंगा टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव चौथे स्थान पर हैं, जबकि कप्तान रोहित शर्मा 14वें पायदान पर हैं। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान टी-20 रैंकिंग में टॉप पर हैं, जबकि कप्तान बाबर आजम तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं। साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी फायदा मिला है। भुवी ने एशिया कप के आखिरी मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 5 विकेट झटके थे। इसी के बदौलत भुवी को 4 पायदान का फायदा मिला। वह 7वें नंबर पर काबिज हो गए हैं।

एशिया कप में जमकर बोला था विराट का बल्ला

कोहली ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने करियर की 71वीं सेंचुरी लगाई थी। अब उनके टेस्ट में 27, वनडे में 43 और टी-20 में एक शतक हो गए हैं। इस शतक के साथ कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अंतरराष्ट्रीय शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पोंटिंग ने

इंटरनेशनल करियर में 71 शतक लगाए थे। टेस्ट में उन्होंने 41 और वनडे में 30 शतक लगाए। पोंटिंग ने इसके लिए 668 पारियां खेली थीं। कोहली ने 71 शतक के लिए 522 पारियां खेली हैं। अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं। क्रिकेट के भगवान ने अपने करियर में 100 इंटरनेशनल शतक लगाए थे। टेस्ट में तेंदुलकर के नाम 51 शतक और वनडे में 49 शतक हैं। 2019 के बाद किंग कोहली की से चुरी अफगानिस्तान के खिलाफ विराट ने करीब तीन साल (1020 दिन) बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक जमाया था। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में 23 नवंबर, 2019 को अपने करियर का 70वां शतक लगाया था। टी-20 इंटरनेशनल में पहला शतक था।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में विराट सलामी बल्लेबाज के रूप में आए थे। ऐसे में अक्टूबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भी इस खिलाड़ी से ओपन कराने की बात कही जा रही है।

कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 61 गेंद पर 12 चौके और 6 छक्के के साथ 122 रन बनाए थे। यह पारी टी-20 इंटरनेशनल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारी थी। उन्होंने इस मामले में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा था। इससे पहले रोहित ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 118 रन बनाए थे।

इसके अलावा वह टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 3,500 से अधिक रन बनाने वाले विराट दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज भी बन गए थे। पहले नंबर पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 136 मुकाबलों में 3,620 रन बनाए हैं। वहीं, कोहली के नाम 3,584 रन दर्ज हैं।

सचिन तेंदुलकर ने बताया ग्रिप को साफ करने का तरीका

फैंस ने कर दिया ट्रोल, वीडियो में नल खुला देख लोग भड़के

कानपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में सचिन बैट का ग्रिप साफ करने का तरीका बताते नजर आ रहे हैं। इस तरीके के साथ-साथ फैंस का ध्यान एक और बात ने खींचा। वो था इस पूरी प्रक्रिया के दौरान नल का खुला रहना। जिसके बाद फैंस ने सचिन को ग्रिप साफ करने की तकनीक बताने के लिए धन्यवाद दिया तो दूसरी तरफ उन्हें पानी बचाने की नसीहतें भी दी। सचिन तेंदुलकर खेल के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं।

सचिन तेंदुलकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में इंडिया लीजेंड्स टीम के लिए कप्तानी कर रहे हैं। इंडिया लीजेंड्स ने कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका लीजेंड्स को हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है।

इंडिया लीजेंड्स को अब अगला मुकाबला आज वेस्टइंडीज लीजेंड्स के खिलाफ खेलना है।

पहले भी तेंदुलकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में वो वर्क-आउट करते हुए देखे जा सकते हैं। इस वीडियो में वह जिम में ट्रेनिंग से लेकर ग्राउंड पर शॉट्स और कैच की प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। सचिन ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है- 'हर एक पल सुंदर है। पहले मैच का आनंद लिया। अब अगले मैच की ओर।' उनसे पहले रैना भी वर्क आउट करते हुए नजर आए, जबकि सचिन और युवराज ने होटल में स्विमिंग करते दिखे।

शूट किया था युवराज का वीडियो

सोमवार को सचिन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक और वीडियो पोस्ट किया था।

भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। 20 सितंबर से शुरू हो रही भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज से पहले कंगारुओं को बड़ा झटका लगा है। टीम के तीन स्टार खिलाड़ी मिचेल मार्श, मिचेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। स्टार्क को घुटने में चोट आई है, तो वहीं मार्श को टखने में दिक्कत है। स्टोइनिस को मांसपेशियों में खिंचाव के चलते टीम से बाहर हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने स्टार्क, मार्श और स्टोइनिस की जगह नाथन एलिस, डेनियल सैम्स और सीन एबॉट को मौका दिया है। टीम मैनेजमेंट ने यह भी कहा है कि परेशानी ज्यादा बड़ी नहीं है।

भारत के दौरे पर नहीं होंगे वार्नर

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर भी भारत के दौरे पर नहीं आएंगे। उन्हें सीरीज से आराम दिया गया है। उनकी जगह कैमरून ग्रीन टीम का हिस्सा होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप और भारत के दौरे के लिए चुनी गई टीम में स्टीव स्मिथ को भी जगह मिली है। टी-20 क्रिकेट में स्मिथ का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। ऐसे में माना जा रहा था कि वो ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन उन पर एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भरोसा जताया है।

भारत vs ऑस्ट्रेलिया सीरीज का शेड्यूल

20 सितंबर पहला टी-20, मोहाली

23 सितंबर दूसरा टी-20, नागपुर

25 सितंबर तीसरा टी-20, हैदराबाद

टिम डेविड भारत के खिलाफ खेल सकते हैं पहला मैच

टिम डेविड मार्च 2020 तक सिंगापुर की टीम के लिए 11 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वे इस साल IPL में भी नजर आए थे और मुंबई इंडियंस के लिए 9 मैच खेले थे। वहीं, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया है कि डेविड ICC के नियमों के तहत तत्काल प्रभाव से ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने के लिए तैयार हैं।

ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में यह खिलाड़ी डेब्यू कर सकता है। वहीं, मिचेल मार्श की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ को तीसरे नंबर पर खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

एरोन फिंच (कप्तान), मैथ्यू वेड, नाथन एलिस, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, सीन एबॉट और एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टी-20 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह।

गांगुली और जय शाह पद पर बने रहेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई को संविधान संशोधन की मंजूरी दी, अब दोनों 6 साल तक पदाधिकारी रह सकेंगे

नई दिल्ल, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद अब बीसीसीआई में कोई पदाधिकारी लगातार दो बार यानी 6 साल तक पद पर बना रहेगा। इसे बोर्ड के संविधान में कूलिंग ऑफ पीरियड कहा जाता है। इसके तहत किसी भी पदाधिकारी का कार्यकाल 3 साल तक का था। कूलिंग ऑफ पीरियड को लेकर लोढ़ा कमेटी ने 2018 में सिफारिश की थी। बाद में इन्हें तभी से लागू कर दिया गया। इनके मुताबिक, कोई भी पदाधिकारी पहले स्टेट बॉडी में तीन साल तक पद पर रहता है तो वह बोर्ड में तीन साल और पद पर रह सकता है। सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद, कोई भी पदाधिकारी तीन साल स्टेट और 6 साल बोर्ड में किसी भी पद पर रह सकता है।

वर्तमान समय में बीसीसीआई में प्रेसिडेंट सौरव, जय शाह समेत पांच पदाधिकारियों ने बोर्ड और स्टेट बॉडी में 6 साल पूरे कर

सौरव गांगुली
23 अक्टूबर 2019 से BCCI प्रेसिडेंट

जय शाह
24 अक्टूबर 2019 से हैं BCCI सेक्रेटरी

लिए हैं। सौरव गांगुली 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई के अध्यक्ष बने थे। इससे पहले वे 2014 में बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव बने थे, फिर 2015 में उन्हें अध्यक्ष का पद मिला।

इसी तरह, जय शाह 2014 में गुजरात क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव बने थे। कुछ सोर्स कि माने तो उनका कार्यकाल आठ सितंबर 2013 से ही शुरू हो गया था। यानी सितंबर 2013 से अक्टूबर 2019 तक वह गुजरात क्रिकेट संघ से जुड़े रहे। इसके बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी का पदभार उन्होंने 24 अक्टूबर 2019 को संभाला था। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों अगले तीन साल तक अपने पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई ने 2019 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड के प्रावधान को खत्म करने की इजाजत मांगी थी।

इस मामले में बीसीसीआई का कहना है कि कूलिंग ऑफ पीरियड किसी सदस्य के एक ही स्थान पर लगातार छह साल तक पद संभालने के बाद आना चाहिए, न कि स्टेट फेडरेशन या बीसीसीआई या दोनों को मिलाकर।

वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में हारीं विनेश फोगाट

क्वालिफिकेशन राउंड में मंगोलियाई रेसलर ने 7-0 से पटका; पिछले माह सीडब्ल्यूजी में जीता था गोल्ड

सर्बिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाली स्टार रेसलर विनेश फोगाट वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप के क्वालिफिकेशन राउंड में हार गई हैं। बेलग्रेड में चल रही इस प्रतियोगिता में उन्हें मंगोलियाई पहलवान खुलान बटखुयाग ने 7-0 (53 KG) से हराया। हालांकि, वर्ल्ड चैंपियनशिप में विनेश की चुनौती अब भी बरकरार है। क्योंकि, उनकी प्रतिद्वंद्वी फाइनल में पहुंच गई हैं। अब विनेश रेपचेज में अपना दमखम दिखाएंगी। ऐसे में भारतीयों को उनसे कम से कम ब्रॉन्ज मेडल की उम्मीद तो रहेगी। रेपचेज शुरुआती दौर में हारने वाले पहलवान को एक मौका और देता है। बशर्ते, वह शुरुआती दौर में जिस पहलवान से हारा है। उसने फाइनल में जगह बना ली हो। सीधे शब्दो में कहे फाइनलिस्ट पहलवानों ने शुरुआती राउंड में जिन्हें हराया है उनके पास रेपचेज राउंड से ब्रॉन्ज जीतने का मौका होता है। खुलान ने सेमीफाइनल में स्वीडन की एम्मा जोना मालमग्रेन को चित करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जब उन्होंने मालमग्रेन को चित किया। तब स्कोर 2-6 था। मंगोलियाई पहलवान का गोल्ड मेडल मैच अमेरिका की डोमिनिक पैरिश से होगा।

विनेश इस चैंपियनशिप में मेडल की प्रबल दावेदार थीं। क्योंकि उन्हें आसान ड्रॉ मिला था। इस कैटेगरी की डिफेंडिंग चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी चोट के कारण हट गई थीं। हालांकि वे क्वालिफिकेशन में हार गईं। एक अन्य भारतीय पहलवान नीलम सिरोही रोमानिया की एमीलिया एलीना वुक से हार गईं। उन्हें 50 KG वेट कैटेगरी में रोमानिया की वुक ने टेक्निकल सुपीरियार्रिटी के आधार पर (10-0) हराया। दूसरी ओर 65 KG में कौंबा लारोक ने भी शेफाली को टेक्निकल सुपीरियार्रिटी से परास्त कर दिया। यहां बता दें कि जब रेसलिंग के दौरान जब दो रेसलर्स के पॉइंट का फासला 10 अंक का हो जाता है। तो ज्यादा अंक वाले पहलवान को टेक्निकल सुपीरियार्रिटी के आधार पर विजेता घोषित कर दिया जाता है।

जल्द लॉन्च होगी टीम इंडिया की जर्सी

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑफिशियल किट का टीजर जारी, लॉट सकता है लाइट ब्लू कलर

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आएगी। टीम की ऑफिशियल किट पार्टनर एमपीएल स्पोर्ट्स जल्द ही नई जर्सी लांच करेगी। एमपीएल स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इसकी घोषणा की है। जैसे-जैसे टी-20 वर्ल्ड कप की तारीख नजदीक आ रही है भारतीय फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फैंस का ये रोमांच और बढ़ा रहा है MPL स्पोर्ट्स के ऑफिशियल हैंडल से पोस्ट हुआ एक वीडियो। दरअसल, ये वीडियो इंडियन क्रिकेट टीम की जल्द ही लॉन्च होने वाली ऑफिशियल किट का टीजर है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर नजर आ रहे हैं। इसमें टीम इंडिया की नई जर्सी की झलक भी देखने को मिलती है। इस वीडियो के सामने आने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि जर्सी लाइट ब्लू रंग की हो सकती है। इस ऑफिशियल किट में लाइट ब्लू के कई शेड्स नजर आ सकते हैं। हाल ही में 12 सितम्बर को बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा भी कर दी है। इसके साथ ही 4 खिलाड़ियों को स्टैंडबाय पर रखा है। एशिया कप में मिली करारी हार के बाद जाहिर तौर पर टीम इंडिया इसे दोहराना नहीं चाहेगी। ऐसे में टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर टीम इंडिया की तैयारी जोरों पर है।

मिडिल ऑर्डर की धीमी बैटिंग से बीसीसीआई खुश नहीं

सौरव गांगुली और जय शाह ने सलेक्टर्स के साथ मीटिंग की, 7 से 16 ओवर की बैटिंग में प्रॉब्लम

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह एशिया कप में टीम इंडिया की मध्य ओवरों में बल्लेबाजी को लेकर खुश नहीं है। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम के ऐलान से पहले सलेक्टर्स से बात की थी। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिए सोमवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई थी। 15 सदस्यों के अलावा 4 स्टैंडबाय खिलाड़ियों के नामों का भी ऐलान किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई अध्यक्ष और सचिव ने सलेक्टर्स से टीम इंडिया के प्रदर्शन को लेकर चर्चा की। उन्होंने एशिया कप में मध्य ओवरों (7-16) में बने धीमी रनों को लेकर चिंता जाहिर की। दरअसल एशिया कप में भारत को सुपर-4 में पाकिस्तान और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था और टीम इंडिया फाइनल से बाहर हो गई थी। जबकि, टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया को ट्रॉफी का मुख्य दावेदार माना जा रहा था। एशिया कप में अगर भारत की बल्लेबाजी पर नजर डालें तो टीम इंडिया की खास तौर से 7वे से 16वें ओवर के बीच पारी लड़खड़ा गई थी। पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 9 ओवर में 3 विकेट खोकर 59 रन बने थे। वहीं हांगकांग के खिलाफ इन ओवर में 62 रन और जबकि पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 में 1 विकेट पर 62 रन टीम इंडिया ने बनाए थे। वहीं अफगानिस्तान के प्रदर्शन को छोड़ दिया जाए, तो श्रीलंका के खिलाफ 9 ओवरों में सबसे ज्यादा 78 रन बने थे।

ओवर ऑल बात करें तो एशिया कप में भारत ने 5 मैच खेले। इन सभी मैचों के 7 से 16 ओवर में भारत ने कुल 421 रन बनाए। इस दौरान 12 विकेट गिरे। रन रेट 8.42 का रहा। भारतीय बल्लेबाजों ने इन ओवर्स में कुल 28 चौके और 15 छक्के जमाए।

एशिया कप में चोट की वजह से बाहर रहे जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह अक्षर पटेल को मौका दिया गया है। जडेजा की घुटने की सर्जरी हुई है। वो एशिया कप में चोटिल हो गए थे। वह वर्ल्ड कप की टीम से बाहर हो गए हैं। एशिया कप में जडेजा के टीम से बाहर होने के बाद भारतीय टीम पटरी से उतर गई थी और लगातार 2 मैच में हार के बाद टीम इंडिया एशिया कप से बाहर हो गई।

तेलंगाना राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था करें : सीएस

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने अधिकारियों को तेलंगाना राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। यह कार्यक्रम 16 से 18 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रम को बेहतर तरीके से सम्पन्न कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह को भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया है। सोमेश कुमार ने बुधवार को जिला कलेक्टरों, एसपी / सीपी और अन्य अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और बीआरकेआर भवन से समारोह के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 16 सितंबर को होने वाली रैलियों और सभाओं के लिए कलेक्टर सभी विधानसभा क्षेत्रों में विस्तृत व्यवस्था करें। सोमेश कुमार ने कहा कि समारोहों की योजना मंत्रियों, विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों के समन्वय के साथ बनाई जानी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्यक्रम एक शानदार सफलता है।

मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों की सावधानीपूर्वक योजना और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 14 से 18 सितंबर तक सभी सरकारी और निजी भवनों को रोशन किया जाए। 17 सितंबर को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हैदराबाद के सार्वजनिक उद्यानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। सभी जिला, मंडल और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए. आरटीसी को आदिवासियों को हैदराबाद पहुंचाने के लिए बसें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

18 सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाए और उस दिन स्वतंत्रता सेनानियों और कलाकारों का अभिनंदन किया जाए। डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों से पूरी रैली की कल्पना करने और जिला अधिकारियों के साथ सहज तरीके से समन्वय के अनुसार योजना बनाने को कहा।

पुलिस 17 सितंबर को एनटीआर स्टेडियम में आरटीसी बसों की निर्बाध आवाजाही भी सुनिश्चित करे। बैठक में विशेष मुख्य सचिव एमए एंड यूडी अरविंद कुमार, अतिरिक्त डीजीपी, एलएंडओ जितेंद्र, सचिव जीएडी शेषाद्रि, सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव कपड़ा ज्योति बुद्ध प्रकाश, आयुक्त तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा नवीन मित्तल, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, सचिव आदिवासी कल्याण क्रिस्टीना जेड चोंगथू, सचिव टीआर एंड बी श्रीनिवास राजू, सचिव वित्त रोनाल्ड रोज , आदिम जाति कल्याण विशेष सचिव श्रीधर, आयुक्त पीआर एंड आरडी हनमंता राव, सीडीएमए सत्यनारायण, आरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर, आयुक्त, इंटरमीडिएट शिक्षा ओमर जलील और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद दौरे के दौरान अमित शाह से हो सकती प्रभास की मुलाकात

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने इस साल 17 सितंबर को पड़ने वाले हैदराबाद राज्य मुक्ति दिवस को महत्वपूर्ण तरीके से मनाने का फैसला किया है। 17 सितंबर को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आधिकारिक तौर पर "हैदराबाद मुक्ति दिवस" की शुरुआत करके पूर्व में निज़ाम शासित हैदराबाद के भारत में विलय की 75वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा नियोजित वर्ष भर चलने वाले उत्सव का शुभारंभ करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए अमित शाह का हैदराबाद का शेड्यूल प्लान फाइनल किया गया है। अमित शाह 16 सितंबर को अभिनेता प्रभास से मिलेंगे। प्रभास के चाचा कृष्णम राजू भाजपा के वरिष्ठ राजनेता थे, जिनका हाल ही में निधन हो गया। सूत्रों के मुताबिक, शाह व्यक्तिगत रूप से कृष्णम राजू के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने जाएंगे।

तलसानी ने मछुआरों से की बिचौलियों के झांसे में न आने की अपील

नलगोंडा, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मछुआरों से अपील की कि वे बिचौलियों के झांसे में न आएं जो अपने कैश से कम भुगतान करके स्थिति का फायदा उठाते हैं और कहा कि उन्हें कोई नुकसान नहीं होना चाहिए।

मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के किस्तापुरम गांव में बुधवार को गांव के तालाब में मछली के बीज छोड़ने के बाद मीडिया से बात करते हुए, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने अपने कैबिनेट सहयोगी जगदीश रेड्डी के साथ कहा कि ग्राम पंचायतों के नियंत्रण में सभी जल निकाय, सिंचाई टैंक और तालाब, पहले ही मत्स्य विभाग को हस्तांतरित कर दिए गए हैं और इन जल निकायों पर मछली पकड़ने के अधिकार केवल मछुआरे समुदाय को दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा गंगापुत्र, मुदिराज, तेनुगु, वाडा बलिजा और अन्य समुदायों को आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पहल के कारण, तेलंगाना में मछली का उत्पादन काफी बढ़ गया है और मछुआरा समुदाय अब राज्य में एक सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जी रहा है। मंत्री ने आगे कहा कि केसीआर के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों के दौरान तेलंगाना ने विभिन्न क्षेत्रों में भारी प्रगति की है और यह देश के सभी घरों में पेयजल की आपूर्ति करने वाला राज्य है। इससे पहले, दोनों मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और जगदीश रेड्डी ने किस्तापुरम गांव में मवेशियों और भेड़ों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

एपी की पूर्व सांसद के. गीता गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की सीबीआई अदालत ने पूर्व सांसद कोतापल्ली गीता को पांच साल की जेल और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। उनके पति रामकोटेश्वर राव को भी यही सजा मिली। दो बैंक कर्मचारियों के. के अरविंदक्षण और जयप्रकाश को भी पांच साल जेल की सजा सुनाई गई।

सूत्रों के मुताबिक गीता दंपति ने पंजाब नेशनल बैंक से विश्वेश्वर इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम से 52 करोड़ रुपये उधार लिए और उसे वापस नहीं किया। इस मामले में सीबीआई ने वर्ष 2015 में चार्जशीट जारी की थी। कथित तौर पर दंपति को मेडिकल जांच के लिए उस्मानिया अस्पताल भेजा गया । दूसरी ओर, कोत्तापल्ली गीता ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की। हाईकोर्ट में जल्द ही जमानत याचिका पर सुनवाई होने की उम्मीद है।

आरजीआईए हवाईअड्डे पर सोना जब्त

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए के सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक महिला यात्री जो दुबई से बुधवार को आरजीआईए हवाई अड्डे पर फ्लाइट नं. ईके524 पहुंचने पर उससे 272.98 ग्राम वजन का सोना जब्त कर लिया। पैक्स की व्यक्तिगत और सामान की तलाशी में, पेस्ट के रूप में सोना मलाशय में छिपा हुआ पाया गया।

272.98 ग्राम वजन का बरामद सोना, जिसका टैरिफ मूल्य रु.14,15,947 (चौदह लाख पंद्रह हजार नौ सौ सैंतालीस रुपये मात्र) है, को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत जब्त कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

अंतरराज्यीय क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम, हैदराबाद की टीम ने गोलकोंडा पुलिस के साथ मिलकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। इस मामले में पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के कब्जे से 3,30,000 रुपये नकद राशि, 12 सेल फोन और अन्य तकनीकी उपकरण जब्त किए गए है। गिरफ्तार आरोपियों में कन्हैया लाल जोशी निवासी बीकानेर, राजस्थान, राजेश शर्मा, निवासी कोठागुडा एक्स रोड, कोंडापुर, गच्चीबौली को गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपी राजेश नाथ, निवासी बीकानेर, राजस्थान फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी राजेश नाथ राजस्थान राज्य के बीकानेर का रहने वाला है। वह राजस्थान राज्य में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन करने के आदी है। उसे अन्य राज्यों में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी आयोजित करने की योजना बनाई और हैदराबाद, तेलंगाना में आ गए। अपनी योजना के अनुसार, वह कन्हैया लाल जोशी के साथ हैदराबाद आया और राजस्थान राज्य के निवासी अपने एक दोस्त राजेश शर्मा के साथ कोठागुडा एक्स रोड् में रहने लगा। यही से उसने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन शुरू कर दिया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम, हैदराबाद की टीम ने गोलकोंडा पुलिस के साथ मिलकर इन आरोपियों को पकड़ लिया।

बीजेपी पार्षद के खिलाफ केस दर्ज

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पुलिस पर हमला करने के लिए लोगों को उकसाने के आरोप में एलबी नगर पुलिस ने मंसूराबाद से बीजेपी पार्षद कोप्पुला नरसिम्हा रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पार्षद एक व्हाट्सएप ग्रुप "एलबीएनआर डेवलपमेंट फोरम" के सदस्य हैं, ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में 'बीजेपी नबन्ना मार्च' के दौरान एसीपी रैंक के एक अधिकारी पर हमला करने वाले लोगों का एक वीडियो देखा। वीडियो का जवाब देते हुए, नगरसेवक ने टिप्पणी की, "यह तेलंगाना में भी किया जाना चाहिए"। एक स्थानीय व्यक्ति ने ट्विटर पर पोस्ट की गई बातचीत का स्क्रीनशॉट लिया और पुलिस से नगरसेवक के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने को कहा। पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए, 505 (2), 506, 189 के तहत मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है।

प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए वरंगल में 25 एकड़ जमीन सौंपे : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से वरंगल में एक प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) को 25 एकड़ जमीन सौंपने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। श्री रेड्डी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य सरकार को जमीन सौंपने और प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए कई पत्र लिखे हैं। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने 10 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य सरकार से जमीन सौंपने का अनुरोध किया। हालांकि, आज तक कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, रेड्डी ने कहा। करीमनगर और दंडुमैलाराम में विस्तार केंद्रों के लिए भूमि की पहचान करने का भी अनुरोध किया गया था। चूंकि मंत्रालय जल्द से जल्द विस्तार केंद्रों के साथ प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू करने का इच्छुक है, इसलिए राज्य सरकार को भूमि मंत्रालय को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए।

वृक्षारोपण रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होना चाहिए : इंद्रकरण रेड्डी

मंत्री ने किया दशहरे पर हर गांव व मंदिर में शमी का वृक्ष लगने का ऐलान

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन इंडिया चैलेंज द्वारा तेलंगाना राज्य वृक्ष लगाने के इरादे से शुरू किया गया अभिनव कार्यक्रम 'हर गांव और हर मंदिर में शमी का वृक्ष' ने दूसरे वर्ष में प्रवेश किया है। राज्य के वन और पर्यावरण मंत्री इंद्रकरन रेड्डी, एमपी कोठा प्रभाकर रेड्डी, वन निगम के अध्यक्ष ओंटेरू प्रताप रेड्डी और सरकारी सलाहकार रामनाचारी ने सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार के साथ कोठागुडा बॉटनिकल गार्डन अर्बन फॉरेस्ट पार्क में दूसरे चरण के जम्मी (शमी) वृक्षारोपण का औपचारिक उद्घाटन किया। दशहरा पर्व के अवसर पर वन एवं वन विभागों ने ग्रीन इंडिया चैलेंज के समन्वय से इस वर्ष सभी गांवों और मंदिरों में 1.25 लाख जम्मी पौधे लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस मौके पर इस कार्यक्रम से जुड़ा एक पोस्टर भी जारी किया गया। वैदिक काल के बाद से सबसे प्रतिष्ठित पेड़ शमी और सभी द्वारा इसकी पूजा की जाती है। इसे राज्य सरकार द्वारा तेलंगाना के राज्य वृक्ष और भारतीय रोलर पक्षी (नीलकंठ) के रूप में राज्य पक्षी के रूप में मान्यता दी गई है। संतोष कुमार ने खुलासा किया कि हरित भारत ने विभिन्न कारणों से विलुप्त हो रहे जम्मी को संरक्षित करने के लिए वूरू वूरुको जम्मी चेट्टू (हर गांव में शमी वृक्ष) -गुडीगुडिको जम्मी चेट्टू (हर मंदिर में जम्मी) का नारा दिया है। तेलंगाना में शुभ दशहरा पर्व पर शमी के पेड़ की पूजा करने की प्रथा है। रिश्तेदारों को शमी के पत्तों का आदान-प्रदान करने और उनके अच्छे भाग्य की कामना करने की भी प्रथा है। इन प्राथमिकताओं के मद्देनजर, मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि आगामी दशहरा नवरात्रि समारोह की पूर्व संध्या पर राज्य के हर गांव और मंदिर में जम्मी को लेने के लिए सांसद संतोष कुमार के आह्वान का स्वागत किया।

राज्य बंदोबस्ती विभाग ने भी राज्य भर के सभी मंदिरों में जाममी के पेड़ लगाने और उगाने की पहल की है। सांसद के प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि एक युवा सांसद जे संतोष कुमार संस्कृति के साथ-साथ पर्यावरण को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। वन निगम के अध्यक्ष प्रताप रेड्डी ने कहा कि हर गांव और मंदिर में जम्मी वृक्षारोपण का अभियान लोगों के बीच बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा। इसी क्रम में सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार बॉटनिकल गार्डन वॉकर्स एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष चुने गए।

कोट्टागुडा बॉटनिकल गार्डन शहरी वन पार्क ने आईटी कॉरिडोर और आसपास के क्षेत्रों के लिए ऑक्सीजन हब के रूप में प्रमुखता प्राप्त की है। पार्क दैनिक चलने वालों और परिवारों के लिए सप्ताहांत मनोरंजन क्षेत्र के लिए एक स्थल के रूप में भी उभरा। राज्य सरकार की पहल से 270 एकड़ में फैले वन क्षेत्र को प्रकृति वन के रूप में विकसित किया गया है।

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने दिया ई-बाइक शोरूम में लगी आग की जांच के आदेश

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सिकंदराबाद में एक इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम में लगी आग की जांच के आदेश दिए हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच सौंपे जाने के बाद दो विशेषज्ञ (सिकंदराबाद में इलेक्ट्रिक-बाइक शोरूम) जा रहे हैं। सरकार द्वारा आक्रामक रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों को आगे बढ़ाने के साथ, ई-बाइक में आग लगना चिंता का कारण है। सिकंदराबाद के एक होटल में ठहरी एक महिला सहित आठ लोगों की आधी रात को आग लगने से मौत हो गई। यह आग होटल के निचले हिस्से में स्थित इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम से निकली थी। इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़ी आग की हालिया घटनाओं के बाद, सड़क परिवहन मंत्रालय ने बैटरी सुरक्षा मानकों में अतिरिक्त सुरक्षा प्रावधान पेश किए, जो 1 अक्टूबर से लागू होंगे। इसमें बैटरी सेल, ऑन-बोर्ड चार्जर, बैटरी पैक का डिज़ाइन, और आंतरिक सेल शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण थर्मल प्रसार से संबंधित अतिरिक्त सुरक्षा आवश्यकताएं शामिल होंगी। इस साल अप्रैल में, ओला इलेक्ट्रिक, ओकिनावा ऑटोटेक और प्योरईवी जैसे निर्माताओं के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में आग लगने के मामले सामने आए थे। जिसके बाद, सरकार ने वाणिज्यिक मोटर वाहन नियमों के तहत अधिसूचित मौजूदा बैटरी सुरक्षा मानकों में अतिरिक्त सुरक्षा आवश्यकताओं की जांच करने और सिफारिश करने के लिए एक पैनल का गठन किया। अप्रैल में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कंपनियों को लापरवाही बरतने पर दंड की चेतावनी दी और कहा कि उन्हें दोषपूर्ण वाहनों को वापस बुलाने का आदेश दिया जाएगा।

यूनियन बैंक Union Bank of India
UNION BANK OF INDIA
Regional Office, D.No.51-1-2/1, Seethammadhara, Visakhapatnam-530013.

Application for Medical Practitioner at Staff Clinic in Union Bank of India, Regional Office, Visakhapatnam, on contract basis

Union Bank of India invites applications from eligible Medical Practitioners in Visakhapatnam Centre. The detailed information regarding, eligibility norms and application is available on the Bank's website **www.unionbankofindia.co.in** and **www.eprocure.gov.in.** The last date for submission of application is **22.09.2022 till 5.00 pm.** More information in this regard cal also be collected from **Mr. Praveen Ponnamalla on 8096454764 & e-mail id hr.visakhapatnam@unionbankofindia.bank.**

The Bank reserves the right to reject any or all applications without assigning any reasongs whatsover. **Sd/- Regional Head, Regional Office, Visakhapatnam**

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
असहनीय जोड़ो का दर्द
स्वर्ण भस्म से युक्त होने से अधिक असरकारक।
- पुराने से पुराना जोड़ों का दर्द
- कमर दर्द - घुटनों का दर्द
- मासपेशियों का अकड़ना
- मोच आदि दूर करने में सहायक।

रुमा ऑईल लगाते ही आराम पायें
वैद्यकीय सलाह : 844 844 4935
www.baidyanath.co

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें नि:संकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से प्रेरणा लें युवा : राज्यपाल

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों पर पांच दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन आज सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने किया। इस महीने की 18 तारीख तक चलने वाली फोटो प्रदर्शनी का आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, भारत सरकार के आलोक में किया जा रहा है। इस महीने की 17 तारीख को आधिकारिक तौर पर हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का फैसला किया और 17 सितंबर, 2023 तक एक साल तक जश्न जारी रखा। इस अवसर पर राज्यपाल ने वर्तमान पीढ़ी से निजाम के अत्याचारी शासन के खिलाफ लड़ने वाले हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को जानने और उनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया है। इस बात पर जोर देते हुए कि 17 सितंबर वास्तव में एक मुक्ति दिवस है क्योंकि तत्कालीन हैदराबाद राज्य के लोग निजाम के अत्याचारों से मुक्त हो गए थे। उन्होंने परकल नरसंहार की घटनाओं को याद किया जिसमें लगभग 30 लोग मारे गए थे और बैरनपल्ली की घटना जिसमें रजाकारों द्वारा 90 से अधिक लोगों को एक कुएं में फेंक दिया गया था।

यह कहते हुए कि भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है, ने हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में विलय करने के लिए ऑपरेशन पोलो की शुरुआत की और फिर से वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस महीने की 17 तारीख को हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है।

हैदराबाद राज्य के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों पर प्रदर्शनी लगाने में केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के प्रयासों की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि यह वर्तमान पीढ़ी को हमारे पूर्वजों द्वारा लड़ने के लिए किए गए बलिदानों के बारे में जानने में एक महान प्रवर्तक होगा। निजाम के अत्याचारों के खिलाफ और आज वे जिस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं उसे प्राप्त करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.